

ΚΑΝΩΝ Ο ΜΕΓΑΣ

ΠΟΙΗΜΑ ΤΟΥ ΑΓΙΟΥ ΑΝΔΡΕΟΥ ΚΡΗΤΗΣ

Ἦχος πλ. β'

Grécky a cirkevnoslovanský text

Štruktúra irmosov 6. hlasu je stanovená podľa pôvodných (11.-14. stor.) byzantských nápevov akoluthie.
Štruktúra – označenie konca úsekov:

* kolon slabé
: initium
:: polblok
, / blok (polveta)
,/* blok otvorený
. // perióda

Irmosy 8. hlasu v piesňach Triodia (T4,T8,T9) sú z nasledujúcich súčasných pozícií:

T4a – Povýšenie sv. kríža (14.9.)

T8ab – Jánovi Krstiteľovi (utorkový oktoich)

T9a – nedeľný kánon Bohorodičke (Κανών τῆς Υπεραγίας Θεοτόκου – Αναστάσιμος)

Ak nie je uvedené inak, pred tropármi kánona sa spieva tento prípev:

Πρηνεῖς: Помнѣѣ мѧ, вѣѣ, помнѣѣ мѧ.

Ωδή α'

Βοηθός καὶ σκεπαστής : 7
εγένετό μοι εἰς σωτηρίαν. // 10
οὗτός μου Θεός * καὶ δοξάσω αὐτόν, / 5+6
Θεός τοῦ Πατρὸς μου :: καὶ υψώσω αὐτόν, /* 6+6
ενδόξως γάρ δεδόξασται. // 8

Βοηθός καὶ σκεπαστής
εγένετό μοι εἰς σωτηρίαν.
οὗτός μου Θεός καὶ δοξάσω αὐτόν,
Θεός τοῦ Πατρὸς μου / καὶ υψώσω αὐτόν,
ενδόξως γάρ δεδόξασται. (Δις)

Πόθεν ἀρξομαι θρηνεῖν,
τάς τοῦ ἀθλίου μου βίου πράξεις ;
ποῖαν ἀπαρχήν, ἐπιθήσω Χριστέ,
τῇ νῦν θρηνωδίᾳ; ἀλλ' ὡς εὐσπλαγχνός μοι δός,
παρὰ πτωμάτων ἀφεςιν.

Δεύρο τάλαινα ψυχῇ,
σύν τῇ σαρκί σου τῶ πάντων Κτίστη.
ἐξομολογού καὶ ἀπόσχου λοιπόν,
τῆς πρὶν αλογίας καὶ προσάγαγε Θεόν,
ἐν μετανοίᾳ δάκρυα.

Τόν πρωτόπλαστον Ἀδάμ,
τῇ παραβάσει παραζηλώσας,
έγνω εμαυτόν, γυμνωθέντα Θεοῦ,
καὶ τῆς αἰδίου, βασιλείας καὶ τρυφῆς,
διὰ τὰς ἀμαρτίας μου.

Οἱμοὶ τάλαινα ψυχῇ!
τί ὠμοιώθης τῇ πρώτῃ Εὐᾷ ;
εἶδες γάρ κακῶς, καὶ ἐτρώθης πικρῶς,
καὶ ἦψω τοῦ ξύλου, καὶ ἐγεύσω προπετῶς,
τῆς παραλόγου βρώσεως.

Ἀντί Εὐᾶς αἰσθητής,
ἡ νοητὴ μοι κατέστη Εὐα.
ὁ ἐν τῇ σαρκί, ἐμπαθὴς λογισμός,
δεικνύς τὰ ἡδέα, καὶ γευόμενος αἰ,
τῆς πικρᾶς καταπόσεως.

Επαξίως τῆς Εδέμ,
προεξερρίφη ὡς μὴ φυλάξας.
μίαν σου Σωτῆρ, ἐντολήν ο Ἀδάμ,
ἐγὼ δέ τί πάθω, αθετῶν διαπαντός
τὰ ζωηρά σου λόγια;

Τὴν τοῦ Κάϊν υπελθών,
μιαυφονίαν τῇ προαιρέσει.
γέγονα φονεύς, συνειδóτι ψυχῆς,
ζώσας τὴν σάρκα, καὶ στρατεύσας κατ' αὐτῆς,
ταῖς πονηραῖς μου πράξεσι.

По́мощникъ ѿ покровѣтеля
бысть мнѣ во спасѣніе :
ѣѣ мѡѣ бгъ ѿ пролаблѣю ѣгò,
бгъ ѡтца моєгò - ѿ вознеѣ ѣгò,
славно бо пролаблѣна.

Ѡкѣѣ начинѣ плáкати
ѡκάннагѡ моєгò жнѣтѣлѣ дѣлнѣ ;
кѡе ли положѣ началѡ, хрѣтѣ,
нынѣшнемѣ рыданію; - но ѣакѡ блгоудѣробєнѣ дѣждѣ мѣ
прегрѣшеніѣ ѡстаблѣніѣ.

Γραὴ ὡκάннаα δσшѣ,
ѣз плѡтїю тѡѡѣю знжнѣтелю бѣѣхѣ.
нѣповѣждѣа, ѿ ѡстáннѣа проѣе
прѣжднaгѡ бєзлѡвѣїа - ѿ прннєѣ бгѣ
ѣз покáлнн лѣзѣ.

Первѡздáннагѡ áдáмa
прєстѣплѣнію порєновáбѣз.
познáхѣ єєѣ ѡбнaжѣна ѡ бгá
ѿ прѣнѡєдѣнaгѡ црѣтѣлѣ ѿ слáдоєтн,
грѣхѣ рáдн мѡнѣхѣ.

Ѡ҃бѣ мнѣ ὡκάннаα δσшѣ,
чтò ѡ҃подѡблѣна ѣѣнѣ пѣрѣѣнѣ ѣнѣ ;
бнáѣлa бѡ ѣѣнѣ слѣ, ѿ ѡ҃лaзбнáлa ѣѣнѣ гѡрѣѣ,
ѿ кѡєнáлa ѣѣнѣ дрѣвa - ѿ вкѣнáлa ѣѣнѣ дѣрзѡєтнѡ
бєзлѡвѣїнaлa нѣѣнѣ.

Вмѣєтѡ ѣнѣ чѣєтѣєннaлa
мыєлєннaлa мѣ бѣєтѣ ѣнѣ.
бѡ плѡтн єтрáєтнѣнѣ пѡмыєлa,
показѣлѣ слáкaлa - ѿ вкѣшáлѣ прѣнѡ
гѡрыкагѡ нaпѡѡнѣлa.

Аѡєтѡнѣнѣ нѣз ѣдѣмa
нѣзнáнѣ бѣєтѣ ѣакѡ нѣ єѡхрáннѣз.
ѣднѣ тѡѡѣ, єпѣє, зáпѡвѣдѣ áдáмz:
áзѣ жѣ чтò поєтрaждѣ, - ѡмєтáлa вєєдá
жнѣѡтнaлa тѡѡѣ лѡвѣєлa;

Вáнѡвѡ прєшѣдѣ
ѡбѣнѣтѡ прѡнзѡлѣнѣємz.
бѣхѣ ѡбѣнѣцá єѡѣєтн δσшѣєнѣнѣ,
ѡжнѣнѣз плѡтѣ, - ѿ бѡєáбѣз нa нѡ
лѣкáбѣмн мѡнѣмн дѣлнѣмн.

Τῇ τοῦ Ἀβελ Ἰησοῦ,
οὐχ ὡμοιώθην δικαιοσύνη.
δώρα σοι δεκτά, οὐ προσήξα ποτέ,
οὐ πράξεις ἐνθέους, οὐ θυσίαν καθάραν,
οὐ βίον ἀνεπίληπτον.

Ὡς ὁ Κάϊν καὶ ἡμεῖς,
ψυχὴ ἀθλία τῷ πάντων Κτίστη.
πράξεις ρυπαράς, καὶ θυσίαν ψεκτὴν,
καὶ ἀχρηστον βίον, προσηγάγομεν ομοῦ,
διό καὶ κατεκρίθημεν.

Τὸν πηλὸν ὁ κεραμεύς,
ζωοπλαστήσας ἐνέθηκάς μοι.
σάρκα καὶ οστά, καὶ πνοὴν καὶ ζωὴν,
Ἀλλ' ὦ Ποιητά μου, Λυτρωτά μου καὶ Κριτά,
μετανοοῦντα δέξαι με.

Εξαγγέλλω σοι Σωτήρ,
τάς ἀμαρτίας ἄς ἐργασάμην.
καὶ τάς τῆς ψυχῆς, καὶ τοῦ σώματός μου,
πληγὰς, ἄς μοι ἔνδον, μαιφόνοι λογισμοί,
ληστρικῶς ἐναπέθηκαν.

Εἰ καὶ ἡμαρτον Σωτήρ,
ἀλλ' οἶδα ὅτι φιάνθρωπος εἶ.
πλήττεις συμπαθῶς, καὶ σπλαγχνίζῃ θερμῶς,
δακρὺ ὄντα βλέπεις, καὶ προστρέχεις ὡς Πατὴρ,
ἀνακαλὼν τὸν Ἄσωτον.

Ερριμμένον με Σωτήρ,
πρὸ τῶν θυρῶν σου κἂν ἐν τῷ γήρει.
μὴ με ἀπορρίψης εἰς Ἄδου κενόν,
ἀλλὰ πρὸ τοῦ τέλους, ὡς φιάνθρωπός μοι δός,
παρὰπτωμάτων ἄφεσιν.

^A Τὴν οὐσίαν μου Σωτήρ,
καταναλώσας ἐν ἀσωτίᾳ.
ἐρημός εἰμι, ἀρετῶν εὐσεβῶν,
λιμώττων δέ κράζω. Ὁ Πατὴρ τῶν οἰκτιρμῶν,
προφθάσας σὺ με οἰκτεῖρον.

Ὁ λησταῖς περιπεσὼν,
ἐγὼ ὑπάρχων τοῖς λογισμοῖς μου.
ὅλως ὑπ' αὐτῶν τετραυμάτισμαι νῦν,
ἐπλήσθην μολώπων, ἀλλ' αὐτὸς μοι ἐπιστάς,
Χριστέ Σωτήρ ἰάτρευσον.

Ἱερεὺς με προῖδόν,
ἀντιπαρήλθε καὶ ὁ Λευῖτης.
βλέπων ἐν δεινοῖς, ὑπερεῖδε γυμνόν,
ἀλλ' ὁ ἐκ Μαρίας, ἀνατείλας Ἰησοῦς,
σὺ ἐπιστάς με οἰκτεῖρον.

Авелевѣ ѿице,
не ѡподобихца прѣдѣ.
дѣла твоѣ прѣдѣтна не принеоуча когда,
ни дѣла нѣа бжѣтвенна, ни жерѣтвы чистыа,
ни житїа непорочнаго.

Яко каїна ѣ мы,
дшѣ ѡкалѣннаа вѣхъ сѡдѣтелю.
дѣла нѣа ебѣннаа, ѣ жерѣтвѣ порочнѣ,
ѣ непотрѣбноа житїѣ – принеоучомъ ебѣ:
тѣмъ же ѣ ѡсѣдѣхомъ.

Брѣнїе злѣтѣль
жнкозлѣвъ вложїахъ єнѣ мнѣ.
плѣтъ ѣ кѡрѣтѣ, ѣ дыхлїнїе ѣ жїзнь:
но ѡ твоѣ мѡнѣ ѣзлѣвнѣтелю мѡнѣ ѣ едѣ,
каїуцаа прїимѣ ма.

Извѣщаю тѣ еїце,
грѣхѣнѣ ѣже сѡдѣлахъ.
ѣ дшѣнѣ ѣ тѣла моєгѡ
ѣзвы, ѣже бжѣтрь ѡбїнѣтвеннїи помыслы
разбѡннѣекѣ на ма възложїша.

Аще ѣ сѡгрѣшїхъ, еїце,
но вѣмъ ѣко члѣвѣколюбѣцъ єнѣ.
наказѣши мѣтѣнѡ, ѣ мнѡебѣтѣвѣши тѣплѣ:
елезѣма зрїши, – ѣ прїтекаѣши ѣко ѡцѣ,
прїзѣвѣа ебѣнаго.

Повѣрѣна ма еїце,
прѣдъ вратѣ тѣбѡмѣ, по нѣ на етѣрѣстѣ.
не ѡрїннѣ менѣ во ѣдъ тѣла,
но прѣжде концѣ – ѣко члѣвѣколюбѣцъ дѣждъ мѣ
прѣгрѣшїнїи ѡстаѣлѣнїе.

V Gr. je tento tropár dvojmo, len s malými odlišnosťami (variant A,B).
V csl. je tento tropár prítomný iba raz, na pozícii gréckeho variantu B,
ale preklad vychádza zo znenia variantu A.

Въ разбѡннѣкѣ впадѣи
ѣзъ єѣмъ помыслѣнѣмѣ моѡмѣ.
вѣсѣ ѡ нїхъ ѡбѣзѣнѣа нїнѣ,
ѣ нїпѡлннѣа рѣнѣ: – но елѣмъ мѣ прѣдѣтѣвъ,
хрѣтѣ еїце нѣцѣлѣнѣ.

Сѣннѣкѣ ма прѣдѣлѣвъ
мнѣмъ ѣде ѣ лѣнїтѣ.
бѣла въ лѡтѣхъ нѣга прѣзрѣ:
но ѣз мѣнѣ – възѣлѣвнѣ ѿице,
тѣ прѣдѣтѣвъ ѡбѣдѣнѣ ма.

Ο Αμνός ο τού Θεού, ο αίρων πάντων τās αμαρτίας. άρων τόν κλοιόν απ' εμού τόν βαρύν, τόν τής αμαρτίας, καί ως εὐσπλαγχνός μοι δός, δάκρυα κατανύξεως.	ѦГНЧЕ БѢЖИ, БЗЕМЛѦ ГРѢХН ВРѢХЗ. ВОЗМН БРЕМА Ѡ ΜΕΝΕ ΤΑЖКОЕ ГРѢХОБНОЕ – Н ѦКВ БЛГОДТРОБЕНЗ ДАЖДЬ ΜΗ СЛЕЗЫ ОУМНЛЕНІА.
Μετανοίας ο καιρός, προσέρχομαί σοι τώ Πλαστοργώ μου. Άρον τόν κλοιόν απ' εμού τόν βαρύν, τόν τής αμαρτίας, καί ως εὐσπλαγχνός μοι δός, δάκρυα κατανύξεως.	ПоклѦніѦ БРЕМА, ПРНХОЖДѢ ТН СОЗДАТЕЛЮ МОЕМУ. ВОЗМН БРЕМА Ѡ ΜΕΝΕ ΤΑЖКОЕ ГРѢХОБНОЕ, – Н ѦКВ БЛГОДТРОБЕНЗ ДАЖДЬ ΜΗ СЛЕЗЫ ОУМНЛЕНІА.
Μή βδελύξη με Σωτήρ, μή απορρίψης τού σου προσώπου. άρων τόν κλοιόν, απ' εμού τόν βαρύν, τόν τής αμαρτίας, καί ως εὐσπλαγχνός μοι δός, παρπατωμάτων άφесιν.	НЕ ВОЗГНДѦШѦСѦ ΜΕΝΕ ΕΠΕ, НЕ ѠРННН Ѡ ТВОЕГѢ ЛНЦѦ. ВОЗМН БРЕМА Ѡ ΜΕΝΕ ΤΑЖКОЕ ГРѢХОБНОЕ – Н ѦКВ БЛГОДТРОБЕНЗ ДАЖДЬ ΜΗ ГРѢХОПАДЕНІИ ѠСТАВЛЕНІЕ.
Τά εκούσια Σωτήρ, καί τά ακούσια πταίσματά μου. καί τά φανερά, καί κρυπτά καί γνωστά, καί άγνωστα πάντα, συγχωρήσας ως Θεός, ιλάσθητι, καί σώσόν με.	ВѢЛЬНАѦ, ΕΠΕ, Н НЕВѢЛЬНАѦ ПРЕГРѢШЕНІА МОѦ. ѦВЛѢННАѦ Н СОКРОВѢННАѦ Н ВѢДѦМАѦ Н НЕВѢДѦМАѦ ВЕѦ – ПРОСТѢВЗ ѦКВ БГЗ, ѠЧНѢТН Н ΕΠΕ ΜѦ.
Εκ νεότητος Σωτήρ τάς εντολάς σου επαρωσάμην. όλον εμπαθός, αμελών ραθυμών, παρήλθον τόν βίον, διό κράζω σοι Σωτήρ, κάν εν τώ τέλει, σώσόν με.	Ѡ ѦНОУТН ХРѢ, ЗѦПѢВѢДН ТВОѦ ПРЕТДПНХЗ. ВЕРТРАТННѢ НЕВРЕГІИ ѠННІИЕМЗ ПРЕНДѢХЗ ЖНТѢ. – ТѢМЖЕ ЗОВѢ ТН ΕΠΕ: ПОНѢ НА КОНЕЦЗ ΕΠΕ ΜѦ.
^В Τήν ουσίαν τής ψυχής, καταναλώσας τή αμαρτία. έρημός ειμι αρετών ευσεβών, λιμώττων δέ κράζω. ο ελέους χορηγός, προφθάσας σύ με οίκτειρον.	БѢГѢТѢВО МОѢ ΕΠΕ, НЗНДРНѢЗ ВЗ БЛДѢ. ПДѢТЗ ѢМѢ ПЛОДѢВЗ БЛГОУСѢТНѢВЫХЗ, ѦЧЕНЗ ЖЕ ЗОВѢ: – ѢЧЕ ЦЕДРОТЗ, ПРЕДВАРНѢЗ ТЫ ΜѦ ОУЦЕДРН.
Σοί προσπίπτω Ιησού. Ημάρτηκά σοι ιλάσθητί μοι. άρων τόν κλοιόν απ' εμού τόν βαρύν, τόν τής αμαρτίας, καί ως εὐσπλαγχνος Θεός, μετανοούντα δέξαι με.	ТѢБѢ ПРНПѦДѦЮ ѦНѢ, СОГРѢШНХЗ ТН, ѠЧНѢТН ΜѦ. ВОЗМН БРЕМА Ѡ ΜΕΝΕ ΤΑЖКОЕ ГРѢХОБНОЕ, – Н ѦКВ БЛГОДТРОБЕНЗ ДАЖДЬ ΜΗ СЛЕЗЫ ОУМНЛЕНІА.
Μή εισέλθης μετ' εμού, εν κρίσει φέρων μου τά πρακτέα. λόγους εκζητών, καί ευθύνων ορμάς, άλλ εν οικτιρμοίς σου, παρορών μου τά δεινά, σώσόν με Παντοδύναμε.	НЕ ВННДН СО ΜΗΟЮ ВЗ ѢДЗ НОΙѦ МОѦ ДѢΛНІА. СЛОВЕѦ НЗЫКѢѦ, Н НПРАВЛѦѦ СΤРЕМЛѢНІА: НО ВЗ ЦЕДРОТАХЗ ТВОИХЗ – ПРЕЗНРѦѦ МОѦ ЛѢТѦѦ, ΕΠΕ ΜѦ ВРЕШЛѢНЕ.

Οσία τοῦ Θεοῦ πρέσβευε υπέρ ημῶν.

Σύ μοι δίδου φωταυγή,
εκ θείας ἀνωθεν προμηθείας.
χάριν εκφυγεῖν, τῶν παθῶν σκοτασμόν,
καί ἄσαι προθύμως, τοῦ σου βίου τά τερπνά,
Μαρία διηγήματα.

Запѣвъ: Прѣбѣла мѣти маріе, молѣ бѣа ѿ насъ.

Ты ми дѣждь вѣттозѣрнѣю **бл҃годѣть**
ѿ бѣжѣтвеннагѡ вѣыше промыслѣніѧ.
*** ѿзвѣжѣти стрѣтѣ ѡмрачѣніѧ,
и пѣти ѡг҃єрднѡ, твоегѡ **маріе** житїѧ / кр҃ѣснаѧ
*** ѿпрѣвлѣніѧ.

Οσία τοῦ Θεοῦ πρέσβευε υπέρ ημῶν.

Υποκύψασα Χριστοῦ,
τοῖς θείοις νόμοις τούτῳ προσήλθες.
τάς τῶν ἡδονῶν ἀκαθέκτους ορμάς,
λιπούσα καί πάσαν, ἀρετὴν πανευλαβώς,
ὡς μίαν ἐκατόρθωσας.

Приклѣньшиѧ хр҃тѡвымъ
бѣжѣтвеннымъ законѡмъ, къ себѣ притѣпѣла єси.
сладостѣи недержимаѧ стрѣмѣніѧ
ѡстаѣвшии и вѣѧкѡ – добродѣтели ввѣл҃гогобѣннѡ,
ѣѧкѡ єдинѣ ѿпрѣвлѣла єси.

Ἄγιε τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν

Ἰκεσίαις σου ημᾶς,
Ἀνδρέα ρύσαι παθῶν ἀτίμων.
καί τῆς βασιλείας, νύν Χριστοῦ κοινωνούς,
τούς πίστει καί πόθῳ, ἀνυμνοῦντάς σε κλεινέ,
ἀνάδειξον δεόμεθα.

Ἀндрѣю: Прѣбѣ О҃тче андрѣе, молѣ бѣа ѿ насъ.

Млѣтѣлми твоѣмн насъ,
андрѣе, ѿзбѣди стрѣтѣи бѣзчѣстныхъ.
и цр҃тѣѧ нынѣ хр҃тѡѧ ѡбщеники
бѣрою и любѣѣю – воепрѣвлѣнїѧ тѧ, славне,
покажѣ, мѡлѣмѣѧ.

Δόξα...

Υπερούσιε Τριάς,
ἡ ἐν Μονάδι προσκυνουμένη.
ἄρον τὸν κλοιόν, ἀπ' ἐμοῦ τὸν βαρύν,
τὸν τῆς αμαρτίας, καί ὡς εὐσπλαγχνός μοι δός,
δάκρυα κατανύξεως.

Слава, тр҃ченъ:

Предѣлѣла тр҃це,
во єдинѣѣ поклонѣмѣѧ.
возми брѣмѧ ѿ мене тѧжкоѧ
грѣхѡвноѧ – и ѣѧкѡ бл҃годѣтробѣѧ дѣждь ми
слѣзы ѡг҃мнлѣніѧ.

Καί νύν...

Θεοτόκε ἡ ἐλπίς,
καί προστασία τῶν σέ υμνοῦντων.
ἄρον τὸν κλοιόν, ἀπ' ἐμοῦ τὸν βαρύν,
τὸν τῆς αμαρτίας, καί ὡς εὐσπλαγχνός μοι δός,
δάκρυα κατανύξεως.

Кѡрѡднченъ:

Бѣе, надѣждѣ
и прѣдѣтѣлѣствѡ тебѣ поѡщѣхъ.
возми брѣмѧ ѿ мене тѧжкоѧ
грѣхѡвноѧ – и ѣѧкѡ бл҃҃҃ца ѣтѧѧ,
кѧѡщѣѧ прѣмнѣ ма.

1 irmos + 23/24 trop. + 3 svätým + 2 Sláva/I nýňi = 29/30

Poznámky:

Štvrtý riadok tropárov je niekedy paralelný k tretiemu, inokedy sa významovo láme vo svojej polovici.

V 6 tropároch sa opakuje motív ἄρον τὸν κλοιόν, ἀπ' ἐμοῦ τὸν βαρύν, ...

Ωδή θ' - α

Πρόσεχε : ουρανέ καί λαλήσω : 3+7
καί ανυμνήσω Χριστόν :: 7
τόν εκ Παρθένου σαρκί, /* 7
επιδημήσαντα. // 6

Πρόσεχε ουρανέ καί λαλήσω
καί ανυμνήσω Χριστόν,
τόν εκ Παρθένου σαρκί
επιδημήσαντα. (Δίς)

Πρόσεχε, ουρανέ, καί λαλήσω,
γή ενωτίζου φωνής,
μετανοούσης Θεώ,
καί ανυμνούσης αυτόν.

Πρόσχεσ μοι, ο Θεός ο Σωτήρ μου,
ιλέω όμματί σου,
καί δέξαι μου τήν θερμήν
εξομολόγησιν.

Ημάρτηκα, υπέρ πάντας ανθρώπους,
μόνος ημάρτηκά σοι,
αλλ' οίκτηιρον ως Θεός,
Σώτερ τό ποιήμά σου.

Ζάλη με, τών κακών περιέχει,
εύσπλαγγνε Κύριε,
αλλ' ως τώ Πέτρω καμοί,
τήν χείρα έκτεινον.

Τά δάκρυα, τά τής πόρνης οικτίρμον,
καγώ προβάλλομαι.
Ιλάσθητί μοι Σωτήρ,
τή ευσπλαγχνία σου.

^A Εσπίλωσα, τόν τής σαρκός μου χιτώνα,
καί κατερρύπωσα,
τό κατ' εικόνα Σωτήρ,
καί καθ' ομοίωσιν.

Ημαύρωσα, τής ψυχής τό ωραίον,
ταίς τών παθών ηδοναίς,
καί **όλως όλον** τόν **νούν**,
χούν απετέλεσα.

Διέρρηξα, νύν τήν στολήν μου τήν πρώτην,
ήν εξυφάνατό μοι,
ο Πλαστουργός εξ αρχής,
καί ένθεν κείμει γυμνός.

Ενδέδυμαι, διερρηγμένον χιτώνα,
όν εξυφάνατό μοι,
ο όφισ τή συμβουλή,
καί καταίσχύνομαι.

ΒΟΗΜΗ ΗΕΟ Η ΒΟΖΓΛΑΓΟΛЮ,
Η ΒΟΙΡΟЮ ΧΡΪΤΑ,
Ω ΔΕΒΥ ΠΛΤΪЮ
ΠΗНШЭДШАГО.

ΒΟΗΜΗ ΗΕΟ Η ΒΟΖΓΛΑΓΟΛЮ,
ЗЕМЛЭ, ВНДШАН ГЛЭЗ,
КЛЮЦІНІА КЗ БГД
Η ΒΟΙПЕВЛЮЦІНІ ԷԴՈ.

ΒΟΗΜΗ ΜΗ, ΕΪΕ, ΕΪΕ ΜΟΗ
ΜΛΤНЕМЫМЗ ТВОЊМЗ ЪКОМЗ,
Η ΠΡІМНΗ ΜΟΕ ΤΕΠЛОЕ
НІРОВЕДАНІЕ.

ΒΟΓРѢШНХЗ ПЛЧЕ ВРѢХЗ ЧЕЛОВѢКЗ,
ԷԴННЗ ΒΟΓРѢШНХЗ ТВѢԷ:
НО ОΥЦЕΔΗ ІАКΩ БГЗ,
ΕΪΕ, ТВОРЕНІЕ ТВОЕ.

ΒΩΡΑ ΜΑ ΣΛІХЗ ΩΒΕДЖНІТЗ,
БЛГОДТРОБНЕ ГЛН:
НО ІАКΩ ПЕТРՅ Η ΜΗԷ
РԶԿՅ ՍՐՈՒՐԻ.

ΒΛΕЗЫ БЛДННЦЫ, ЦЕДРЕ,
Η ԶЗ ПРЕДАГІО:
ΩԴТН ΜΑ, ΕΪΕ,
БЛГОДТРОБЕМЗ ТВОЊМЗ.

v Gr. je tento tropár uvedený dvakrát.
v csl. sa nachádza na pozícii druhého výskytu.

ΩΜΡΑΝΗХЗ АДШЭВНДЮ КРАСОТД
СТРАСТЕН СЛАСТМН,
Η ΒΕΛЧЕСКН ВЕСЬ ОЇМЗ
ПЕРЕТЬ СОТВОРНХЗ.

ΡΑΖΑΡΑХЗ НЫНЧЕ ΩΔΕЖАД МОЮ ПЕРЕДЮ,
ЮЖЕ МН НЗТКА
ЗНЖДНТЕЛ НЗНАЧАЛА,
Η ΩТДДА ЛЕЖД НАГЗ.

ΩΒΕΚΟΧΕΑ ВЗ ΡΑΖΑΡΑΝНДЮ РНЗД,
ЮЖЕ НЗТКА МН
СМІН СОБЕЧТОМЗ,
Η СТЫЖАДСА.

Προσέβλεψα, τού φυτού τό ωραίον,
καί ηπατήθην τόν νούν,
καί ἄρτι κείμει γυμνός,
καί καταισχύνομαι.

Ετέκταινον, ἐπὶ τόν νότον μου πάντες,
οἱ αρχηγοὶ τών κακῶν,
μακρύνοντες κατ' εμοῦ
τὴν ανομίαν αὐτών.

Απόλεσα, τό πρωτόκτιστον κάλλος,
καί τὴν ευπρέπειάν μου,
καί ἄρτι κείμει γυμνός,
καί καταισχύνομαι.

Κατέρραψε, τούς δερματίνους χιτώνας,
ἡ αμαρτία καμοί,
γυμνώσασά με τῆς πρίν,
θεοῦφάντου στολῆς.

Περίκειμαι, τόν στολισμόν τῆς αισχύνης,
καθάπερ φύλλα συκῆς,
εἰς ἐλεγχον τών εμών,
αυτεξουσίων παθών.

Εστόλισμαι, κατεστιγμένον χιτώνα,
καί ημαγμένον αισχρῶς,
τῇ ρύσει τῆς εμπαθοῦς,
καί φιληδόνου ζωῆς.

^B Εσπίλωσα, τόν τῆς σαρκός μου χιτώνα,
καί κατερρύπωσα,
τό κατ' εἰκόνα Σωτήρ,
καί καθ' ομοίωσιν.

Υπέπεσα, τῇ τών παθών αλγηδόνι,
καί τῇ ενύλῳ φθορά,
καί ἔνθεν νύν ο εχθρός,
καταπιέζει με.

Φιλούλον, καί φιλοκτήμονα βίον,
τῆς ακτησίας Σωτήρ,
προκρίνας νύν τόν βαρύν,
κλοιόν περικείμει.

Εκόσμησα, τόν τῆς σαρκός ἀνδριάντα,
τῇ τών αισχρῶν λογισμών,
ποικίλῃ περιβολῇ,
καί κατακρίνομαι.

Τῆς ἐξωθεν, ἐπιμελῶς ευκοσμίας,
μόνης εφρόντισα,
τῆς ἔνδον υπεριδῶν,
Θεοτυπώτου σκηνῆς.

Воззрѣхъ на издѣнѣю крестоу
и прельстѣхся оумомъ:
и ѿтѣхъ лежѣхъ нагъ,
и ермלאюся.

Аѣлаша на хребтѣ моѣмъ
всѣ нацѣльницы стрелѣй,
продолжающе на мѣ
беззаконіе ѣхъ.

Поудѣхъ первоздѣннѣю доверѣю
и бл҃гоуспѣю моѣ,
и нынѣ лежѣхъ нагъ,
и стѣижѣхъ.

Сшнѣаше кѡжныя рѣзѣ
грѣхъ мнѣ,
обнажѣхъ мѣ перѣмъ
бѣотканнѣя одеждѣ.

Обложѣхъ ѣмъ ѡдѣаніемъ стѣла,
ѣкоже листвѣмъ смоковницѣмъ,
во ѡблеченіе моѣхъ
сѣмобл҃стнѣхъ стрелѣй.

Одѣахъ въ ермленѣю рѣзѣ,
и ѡкровавленнѣю стѣднѣю,
теченіемъ стрелѣтнаго
и любогладѣтнаго жнеотѣ.

Обквернѣхъ плѣти моѣѣ рѣзѣ
и ѡкלאхъ
ѣже по ѡбразѣ, е҃ге,
и по подобию.

Впадѣхъ въ стрелѣннѣю пѣгѣ
и въ вѣиѣтвеннѣю тлѣ,
и ѿтѣхъ до нынѣ вѣлѣхъ
мнѣ досладеѣхъ.

Абѡвѣиное и абѡнмѣнное житіе,
невоздержаніемъ е҃ге
предпочѣхъ нынѣ, тѣжкѣмъ
бременемъ ѡложѣхъ ѣмъ.

Оукрасѣхъ плѣтиѣю ѡбразъ
сквернѣхъ помыслѣннѣю
различнымъ ѡложѣнѣмъ,
и ѡсѣждѣюся.

Внѣшнимъ прѣлѣжнѣю бл҃гоудѣлѣніемъ
здѣнѣмъ попокѣхъ,
внѣтрѣннѣю презрѣхъ
бѣѡвѣрѣннѣю е҃кіннѣю.

Μορφώσας μου, τὴν τῶν παθῶν αμορφίαν,
ταῖς φιληδόνοις ορμαῖς,
ελυμηνάμην τοῦ νοῦ
τὴν ωραιότητα.

Κατέχρωσα, τῆς πρὶν εικόνοιο τό κάλλος,
Σώτερ τοῖς πάθεσιν,
ἀλλ' ὡς ποτέ τὴν δραχμὴν,
ἀναζητήσας ευρέ.

Ἠμάρτηκα, ὥσπερ ἡ Πόρνη βοῶ σοι,
μόνος ἡμάρτηκά σοι,
ὡς μύρον δέχου Σωτὴρ
καμοῦ τὰ δάκρυα.

Ὡλίσθησα, ὡς ὁ Δαυὶδ ἀκολάστως,
καὶ βεβορβόρωμαι,
ἀλλ' ἀποπλύναις καμέ,
Σωτὴρ τοῖς δάκρυσί μου.

Πλάσθητι, ὡς ὁ Τελώνης βοῶ σοι,
Σώτερ ἱλάσθητί μοι,
οὐδεὶς γάρ τῶν ἐξ Ἀδάμ,
ὡς ἐγὼ ἡμαρτέ σοι.

Ὁυ δάκρυα, οὐδέ μετάνοιαν ἔχω,
οὐδέ κατάνυξιν,
αὐτός μοι τὰῦτα Σωτὴρ,
ὡς Θεὸς δώρησαι.

Τὴν θύραν σου, μὴ ἀποκλείσης μοι τότε,
Κύριε, Κύριε,
ἀλλ' ἀνοίξον μοι αὐτήν
μετανοοῦντί σοι.

Φιλάνθρωπε, ὁ θέλων πάντας σωθῆναι,
σύ ἀνακαλέσαι με,
καὶ δέξαι ὡς ἀγαθός,
μετανοοῦντά με.

Ενώτισαι, τοὺς στεναγμούς τῆς ψυχῆς μου,
καὶ τῶν ἐμῶν ὀφθαλμών,
προσδέχου τοὺς σταλαγμούς.
Κύριε σώσόν με.

Θεοτοκίον

Ἀχραντε, Θεοτόκε Παρθένε
μόνη πανύμνητε,
ικέτευε ἐκτενῶς,
εἰς τὸ σωθῆναι ἡμᾶς.

Βοωεραζήβεζ μοήχζ ετραεττέῃ βεζ'ωεράζῃε,
λιβεοελαίτνημιη ετρεμελένημιη
πογδενήχζ οῦμα
κραεοτδ.

Πογρεβόχζ πέρβαγζ ὠεράζα δοερότδ
εῖπε ετραεττμήη,
ἰῶζε ἱάκω ἡνογδὰ δράχμδ,
βζυεκαβζ ὠεράμην.

Σογρεψήχζ, ἱάκοζε ελδδηνίца βοπίῳ τη:
ξδηνζ σογρεψήχζ τεετῆ,
ἱάκω μνῖρο πρῖνμῇ εῖπε
ἡ μοᾶ ελέζυ.

Ποπολζόχεα ἱάκω δέδζ ελδδηνω,
ἡ ὠεκεβερηνήχεα:
νο ὠμυῖη ἡ μενέ
εῖπε, ελεζάμην.

Ὠνέτη, ἱάκοζε мыт'άρь βοπίῳ τη,
εῖπε ὠνέτη μὰ:
ηηκτόζε βο εδцинχζ ἡζ' ἀδάμα,
ἱάκοζε ἰζζ σογρεψήχζ τεετῆ.

Ἡη ελέζζ, ηηζέ ποκαδῆῖα ἡμამз,
ηηζέ οῦμνηένῖα:
εἰμз мн εἶᾶ εῖπε,
ἱάκω εῖζ δάρδῆ.

Ἀβέρь тѡоῦ не затѡорῇ мнѣ тогдὰ,
гдῇ, гдῇ:
но ὠβέρзη мн εἶο
κάюцмδεа τεετῆ.

Члѣтѡколюбче хот'аῖь вѣтмз εῖπετῆεа,
тѣῖ возззовῆ ма,
ἡ πρῖнμῇ ἱάκω εἰгз
κάюцагоа.

Βηδшῇ воздыχῆῖа δδшῇ моεᾶ,
ἡ Ὠчю моεю
πρῖнμῇ κάπην
εῖπε, ἡ εῖсῇ ма.

Ἔγορδηνιενз:

Πρεῖтла εῖε дѡо,
ξδῆῖа вεεπῆтлаа,
молῇ прнлѣжнѡ
во ξже εῖπετῆеа ἡμамз.

Ωδή θ' - b

Ειρμός άλλος

Ίδετε ιδετε *ότι εγώ ειμι Θεός. // 6+9

ο μάννα επομβρήσας : 7
καί τό ύδωρ εκ πέτρας * 7
πηγάσας πάλαι * εν ερήμω * τώ λαώ μου : 13
τή μόνη δεξιά. // καί τή ισχύϊ τή εμῇ.// 6+8

Ίδετε ιδετε ότι εγώ ειμι Θεός.

ο μάννα επομβρήσας :
καί τό ύδωρ εκ πέτρας
πηγάσας πάλαι εν ερήμω τώ λαώ μου :
τή μόνη δεξιά καί τή ισχύϊ τή εμῇ.

Ίδετε ιδετε, ότι εγώ ειμι Θεός.

ενωτίζου ψυχή μου :
τού Κυρίου βοώντος,
καί αποσπάσθητι τῆς πρώην αμαρτίας:
καί φοβού ως δικαστήν, καί ως κριτήν καί Θεόν.

Τίνι ωμοιώθης, πολυαμάρτητε ψυχή;
οίμοι τώ πρώτῳ Κάϊν :
καί τώ Λάμεχ εκείνω,
λιθοκτονήσασα τό σώμα κακουργίας:
καί κτείναςα τόν νούν, ταίς παραλόγοις ορμαίς.

Πάντας τούς πρό νόμου, παραδραμούσα ώ ψυχή.
τώ Σήθ ουχ ωμοιώθης:
ου τόν Ενώς εμιμήσω,
ου τόν Ενώχ τή μεταθέσει ου τόν Νώε:
αλλ' ώφθης πενιχρά, τῆς τών δικαίων ζωῆς.

Μόνη εξήνοιξας, τούς καταρράκτας τῆς οργῆς.
τού Θεού σου ψυχή μου:
καί κατέκλυσας πάσαν,
ως γήν τήν σάρκα, καί τάς πράξεις, καί τόν βίον:
καί έμεινας εκτός, τῆς σωστικής Κιβωτού.

Άνδρα απέκτεινα, φησίν, εις μώλωπα εμοί.
καί νεανίσκον εις τραύμα:
Λάμεχ θρηνών εβόα,
σύ δε ου τρέμεις ώ ψυχή μου, ρυπωθείσα:
τήν σάρκα καί τόν νούν, κατασπιλώσασα.

Ω πώς εξήλωσα, Λάμεχ τόν πρώην φονευτήν.
τήν ψυχήν ώσπερ άνδρα:
τόν νούν ως νεανίσκον,
ως αδελφόν δε μου τό σώμα αποκτείνας:
ως Κάϊν ο φονεύς, ταίς φιληδόνοις ορμαίς!

Πύργον εσοφίσω, οικοδομήσαι, ώ ψυχή!
καί οχύρωμα πήξαι:
ταίς σαίς επιθυμίαις,
ειμή συνέχειν ο κτίστης τάς βουλάς σου:
καί κατέαξεν εις γήν, τά μηχανήματά σου.

ΒΗΔΗΤΕ ΒΗΔΗΤΕ ѿκω ѿзз ѿѣмь бгъ:
мѣнѣ ѡдождѣнѣи,
нѣ вѣдѣ ѡзѣ κѣмене
нѣсточнѣи дрѣвле въ пѣстѣи лѣдемъ моимъ,
дѣнѣи ѣднѣи, нѣ крѣпѣи моѣи.

ΒΗΔΗΤΕ ΒΗΔΗΤΕ, ѿκω ѿзз ѿѣмь бгъ:
вѣнѣи дрѣмѣ моѣ,
гѣи вѣи
нѣ ѡдѣи прѣжнѣи грѣхѣ,
нѣ вѣи ѿκω нѣмѣи грѣхѣ, нѣ ѿκω ѣдѣи нѣ бгѣ.

Κομδ οὔποδόβηλας εἰς πολλὰ ποταμῶν ὁδὸν,
τόκμω πέρβομδ κλῖνδ,
нѣ ламѣх ѡномд,
каменѡвѣшлѡ тѣло слодѣи грѣхѣ,
нѣ ѡбѣшлѡ ѡмъ безѣмѣи грѣшнѣи.

Βεῶν πρέжде законѡν прѣтѣкшн, ѡ дрѣмѣ!
нѣ дрѣмѣ нѣ ѡποδόβηлаς εἰς,
нн ѣнѣи подражѣи ѣи,
нн ѣнѣи прѣложѣи емъ, нн нѣи:
но ѡбѣи ѣи ѡбѣи прѣвѣи жнѣи.

Βάνη ὠνέρζα εἰς χλῆν γηῖν.
бгѣ твоѣи, дрѣмѣ моѣ,
нѣ потѣи ѣи вѣи,
ѿкоже зѣмлю плѣтѣ, нѣ дрѣмѣи нѣ жнѣи,
нѣ прѣи ѣи вѣи ѣи грѣи грѣи.

Μδζα οὔβηχζ, γλαγόετζ, въ ѿзвѣ мнѣ,
нѣ ѡнѡшѣ въ грѣи,
ламѣхъ рыдѣи вѣи,
тѣи же нѣ трѣпѣи ѡ дрѣмѣ моѣ, ѡκλѣи
плѣтѣ, нѣ ѡмъ ѡκвѣи.

Ω κῶκω πορѣновѣхъ ламѣхъ, πέρβομδ οὔβηиѣ,
дрѣмѣ ѿκω мδζа,
ѡмъ ѿκω ѡнѡшѣ,
ѿκω брѣи же моѣи тѣло ѡбѣи,
ѿκω κлѣи ѡбѣи, ѡбѣи грѣи грѣи.

Столпъ ѡмѣи ѣи ѡдѣи ѡ дрѣмѣ,
нѣ ѡтѣи вѣи вѣи грѣи,
тѣи грѣи грѣи,
ѿи нѣ бѣи жнѣи ѡ дрѣмѣ моѣ, ѡκлѣи
нѣ ннѣи грѣи грѣи ѡκвѣи.

Τέτρωμαι, πέπληγμαι, ἰδοὺ τὰ βέλη τοῦ ἐχθροῦ.
τὰ καταστίξαντά μου:
τὴν ψυχὴν καὶ τὸ σῶμα,
ἰδοὺ τὰ τραύματα, τὰ ἔλκη, αἱ πηρώσεις:
βοῶσι τὰς πληγὰς, τῶν αὐθαιρέτων μου παθῶν.

Ἐβρεξε Κύριος, παρὰ Κυρίου πύρ ποτέ.
 ανομίαν οργώσαν:
 πυρπολήσας Σοδόμων,
 σύ δέ τό πύρ εξέκασας τό τῆς γεέννης:
 ἐν ᾧ μέλλεις ψυχή, συγκατακαίεσθαι πικρῶς.

Γνώτε καὶ ἴδετε, ὅτι ἐγὼ εἰμι Θεός.
ο ἐρευνῶν καρδίας,
καὶ κολάζων ἐννοίας,
ἐλέγχων πράξεις, καὶ φλογίζων αμαρτίας:
καὶ κρίνων ὀρφανόν, καὶ ταπεινόν καὶ πτωχόν.

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών.

Ἠλῳσας χειράς σου, πρὸς τὸν οἰκτιρμονα Θεόν.
Μαρία ἐν αὔρῳ:
κακῶν βυθιζομένη,
καὶ ὡς τὸ Πέτρῳ φιλανθρώπως χεῖρα βοηθείας:
ἐξέτεινε τὴν σὴν, ἐπιστροφὴν πάντως ζητῶν.

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών.

Ὁλη προθυμία, πόθῳ προσέδραμες Χριστῷ.
τὴν πρὶν τῆς αμαρτίας:
οδὸν ἀποστραφεῖσα,
καὶ ἐν ἐρήμοις ταῖς ἀβάτοις τρεφομένη:
καὶ τούτου καθαρῶς, τελούσα θείας ἐντολὰς.

Ἄγιε τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ἡμῶν

Ἰδωμεν ἰδωμεν, φιланθρωπίαν ὡ ψυχὴ!
 τοῦ Θεοῦ καὶ Δεσπότου:
 διὰ τοῦτο πρό τέλους,
 αὐτῷ σύν δάκρυσι, προσπέσωμεν βοῶντες:
 Ἀνδρέου ταῖς λιταῖς, Σώτερ ἐλέησον ἡμᾶς.

Δόξα...

Αναρχε άκτιστε, Τριάς αμέριστε Μονάς!
 μετανοούντά με δέξαι:
 ημαρτηκότα σώσον,
 σόν ειμι πλάσμα, μή παρίδης, αλλά φείσαι:?
 καί ρύσαι τού πυρός τής καταδίκης με.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Ἀχαρντε Δεσποίνα, Θεογεννήτορ ἡ ἐλπίς.
 τὸν εἰς σε προστρεχόντων:
 καὶ λιμὴν τὸν ἐν ζάλῃ,
 τὸν ἐλεήμονα καὶ Κτίστην καὶ Υἱὸν σου:
 ἰλέωσαι καμοί, ταῖς ἱκεσίαις ταῖς σαῖς.

ОУАЗВНХСА, ОУРА́ННХСА, ІЕ ІТРЕ́ЛЫ ВРАЖІА!
 ОУАЗВНХСА МОНО
 ДДШ І ТРЕ́ЛО:
 ІЕ ІТРЕ́ПН, ГНО́СНІА, ШМРАЧЕ́НІА,
 ВОПІОУТЗ РА́НЫ ІАМОБО́ЛЬНЫХ МО́НХ ІТРЕ́ТЕЙ.

(В)ОДЖДН ГДЬ Ѡ ГДА ѠГНЬ ННОГДА,
 НА БЕЗЗАКОНІЕ ГНѢВАЮЩЕЕ
 РОЖЕГЪ РОДОМЛАНЫ:
 ТЫ ЖЕ ѠГНЬ БЖЕГЛА ѠН ГЕЕНКІЙ,
 ВЪ НѢМЖЕ НМАШН, Ѡ ДОШЕ, РОЖЕЩІЙСА ***.

РАЗУМѢЙТЕ Ѳ ВѢДѢТЕ, Ѳ КѢ АЗЪ СѢМЬ БѢЪ,
 Ѳ СПЫТАѢЙ СЕРДЦА,
 Ѳ ОУМУЧАѢЙ МЫСЛѢ,
 Ѳ ВѢЩАѢЙ ДѢЛАѢ, Ѳ ПОПАЛАѢЙ ГРЕХѢ,
 Ѳ СДАѢЙ СѢДЪ, Ѳ СМѢРЕНЪ, Ѳ НИЩЪ.

Прѣднѣнїе:

Простѣрла єси рѣцѣ твоѣ кз цѣдромъ бгѣ,
мариѣ, бз бѣзднѣ
сѡлз погрѣжѣмаахъ:
и ѡкоже петръ ѡбѣщаваша, рѣкхъ бжѣственнѡ
простѣрѣ твоѣ ѡбращеніе всѣмъ еси и нынѣ.

Марін:

РѢСѢМЪ ОУСЕРДІЕМЪ ѢНЪ ЛЮБОВІЮ ПРИТЕКЛА ЕСТЬ ХРІСТЪ,
 ПЕРВЫЙ ГРЕХЪ
 ПЯТЬ ОБРАЩЕНІЙ,
 И ВЪ ПЯТЫНАХЪ НЕПРОХОДИМЫХЪ ПИТАЮЩИХЪ,
 И ТОГДА ЧИСТЫЕ СОВЕРШАЮЩИЕ БЖЕСТВЕННЫЯ ЗАПОВѢДАНІА.

Запѣвъ: Прѣбне ѻтче ѿндрѣе, молѣ бѣа ѿ насъ.

ВѢДѢМЪ, ВѢДѢМЪ ЧЛѢВКОЛЮБІЕ, ѿ ДУШЕ,
БѢА Н ВѢКН;
СЕГѢ РАДН ПРѢЖДЕ КОНЦА,
ТОМУ ГО СЛЕЗАМН ПРИПАДЕМЪ ВОПІЮЩЕ:
АНДРЕА МЛЧБАМН, СПСЕ, ПОМНІАДН НАСЪ.

ГЛАВА, ТРЧЕНЗ:

БЕЗНАЧАЛЬНАА НЕСОЗДАННАА / ТРІЦЕ, НЕРАЗДѢЛЬНАА ЄДИНИЦЕ,
КАЮЧАСА МЛА ПРІЙМНІ,
СОГРѢШІВША СПІСН:
ТВОЄ ЁСМЬ СОЗДАНІЄ, НЕ ПРЕЗРН, НО ПОЩАДН,
І НЗБАВН МЛА ОГНЕННАГО ВОСХОЖДЕНІА.

БҒОРОДНЧЕНЗ:

Прѣчѣла бл҃гце бѣгороднѣтельницѣ, надѣждо
къ тебѣ притекающихъ,
и притечѣлицѣ спсѣющихъ въ бѣру,
милѣбавго и создателѣ, и сѣа твоєго,
оумножестви и мнѣ милѣбави твоѣмнѣ.

Επί τὴν ασάλευτον Χριστέ * 9
πέτραι τῶν ἐντολῶν σου, / 7
τὴν Ἐκκλησίαν σου στερέωσον. // 10

Επί τὴν ασάλευτον Χριστέ
πέτραι τῶν ἐντολῶν σου
στερέωσον μου τὸν διανοίαν. (Δίς)

Πύρ παρά Κυρίου ποτέ,
Κύριος ἐπιβρέξας,
τὴν γῆν Σοδόμων πρὶν κατέφλεξεν.

Εἰς τὸ ὅρος σώζου ψυχὴν,
ὥσπερ ὁ Λῶτ ἐκεῖνος,
καὶ εἰς Σηγὼρ προανασώθητι.

Φεύγε ἐμπρησμόν ὡ ψυχὴν,
φεύγε Σοδόμων καύσιν,
φεύγε φθοράν θείας φλογώσεως.

Εὐομολογούμαι σοὶ Σωτήρ.
Ἡμαρτόν σοι ἀμέτρως,
ἀλλ' ἄνευ ἄφες μοι, ὡς εὐσπλαγχνός.

Ἡμαρτόν σοι μόνος ἐγώ,
ἡμαρτον ὑπὲρ πάντας,
Χριστέ Σωτήρ μὴ περὶ δὲς με.

Σὺ εἰ ὁ Ποιμὴν ὁ καλός,
ζήτησόν με τὸν ἄρνα,
καὶ πλανηθέντα μὴ παρίδης με.

Σὺ εἰ ὁ γλυκύς Ἰησοῦς,
σύ εἰ ὁ Πλαστουργός μου,
ἐν σοὶ Σωτήρ δικαιωθήσομαι.

Ἀγία Τριάς, ὁ Θεός, ἐλέησον ἡμᾶς

Ω Τριάς Μονάς ὁ Θεός,
σώσον ἡμᾶς ἐκ πλάνης,
καὶ πειρασμῶν καὶ περιστάσεων.

Θεοτοκίον

Χαίρε θεοδόχε Γαστήρ,
χαίρε θρόνε Κυρίου,
χαίρε ἡ Μήτηρ τῆς ζωῆς ἡμῶν.

На недрѣхъ мѣмъ, хрѣте,
каменнѣ зѣповѣдѣ твоѣхъ
оутверди мѹ помышленїе.

Огнь ѿ гдѣ нѹгда
гдѣ ѡдождѣхъ,
землю содомскую прѣже поплѣ.

На горѣ спасѣа, дѡшѣ,
ѡкоже лѡтъ ѡнѣи,
и въ сегоу оутверди.

Бѣгаи запаленїа, ѡ дѡшѣ,
бѣгаи содомскаго горѣнїа,
бѣгаи тлѣнїа бѣтвеннаго пламене.

Исповѣдаюа тебе, епѣ:
согрѣшихъ, согрѣшихъ ти:
но ѡслаби, ѡсѣбѣ ми, ѡкоу бѣгѹтробенъ.

Согрѣшихъ тебе ѡдѣнъ ѡзъ,
согрѣшихъ пѣче вѣхъ,
хрѣте епѣ, да не прѣзрѣши мене.

Тѣ ѡнѣ пѣтѣрь дѡбрыи,
взыци мене ѡнѣи,
и заблѣдѣшаго да не прѣзрѣши мене.

Тѣ ѡнѣ елѣкѣи, ипѣ,
тѣ ѡнѣ содѣтель мѹи:
въ тебе, епѣ, ѡправдѣа.

Слава, трѣи:

Ѹ трѣи ѡдѣнѣ бѣе!
епѣ нѣсѣ ѿ прѣлестѣи,
и ѡсѣбѣи, и ѡсѣбѣи.

Бѣгѹдѣи:

Рѣдѣа, бѣгѹдѣи оутрѣбо,
рѣдѣа, прѣтѣ гдѣи,
рѣдѣа, мѣи жѣни нѣшеа.

Ωδή γ' - b

Άλλος Ειμὸς

Στερέωσον Κύριε : * 7
επί τὴν πέτραν τῶν ἐντολῶν σου. // 10
σαλευθείσαν τὴν καρδίαν μου * 9
ὅτι μόνος :: ἅγιος υπάρχεις καὶ Κύριος. // 4+10

Στερέωσον Κύριε
επί τὴν πέτραν τῶν ἐντολῶν σου.
σαλευθείσαν τὴν καρδίαν μου
ὅτι μόνος ἅγιος υπάρχεις καὶ Κύριος. (Δίς)

Πηγὴν ζωῆς κέκτημαι,
σέ τοῦ θανάτου τὸν καθαιρέτην,
καὶ βοῶ σοι ἐκ καρδίας μου,
πρὸ τοῦ τέλους. Ἡμαρτον ἰάσθητι σώσόν με.

Τοὺς ἐπὶ Νώε Σωτήρ,
ἠσεληγότας ἐμιμησάμην,
τὴν ἐκείνων κληρωσάμενος,
καταδίκην, ἐν κατακλυσμῷ καταδύσεως.

Ἡμάρτηκα Κύριε,
ἠμάρτηκά σοι ἰάσθητί μοι,
οὐ γάρ ἐστιν ὅς τις ἡμαρτεν,
ἐν ἀνθρώποις, ὃν οὐχ υπερέβην τοῖς πταίσμασι.

Τὸν Χάμ ἐκείνον ψυχὴ,
τὸν πατραλοῖαν μιμησαμένη,
τὴν αἰσχύνην οὐκ ἐκάλυψας,
τοῦ πλησίον, ὀπισθοφανῶς ἀνακάμψασα.

Τὴν ευλογίαν τοῦ Σήμ,
οὐκ ἐκληρώσω ψυχὴ ἀθλία,
οὐ πλατεῖαν τὴν κατάσχεσιν,
ὡς Ἰάφεθ, ἐσχες ἐν τῇ γῇ τῆς ἀφέσεως.

Ἐκ γῆς Χαρράν ἐξέλθε,
τῆς αμαρτίας ψυχὴ μου,
δεῦρο εἰς γῆν ρέουσαν αἰζῶον,
αφθαρσίαν, ἣν ὁ Αβραάμ ἐκληρώσατο.

Τὸν Αβραάμ ἤκουσας,
πάλαι ψυχὴ μου καταλιπόντα,
γῆν πατρῶαν, καὶ γενόμενον,
μετανάστην, τούτου τὴν προαίρεσιν μίμησαι.

Ἐν τῇ δρυὶ τῇ Μαμβρὴ,
φιλοξενήσας ὁ Πατριάρχης,
τοὺς Ἀγγέλους ἐκληρώσατο,
μετὰ γήρας, τῆς επαγγελίας τό θήραμα.

Τὸν Ἰσαάκ τάλαινα,
γνούσα ψυχὴ μου καινὴν θυσίαν,
μυστικῶς ολοκαρπούμενον,
τῷ Κυρίῳ, μίμησαι αὐτοῦ τὴν προαίρεσιν.

Ὁ ὕπερδὴν γὰρ
ἡ κλίμενὴ ζάποβεδεὶ τβοήχῃ.
ποδνήγшеея ἐрде моє,
яко вѣдѣхъ еѣ нъ гдѣ.

Нѣтѣишъ живѣти вѣдѣхъ
тебѣ, имѣти нѣзложѣтелѣ,
нъ вопію ти ѿ ерде моєѣ
прѣже конца: вѣдѣхъ, ѡчѣсти нъ епѣ ма.

Прѣ нѣн, епѣ,
блѣдѣтѣвѣшѣя подражѣхъ,
ѡнѣхъ наслѣдѣтѣвѣхъ
ѡдѣдѣнѣ, въ потѣ погрѣженѣя.

Вѣдѣхъ, гдѣ,
вѣдѣхъ тебѣ, ѡчѣсти ма:
нѣтъ бо ѡнѣ кѣтѣ вѣдѣхъ
въ чѣлѣхъ, вѣдѣхъ не прѣзидѣхъ прѣгрѣшенѣи.

Хѣма ѡнаго дѣшѣ,
ѡтѣдѣица подражѣшѣи,
ѣма не покѣма вѣн
нѣренѣдѣ, въпѣтъ зѣлѣ вѣзѣтѣшѣя.

Блѣголенѣя ѣмоѣ
не наслѣдѣвала вѣн дѣшѣ ѡκλάνна:
нѣ прѣтрѣнѣ ѡдѣржѣнѣ,
якоже ѣфѣдѣ нѣмѣла вѣн на зѣмлѣ ѡтѣвѣнѣя.

Ѧ зѣмлѣ харрѣнѣ, нѣзѣдѣ
ѡ грѣхѣ дѣшѣ моѣ,
грѣдѣ въ зѣмлю тоѣѣдѣ прѣножнѣѣтѣ
нѣтѣнѣ, вѣже ѣвѣлѣ наслѣдѣтѣвѣ.

Ѧ вѣрѣма слѣшѣла вѣн
дѣшѣ моѣ, дрѣвѣ ѡтѣвѣшѣ
зѣмлю ѡтѣчѣтѣ, нъ бѣвѣшѣ
прѣшѣлѣ, вѣгѣ прѣзѣленѣю подражѣнѣ.

Ὁ ὕδѣ μαμβρίѣκαѣ
ὡνѣдѣхъ πατριάρχѣ
ἀγγѣλѣ, наслѣдѣтѣвѣ
по вѣтрѣнѣ ѡтѣтѣвѣнѣ лѣнѣтѣ.

Ѧ ѣѣκѣ ѡκλάνна
дѣшѣ моѣ, ρѣзѣмѣшѣ нѣѣдѣ жѣртѣ,
тѣнѣ вѣεοжѣнѣнѣ
гдѣн, подражѣнѣ вѣгѣ прѣзѣленѣю.

Τόν Ισραήλ ήκουσας, **!!!**
νήφε ψυχή μου εκδιωχθέντα,
ως παιδίσκης αποκύημα,
βλέπε μήπως, όμοιόν τι πάθης λαγνεύουσα.

Τῇ Ἄγαρ πάλαι ψυχῇ,
τῇ Αἰγυπτία παρωμοιώθης,
δουλωθεῖσα τὴν προαίρεσιν,
καὶ τεκούσα, νέον Ἰσμαήλ, τὴν αὐθάδειαν.

Τὴν Ἰακώβ κλίμακα,
ἐγὼς ψυχὴ μου δεικνυομένην,
ἀπὸ γῆς πρὸς τὰ οὐράνια,
τί μὴ ἐσχες, βάσιν ασφαλή, τὴν εὐσέβειαν;

Τόν Ιερέα Θεού,
καί βασιλέα μεμονωμένον,
τοῦ Χριστοῦ τό ἀφομοίωμα,
τοῦ ἐν κόσμῳ βίου ἐν ἀνθρώποις μιμήθητι.

Μή γένη στήλη αλός,
ψυχὴ στραφεῖσα εἰς τὰ οπίσω,
τό υποδείγμα φοβεῖτω σε,
τῶν Σοδόμων, ἄνω εἰς Σηγὼρ διασώθητι.

Τόν εμπρησμόν, ὥσπερ Λῶτ,
φεύγε ψυχή μου τῆς αμαρτίας,
φεύγε Σόδομα καί Γόμορρα.
φεύγε φλόγα, πάσης παραλόγου ορέξεως.

Ελέησον Κύριε,
ελέησόν με αναβοώ σοι,
ότε ήξεις μετ' Αγγέλων σου,
αποδούναι, πάσι κατ' αξίαν τών πράξεων.

Τὴν δέησιν Δέσποτα,
τῶν σέ υμνοῦντων μή απορρίψης,
ἀλλ' οἰκτεῖρησον φιλόνηθρε,
καὶ παράσχου, πίστει αἰτουμένοις τὴν ἄφεσιν.

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών.

Συνέχομαι κλύδωνι,
καί τρικυμία Μήτηρ παισμάτων,
αλλ' αυτή με νύν διάσωσον,
καί πρὸς ὄρμον, θείας μετανοίας εισάγαγε.

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών

Ἰκέσιον δέησιν,
 νυνὶ Οσία προσαγαγούσα,
 πρὸς τὴν εὐσπλαγχνον πρεσβεία σου,
 Θεοτόκον, ἀνοιξόν μοι θείας εισόδους σου.

Ісмаїла слышала єн,
трэзвіа душє моа, нзгнала
іакw рабынно ўрождєніе,
вѣждь, да не каякw подобно чтò портраждеши ликовердечѣуци.

А́гартъ дръвѣтъ дѡшѣ,
Ѣгѹптанынѣ ѡ҃подѡбнаѣа Ѣнѣ,
порабѡтънѣнѣа прѡнзволѣнѣмз,
и рѡждши нѡбѡго ісма́нѣа, прѣзѡбрѣтѡ.

ІАКѠВІЮ ЛѢСТВНЦЮ
РАЗУМѢЛА ЕСТЬ ДУШЕ МОЯ, ГЛАГОЛЕМОЮ
Ѿ ЗЕМЛИ КЪ НЕБЕСѢМЪ,
ПОЧТО НЕ ИМѢЛА ЕСТЬ БОГОХОДА ЧВѢДА, БЛГОЧЕСТИА;

СЩЕ́ННИКА БЖІА,
и ЦР҃А ѲУЕДНЕНІА,
ХР҃ТОВО ПОДОБІЕ,
ВЗ МІРѢ ЖИТІА, ВЗ ЧЕЛОВѢЦѢХЪ ПОДРАЖАЙ.

НЕ БУДНІ СТОЛПЪ СЛѢПЫЙ
 ДУШѢ, ВОЗВРАТИВШИСЯ ВПЛАТЬ:
 ѠБРАЗЪ ДА ѠСТРАШИТЪ ТЯ
 СЮДОМІКІЙ, ГОРѢ ВЪ СІГѠРЪ СПѢСІА.

ЗАПАЛѢНІА ІАКОЖЕ ЛОУТЪ,
БѢГАН ДОШЕ МОА ГРѢХА:
БѢГАН СОДОМЫ И ГОМОРРЫ,
БѢГАН ПЛАМЕНЕ БСАКАГВ БЕСЕЛОВЕНАГВ ЖЕЛАНІА.

Помі́лѣй гди́,
помі́лѣй мѣ́, во́пію тѣ́,
ѣ́гда прі́їдеши́ со́ агглы́ тво́їми́,
во́зді́ти вѣ́лмз по́ доро́жнїю́ дѣ́лнїй.

Моли́тва вѣко,
тебѣ пою́щихъ не ѿвѣржи:
но оушѣми твоѣми оуболю́бче,
и подыжди вѣрою прося́щимъ ѿставле́нїе.

Марін:

СОДЕРЖИМЪ СЪМЪ ВЪЗРЕЮ,
И ТРЕВОЛНЕНІЕМЪ *** СОГРѢШЕНІЙ,
НО СЛАМА МА МЛЧН НЫНѢ СПСѢ,
И КЪ ПРИСТАНЦЮ БЖІЕТВЕННАГО ПОКАНІА БОЗВЕДѢ.

Марін:

РѢВКОЕ МОЛѢНІЕ
и нынѣ пріпѣлаа прінѣсши
ко бггоуотроубѣи мѣтѣамн твоѣмн
бѣѣ, ѡбѣрзи мѣ бжѣѣтѣенныхъ вхѣды ***.

Ἄγιε τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν

Ταῖς σαῖς λιταῖς δώρησαι,
καμοὶ τήν λύσιν τῶν οφλημάτων,
ὦ Ἀνδρέα Κρήτης Πρόεδρε,
μετανοίας, σύ μυσταγωγός γάρ πανάριστος.

Δόξα...

Μονάς απλή ἀκτιστε,
ἀναρχε φύσις ἡ ἐν Τριάδι,
υμνουμένη υποστάσεων,
ημᾶς σώσον / πίστει προσκυνούντας τό κράτος σου.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Τόν ἐκ Πατρός ἀχρονον,
Υἱόν ἐν χρόνῳ Θεογεννήτορ,
ἀπειράνδρως ἀπεκύησας,
ξένον θαύμα! μείνασα Παρθένος θηλάζουσα.

Katavasia 3b: Οὕτῳερδὴν γὰρ ἡλ κάμενν:

Ἁνδρέο:

Τβόи ми мѣтѣла ми дѣлѣ
и миѣ ѡста влѣнїе долгѡвѣ,
ѡ Ἀνδρέе, κρητικῇ прεδсѣдѣтелю!
пока́ниѣ бо тѣ тѣннннкѣ прензрѣдннѣ.

Γάλα, τῷεν:

Тѣе прѡстѣла, неоздѣннаѣ,
бездначальное сѣтествѡ, вѣ тѣцѣ
пѣвѣла маѣ ѡпостѣи,
спсѣ ны вѣрою поклонѣющыѣсѣ держѣбѣ твоеѣ.

Ἐγορόδηεν:

Ѥ ѡцѣ безлѣтна
спсѣ, вѣ лѣто бѣгороднѣтельнице,
ненекѣомѣжнѡ родилѣ сѣи,
стрѣнное чѣдо, пребывши дѣѣ, доѣци.

Κάθισμα Ποίημα Ιωσήφ – Ἦχος πλ. δ' Ανέστης ἐκ νεκρῶν
Сѣдѣнїѣ, господїна ѿвѣста, гласъ ѿ:

Φωστήρες θεαυγείς, 6 τοῦ Σω-τή-ρος αὐτόπται, 7
φω- τί-σατε ἡμᾶς, 6 τοὺς ἐν σκότει τοῦ βίου, 7
ὅπως ὡς ἐν ἡμέρα, 7 νῦν εὐσχημόνως περιπατήσωμεν, 11
φύγει τῆς ἐγκρατείας, 7 νυκ-τώδη πάθη ἀποδι-ώκοντες, 11
καί τὰ λαμπρά κατίδωμεν 8
Χριστοῦ Παθήματα χαίροντες. 9

Свѣтїла бѣоу рече, ѿвѣсты ѿплн,
просвѣтїте насъ во тьмѣ житїа,
ѡкъ да во днїи нынѣ блгоуверѣннѣ хранимъ,
свѣтоу божественнѣи нощнїхъ ст҃растѣи ѡбѣгѣюще,
н свѣтлыи ст҃ѣи
х҃тѣи о҃бннн, радѣюще.

Ετερον, Ποίημα Θεοδώρου, Δόξα... Τό προσταχθέν
 Γλῶσσα, др҃дгїи свѣдѣненъ, гл҃гозъ ѿ:

Τῶν Αποστόλων δωδε-κάς ἡ θε-ό-λέκτος, 13
 Ι- κε-τη-ρί-αν τῷ Χριστῷ νύν προσάγαγε, 13
 τό Νηστείας στάδιον πάντας διανύσαι, 13
τελοῦντας ἐν κατανύξει τὰς προσευχάς, 12
ποιῦντας ἐν προθυμίᾳ τὰς α- ρε-τάς, 12
ὅπως οὕτω προφθάσωμεν, 8
 ἰδεῖν Χριστοῦ τοῦ Θεοῦ 7
 τὴν ἐνδοξον Ἀνάστασιν, 8
δόξαν αἶνον, προσάγοντες. 8

[illegible]

Καί νύν... Θεοτοκίον
 Ἡ νύμφη, ἐγὼρόδηχεν: Πυρόβενος:

Τὸν ἀπερίληπτον Θεοῦ Ὑι-ὸν καὶ Ἀλόγον, 13
 ἀνερμηνεύτως ὑπὲρ νοῦν ἐκ σοῦ τεχθέντα, 13
 Θεοτόκε ἰκέτευε σὺν τοῖς Ἀποστόλοις, 14
 Εἰ-ρήνην τη Οἱ- -κου- -μένη εὐλκρινή, 12
 βραβεύσαι, καὶ τῶν παισιμάτων δοῦναι ἡμῖν, 12
 πρὸ τοῦ τέλους συγχώρησιν, 8
 καὶ Βασιλείας οὐρανῶν, 8
 δι' ἅκραν ἀγαθότητα, 8
 αἰξίῳσαι τοὺς δούλους σου. 8

Непорѣжнѣмагв бѣа, еѣа ѥ слово,
 несказѣннѣмъ пѣче ѡумѣ ѥзѣ тебѣ рѣждашеесѣ,
 молѣ бѣе со ѡплѣ,
 мѣрѣ вселѣннѣѣ чѣстѣѣѣ
 подѣтѣ, ѥ согрѣшенѣѣѣ дѣтѣ нѣмѣ
 прѣжде концѣ прощѣнѣе,
 ѥ црѣтѣѣѣ нѣнагѣ
 крайнѣѣ рѣдѣ бѣгѣѣѣ,
 сподѣбѣтѣѣ рѣбѣѣ тѣѣѣ.

Τριώδιον Ποίημα Ἰωσήφ, Ωδή δ' Ἦχος πλ. δ', Εἰσακήκοα Κύριε

Тѣжє τρηпѣиєцѣ, вєзѣ поклѡнєвѣ, глѣзѣ ѿ. Пѣєиѣ ѧ.

Irmos (Ровѣшеніє sv. кріза, 14.9.)

Εἰσακήκοα Κύριε * c	8	Ⲕⲓⲙⲓⲃⲓⲃⲁⲕⲁ ϣⲁⲛⲁ,
τῆς οἰκονομίας σου τό μυστήριον.// G3	11	ⲉⲙⲟⲩⲧⲣⲉⲛⲓⲗⲁ ⲧⲉⲟⲉⲓⲱⲟⲩ ⲧⲁⲛⲏⲉⲧⲉⲟ,
κατενόησα τά ἔργα σου,/ c3	9	ⲣⲁⲑⲑⲙⲉⲕⲁ ⲁⲧⲉⲗⲁ ⲧⲉⲟⲗⲁ,
καί ἐδόξασά σου τὴν θεότητα.// G3	11	ⲏ ⲡⲣⲟⲓⲕⲁⲃⲏⲕⲁ ⲧⲉⲟⲩ ⲉⲅⲉⲣⲉⲧⲉⲟ.

Απόστολοι τοῦ Χριστοῦ, πρεσβεύσατε υπέρ ημῶν.

Εγκρατεία συζήσαντες, 8
οἱ πεφωτισμένοι Χριστοῦ Ἀπόστολοι, 12
εγκρατείας τὸν καιρὸν ἡμῖν, 9
μεσι^{τείας} ^{θείας} ευ-α-ρίζουσι. 11

Ⲡⲟⲑⲉⲣⲓⲕⲁⲛⲓⲉⲙⲑ ⲡⲟⲓⲕⲏⲃⲱⲥⲉ
ⲡⲣⲟⲉⲃⲉⲥⲉⲛⲏⲏⲏ ⲕⲣⲓⲧⲱⲃⲱⲓ ⲁⲡⲓⲗⲏ,
Ⲡⲟⲑⲉⲣⲓⲕⲁⲛⲓⲗⲁ ⲃⲣⲉⲙⲁ ⲏⲁⲙⲑ
ⲕⲟⲗⲁⲧⲁⲏⲉⲧⲉⲃⲱⲓ ⲉⲅⲉⲣⲉⲧⲉⲃⲏⲏⲏⲙⲏ ⲟⲩⲧⲏⲱⲗⲓⲟⲩⲧⲑ.

Δωδεκάχορδον ὄργανον,
μέλος ἐκελάδησε τό σωτήριον,
Μαθητῶν χορὸς ὁ ἐνθεος,
πονηρὰ συγγέων μελωδήματα.

ⲁⲃⲟⲉⲏⲁⲃⲉⲗⲟⲩⲧⲣⲟⲑⲏⲏⲏⲏ ⲟⲩⲣⲓⲕⲁⲛⲑ,
ⲡⲉⲃⲉⲏⲑ ⲃⲟⲓⲡⲉⲧⲉⲗⲏⲃⲏⲟⲩ,
ⲟⲩⲧⲉⲏⲏⲕⲱⲃⲱⲓ ⲗⲏⲕⲑ ⲉⲅⲉⲣⲉⲧⲉⲃⲏⲏⲏⲏⲏ,
ⲁⲑⲕⲁⲃⲱⲗⲁ ⲃⲟⲑⲙⲉⲥⲓⲙⲁ ⲓⲕⲁⲃⲱⲗⲏⲓⲗⲁ.

Επομβρίαῖς τοῦ Πνεύματος,
πάσαν τὴν υφῆλιον κατηρδεύσατε,
τόν αυχμόν αποδιώξαντες,
τῆς πολυθείας Παμμακάριστοι.

Ⲡⲟⲑⲟⲓⲑⲉⲓⲉⲙⲑ ⲁⲕⲕⲟⲃⲏⲃⲏⲙⲑ
ⲃⲉⲓⲱⲟⲩ ⲡⲟⲁⲑⲟⲗⲏⲉⲧⲏⲃⲓⲟ ⲏⲁⲡⲟⲏⲉⲧⲉ,
ⲉⲑⲱⲑ ⲱⲓⲓⲏⲁⲃⲱⲥⲉ
ⲙⲏⲟⲑⲟⲃⲟⲓⲗⲁ ⲃⲉⲃⲉⲗⲓⲕⲉⲛⲏⲏⲏ.

Θεοτοκίον

Ταπεινώσασα σώσόν με,
τόν υψηλοφρόνως πολιτευσάμενον,
ἡ τεκούσα τὸν υψώσαντα,
τὴν ταπεινωθεῖσαν φύσιν Πάναγνε.

Ἕϥορὸⲁⲏⲉⲏⲑ:

Ⲇⲙⲏⲣⲏⲃⲱⲥⲁⲓⲁ ⲉⲡⲉⲓ ⲙⲁ,
ⲃⲱⲓⲟⲕⲟⲙⲉⲑⲣⲉⲏⲏⲱ ⲡⲟⲓⲕⲏⲃⲱⲥⲁⲓⲟ,
ⲣὸⲓⲑⲁⲥⲱⲗⲁ ⲃⲟⲑⲏⲉⲓⲱⲓⲟ
ⲉⲙⲏⲣⲉⲏⲏⲟⲩ ⲓⲣⲉⲧⲉⲧⲉⲟⲩ, ⲁⲃⲟ ⲃⲉⲉⲩⲧⲁⲗⲁ.

И́ный. Гла́съ то́йже. І́рмо́съ: О́услы́шахъ гдѣ:

– v csl. bez irmosu, hneď tropáre

ИПЛЫКОЕ ВРЕЧНОЕ
ЛНКОСТОАНІЕ, ЗНЖДНТЕЛА ВРЪХЗ
МОЛАЩЕЕ, ПРОСИ
ПОМІЛОВАТИ НЫ ВОСХВАЛАЮЩЫА ТЛ.

Иако дѣлаете еще
христовы аплы, во всемъ мирѣ
бжественнымъ словомъ воздѣлавшии,
принимайте плоды емоу всегда.

ВІНОГРАДЪ БЫІТЕ
ХРѢТОВЪ БОІСТИННЪ ВОЗЛЮБЛЕННЫЙ,
ВІНО БО ДХОВНОЕ
ИСТОЧІТЕ МІРЪ ЛПН.

ТҒҲЕНЗ:

Преначальнаа, соверѣзнаа,
всесильнѣйшаа тѣце сѣла,
ѡче, слово и дше сѣтъи,
бже, свѣте и животоѣ, сохрани сѣдо твоѣ.

БГОРЉДНЧЕНЗ:

РѢДѢСА, ПРѢТОЛЕ ОГНЕЗЛѢЧНЫЙ,
РѢДѢСА, СВѢТІЛЬНИЧЕ СВѢЩЕНОСНЫЙ,
РѢДѢСА, ГОРОДЪ ѠЩЕПЕНІА,
КОВЧЕЖЕ ЖИЗНИ, СѢТѢХЪ СѢЛА СѢБЕ.

Ακήκοεν ο Προφήτης :	8	
τὴν ἔλευσίν σου Κύριε * καὶ εφοβήθη. //	13	
ὅτι μέλλεις ἐκ Παρθένου τίκτεσθαι *	11	
καὶ ἀνθρώποις δείκνυσθαι καὶ ἔλεγεν, ::	11	
Ακήκοα τὴν ἀκοήν * σου καὶ εφοβήθην :	14	
δόξα τῇ δυνάμει σου. //	7 (+3)	(Κύριε) – doplnené až neskôr

Ακήκοεν ο Προφήτης
τὴν ἔλευσίν σου Κύριε καὶ εφοβήθη. //
ὅτι μέλλεις ἐκ Παρθένου τίκτεσθαι
καὶ ἀνθρώποις δείκνυσθαι καὶ ἔλεγεν, ::
Ακήκοα τὴν ἀκοήν σου καὶ εφοβήθην
δόξα τῇ δυνάμει σου. (Δίς)

Τὰ ἔργα σου μή παρίδης,
τό πλάσμα σου μή παρόψη Δικαιοκρίτα. //
εἰ καὶ μόνος ἡμαρτον ὡς ἄνθρωπος,
ὕπέρ πάντα ἄνθρωπον Φιλάνθρωπε, ::
ἀλλ' ἔχεις ὡς Κύριος πάντων τὴν ἐξουσίαν,
ἀφέναι ἀμαρτήματα. 9

Εγγίζει ψυχὴ τό τέλος,
εγγίζει καὶ οὐ φροντίζεις, οὐχ ετοιμάζη. //
Ο καιρὸς συντέμνει, διανάστηθι,
εγγὺς ἐπὶ θύραις ὁ Κριτὴς ἐστίν, ::
ὡς ὄναρ, ὡς ἄνθος ὁ χρόνος τοῦ βίου τρέχει,
τί μάτην ταραττόμεθα; 8

Ανάνησον ὦ ψυχὴ μου,
τάς πράξεις σου ἄς εἰργάσω ἀναλογίζου. //
καὶ ταύταις ἐπ' ὄψεσι προσάγαγε,
καὶ σταγόνας στάλαξον δακρῶν σου, ::
εἰπέ παρρησία τάς πράξεις, τάς ἐνθυμήσεις,
Χριστῷ, καὶ δικαιώθητι. 8

Οὐ γέγονεν ἐν τῷ βίῳ,
ἀμάρτημα οὐδέ πράξις, οὐδέ κακία. //
ἦν ἐγὼ Σωτὴρ οὐκ ἐπλημμέλησα,
κατὰ νοῦν καὶ λόγον, καὶ προαίρεσιν, ::
καὶ θέσει, καὶ γνώμῃ, καὶ πράξει ἐξαμαρτήσας,
ὡς ἄλλος οὐδεὶς πώποτε. 8

Εντεύθεν καὶ κατεκρίθην,
εντεύθεν κατεδικάσθην ἐγὼ ὁ τάλας. //
ὕπὸ τῆς οἰκείας συνειδήσεως,
ἢ οὐδὲν ἐν κόσμῳ βιαιότερον. ::
Κριτὰ λυτρωτά μου καὶ γνώστα, φείσαι καὶ ρύσαι,
καὶ σώσόν με τὸν δειλαιν. 8

Ὁ ὕμνισμα πρὸς
πρηνιέρτβε τβοὲ γῆν ἢ οὔβοάει.
ἱάκω χόψεσιν ὦ ἀβὺ ροδήτης
ἢ χελοβέκωμζ ἰβήτης ἢ γλαγόλλαι:
οὔμνισμαχζ ἰδχζ τβοὴ ἢ οὔβοάχαι:
εἰάει εἰάει τβοεῖ. (γῆν)

Δέλζ τβοήχζ δα νε πρέζρησιν,
ροζάνηλ τβοεγῷ δα νε ὠστῆβησιν, πραιοδῆ.
ἱμπε ἢ ἐδῆνζ ρογρῆσῆχζ, ἱάκω χελοβέκζ,
πᾶτε βεάκαγζ χελοβέκζ, ὕβέκολλόβε:
νο ἡμῶσιν, ἱάκω γῆν βεῖχζ, βλῆετῷ
ὠστῆβλᾶτῆ γρῆχῆ.

Πρηνελιζάετῶ, ἀδῶε, κονέιζ,
πρηνελιζάετῶ, ἢ νεραδῆσιν, ἢν γοτόβησιν:
βερέμα ροκραμῆετῶ, βογτᾶν,
βλῆετῷ πρην δέρεχζ ἰδῆλ ῥετῷ:
ἱάκω ῥοῆε, ἱάκω ὕβετῷ, βερέμα ζῆτῷ τετέτῷ:
ὕτὸ βεῖε ματέμῶ;

Βοειρανῆ, ὦ ἀδῶε μοῶ,
ἀτῆλῆλ τβοῶ, ἱάκω ροτῆλαλ ῥεῖ, πομυμῶλ.
ἢ εἰλ πρεῖ λητῆ τβοὲ πρηνεῖ,
ἢ κᾶπλ ἡπδῆτῆ ἰλέζζ τβοήχζ:
ρῶι ρο δερζνοβένιεμζ ἀτῆλῆλ ἢ πομυμῶλ
χρῆτῷ, ἢ ὀπρῶδῆλ.

Νε βεῖετῷ βζ ζῆτῷ
γρῆχῆ, ἢν ἀτῆλῆλ, ἢν εἰλῶβι.
ῥᾶκε ἱζζ, εἴπει, νε ρογρῆσῆχζ
οὔμῶμζ ἢ εἰλῶβῶμζ, ἢ πρηνζβολένιεμζ:
ἢ πρεδλοζένιεμζ, ἢ μυῖετῷ ἢ ἀτῆλῆμζ ρογρῆσῆχζ,
ἱάκω ἡνζ ἡνκτόκε κογᾶ.

Ὡιδᾶδ ἢ ὠιδζδένζ βεῖχζ,
ὠιδᾶδ πρεπρῆνζ βεῖχζ ἱζζ ὠκᾶλῆν.
ὦ βοεῶλ ὀβῆετῆ,
ῥᾶκε ἡνκτόκε βζ μίρῷ ἡδζκῆῆσῆ:
ἰδᾶῖ ἡζβᾶντελῷ μῶν, ἢ βῆδᾶε, πομᾶδῆ ἢ ἡζβᾶν,
ἢ εἴπῆ μᾶ ρεβᾶ τβοεγῶ.

Η κλίμαξ ἦν εἶδε πάλαι,
ο μέγας ἐν Πατριάρχαις, δείγμα ψυχῇ μου. //
πρακτικῆς ὑπάρχει ἐπιβάσεως,
γνωστικῆς τυγχάνει ἀναβάσεως, ::
εἰ θέλεις οὖν πράξει, καὶ γνώσει καὶ θεωρία,
βιούν ἀνακαινίσθητι. 8

Τὸν καύσωνα τῆς ἡμέρας,
υπέμεινε δι' ἐνδειαν ο Πατριάρχης. //
καὶ τὸν παγετὸν τῆς νυκτὸς ἤνεγκε,
καθ' ἡμέραν κλέμματα ποιούμενος, ::
ποιμαίνων, πυκτεύων, δουλεύων, ἵνα τὰς δύο,
γυναίκας εἰσαγάγηται. 8

Γυναϊκάς μοι δύο νόει,
τὴν πράξιν τε καὶ τὴν γνώσιν ἐν θεωρία. //
τὴν μὲν Λεϊάν, πράξιν ὡς πολύτεκνον,
τὴν Ραχήλ δέ, γνώσιν ὡς πολύπονον, ::
καὶ γὰρ ἀνευ πόνων, οὐ πράξις, οὐ θεωρία,
ψυχῇ κατορθωθήσεται. 8

Γρηγόρησον ὦ ψυχῇ μου,
ἀρίστευσον ὡς ο μέγας ἐν Πατριάρχαις. //
ἵνα κτήσῃ πράξιν μετὰ γνώσεως,
ἵνα χρηματίσῃς νοῦς ὁρῶν τὸν Θεόν, ::
καὶ φθάσῃς τὸν ἄδυτον γνώφον ἐν θεωρία,
καὶ γένη μεγαλέμπορος. 8

Τοὺς δώδεκα Πατριάρχας,
ο μέγας ἐν Πατριάρχαις παιδοποιήσας. //
μυστικῶς ἐστήριξέ σοι κλίμακα,
πρακτικῆς ψυχῇ μου ἀναβάσεως, ::
τοὺς παῖδας, ὡς βάθρα, τὰς βάσεις, ὡς ἀναβάσεις,
πανσόφως υποθέμενος. 8

Ἡσαὺ τὸν μεμισημενον,
ζηλούσα ψυχῇ, ἀπέδου τῷ περνιστῇ σου. //
τά τοῦ πρώτου κάλλους πρωτοτόκια,
καὶ τῆς πατρικῆς ευχῆς ἐξέπεσας, ::
καὶ δὶς ἐπερνίσθης ἀθλία, πράξει καὶ, γνώσει,
διὸ νῦν μετανόησον. 8

Εδώμ ο Ἡσαὺ ἐκλήθη,
δι' ἄκραν θηλυμανίας ἐπιμιζίαν. //
ἀκρασία γὰρ αεὶ πυρούμενος,
καὶ ταῖς ἡδοναῖς κατασπιλούμενος. ::
Εδώμ ὠνομάσθη, ὃ λέγεται θερμασία,
ψυχῆς φιλαμαρτήμονος. 8

Ἰώβ τὸν ἐπὶ κοπρίας,
ακούσασα ὦ ψυχῇ μου δικαιωθέντα. //
τὴν αὐτοῦ ἀνδρείαν οὐκ ἐξήλωσας,
τό στερρόν οὐκ ἐσχες τῆς προθέσεως, ::
ἐν πάσιν οἷς ἐγγως, οἷς οἶδας, οἷς ἐπειράσθης,
ἀλλ' ὠφθης ἀκαρτέρητος. 8

ЛѢВІТЕНЦА, ѿже вѣдѣ дрѣвле
белѣкѣ въ патріарствѣхъ, оуказаніе **ѣсть** дшѣ моѣ.
дѣлательнаго **во** вожждѣніа,
раздмннго **во** зшѣртѣа:
ѡце хощешн оуѣво, дѣлнѣмъ, н раздмомъ, н зрѣнѣмъ
пожнѣтн, ѡбновѣа.

Зноѣ днебнѣн
претерптѣ лншѣніа рѣдн патріархъ.
н мрѣзъ нощнѣн понее,
на вѣлѣзъ дѣнь снбдѣніа тѣворѣ:
павнѣн, трѣждѣлѣа, рабѣтѣа, да дѣѣ
жѣнѣ оуѣтѣлѣтѣ.

Жѣнѣ мн дѣѣ раздмѣн,
дѣлнѣ же н раздмъ въ зрѣнѣн.
ліо оуѣво дѣлнѣ, ѡкѣ многѣднѣ:
рачнѣ же раздмъ, ѡкѣ многѣтрѣднѣ:
нбо кромѣ трѣдѣвъ, нн дѣлнѣ, нн зрѣнѣ
дшѣ, нпрѣлѣтѣа.

Бдѣ ѡ дшѣ моѣ!
нзрѣдѣтѣдѣ ѡкоже **дрѣвле** белѣкѣ въ патріарствѣхъ.
да стѣжешн дѣлнѣ въ раздмомъ,
да бдѣешн оуѣмъ зрѣнѣ бѣа:
н дортѣгнѣшн незѣхѣдѣнѣ мрѣзъ въ вѣдѣнѣн,
н бдѣешн белѣкѣ кѣпѣцъ.

Аванѣлѣаѣтъ патріархѣвъ,
белѣкѣ въ патріарствѣхъ дѣтѣтѣворѣвъ.
тѣннѣ оутѣврдѣ тѣѣѣ лѣвѣтѣнцѣ
дѣлѣтѣлнѣаго дшѣ моѣ во вожждѣніа:
дѣтѣн, ѡкѣ ѡбновѣніа: стѣпѣнн, ѡкѣ во вожждѣніа,
премѣдрѣннѣ подлѣжнѣвъ.

Нѣаѣ во зненѣвѣдѣннѣаго
подрѣлѣа ѣнѣ дшѣ, ѡдалѣ ѣнѣ прѣлѣртннѣѣ тѣворѣмѣ.
пѣрѣвѣа добрѣтѣ пѣрѣвѣтѣво,
н ѡтѣѣѣкѣа мѣтѣвѣ ѡпѣа ѣнѣ:
н двѣждѣ поплѣзѣлѣа ѣнѣ ѡклѣннѣа, дѣлнѣмъ н раздмомъ:
тѣѣмѣ же нѣнѣѣ покѣнѣа.

Бдѣмъ нѣаѣнѣ нарѣѣѣа,
крѣннѣаго рѣдн жѣнонѣнѣтѣовнѣаго снѣшѣніа.
некозѣрѣжѣнѣмъ ѣо прѣнѣнѣ разѣжнѣлѣмъ,
н лѣстѣмѣнѣ ѡкѣвѣрнѣлѣмъ,
ѣдѣмъ нменѣвѣа, ѣже глагѣлѣтѣа разѣжѣнѣ
дшѣн лѣвогрѣхѣвнѣа.

Іѣва на гнѣнѣн
слѣшѣшн, ѡ дшѣ моѣ, ѡпрѣвѣдѣшѣагоѣа.
тогѣ мѣжѣтѣѣ не порѣвновѣаа ѣнѣ,
тѣѣрдѣаго не нмѣла ѣнѣ прѣдлѣжѣніа:
ѣо вѣлѣѣ ѡже вѣѣн, **ѡѡѡ** н нмѣнѣ нѣкѣнѣлѣа ѣнѣ,
но лѣнѣлѣа ѣнѣ не тѣртѣлѣнѣа.

Ο πρότερον επί θρόνου,
γυμνός νύν επί κοπρίας καθηλωμένος. //
ο πολὺς ἐν τέκνοις καὶ περίβλεπτος,
ἅπαις ἀφαιρέοικος αἰφνίδιον, ::
παλάτιον γάρ τὴν κοπρίαν, καὶ μαργαρίτας,
τά ἐλκη ελογίζετο. 8

Βασίλειον τὴν ἀξίαν,
διάδημα καὶ πορφύραν ἠμφιεσμένος. //
πολυκτῆμων ἄνθρωπος καὶ δίκαιος,
πλούτῳ ἐπιβρίθων καὶ βοσκήμασιν, ::
εξαίφνης τὸν πλούτον, τὴν δόξαν, τὴν βασιλείαν,
πτωχεύσας ἀπεκείρατο.

Εἰ δίκαιος ἦν ἐκεῖνος,
καὶ ἄμεμπτος παρὰ πάντας, καὶ οὐκ ἀπέδρα. //
τά τοῦ πλάνου ἐνεδρα καὶ σκάμματα,
σύ φιλαμαρτήμων οὐσα τάλαινα, ::
ψυχὴ τί ποιήσεις, εἴαν τι τῶν ἀδοκῆτων,
συμβῇ ἐπενεχθῆναι σοι;

Τό σῶμα κατερρυπώθην,
τό πνεῦμα κατεσπιλώθην, ὅλως ἠλκώθην. //
ἀλλ' ὡς ἱατρός Χριστέ ἀμφοτέρα,
διὰ μετανοίας μοι θεράπευσον, ::
ἀπόλουσον, κάθαρσον, **πλύνον**, δείξον Σωτῆρ μου,
χιόνος καθαρώτερον.

Τό Σώμά σου καὶ τό Αἷμα,
σταυρούμενος ὑπέρ παντῶν, ἔθηκας Λόγε. //
τό μεν Σῶμα, ἵνα ἀναπλάσης με,
τό δε Αἷμα, ἵνα ἀποπλύνῃς με, ::
τό πνεῦμα παρέδωκας, ἵνα ἐμέ προσάξῃς,
Χριστέ τῷ σῷ Γεννήτορι.

Εἰργάσω τὴν σωτηρίαν,
ἐν μέσῳ τῆς γῆς οἰκτίρμον, ἵνα σωθῶμεν. //
ἐκουσίως ξύλῳ ἀνεσταύρωσαι,
ἡ Εδέμ κλεισθεῖσα ἀνεώγνυτο, ::
τά ἄνω, τά κάτω, ἡ κτίσις, τά ἔθνη πάντα,
σωθέντα προσκυνοῦσί σε.

Γενέσθω μοι κολυμβήθρα,
τό Αἷμα τό ἐκ πλευράς σου, ἅμα καὶ πόμα. //
τό πηγάσαν ὕδωρ τῆς ἀφέσεως,
ἵνα ἐκατέρωθεν καθαίρωμαι, ::
χριόμενος, πίνων, ὡς χρίσμα καὶ πόμα Λόγε,
τά ζωηρά σου λόγια.

Γυμνός εἰμι τοῦ Νυμφώνος,
γυμνός εἰμι καὶ τοῦ γάμου, ἅμα καὶ δεῖπνον. //
ἡ λαμπάς ἐσβέσθη ὡς ἀνέλαιος,
ἡ παστὰς ἐκλείσθη μοι καθεύδοντι, ::
τό δεῖπνον ἐβρώθη, ἐγὼ δέ χεῖρας καὶ πόδας,
θεθεῖς ἐξω ἀπέρριμμαι.

Нже перѣѣ на прѣстоуѣ,
нѣгъ нѣиѣ на гнѣиши гнѣишъ:
многѣмъ въ члѣвѣхъ ѡмѣнѣи,
везчлѣишъ ѡмъ вездѣомѣхъ на прѣишъ:
палѣтъ ѡгнѣмъ гнѣишѣ, ѡмъ вѣишѣ
сѣрѣи въ мѣнѣишѣ.

Цѣркѣишъ догѣишѣишѣишъ,
вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ.
многѣишѣишъ чѣлѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ,
вѣишѣишъ кѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
вѣишѣишъ вѣишѣишъ, вѣишѣишъ, вѣишѣишъ
вѣишѣишъ вѣишѣишъ.

Ѥишѣишъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ,
ѡмъ вѣишѣишъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ.
лѣишѣишъ лѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
тъи же гѣишѣишъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
ѡмъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ
лѣишѣишъ нѣишѣишъ вѣишѣишъ;

Тѣло ѡмъ вѣишѣишъ,
ѡмъ вѣишѣишъ, вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
нѣишѣишъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
покаѣишѣишъ моишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
ѡмъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ
вѣишѣишъ вѣишѣишъ.

Тѣло тѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ
лѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
тѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ:
кѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
ѡмъ вѣишѣишъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ
ѡмъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ.

Ѣишѣишъ вѣишѣишъ
поишѣишъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ.
вѣишѣишъ на вѣишѣишъ лѣишѣишъ вѣишѣишъ:
Ѣишѣишъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
гѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ
Ѣишѣишъ поишѣишъ вѣишѣишъ.

Ѥишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ,
кѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ.
нѣишѣишъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ,
ѡмъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ,
поишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ: ѡмъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ
ѡмъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ.

Нѣишѣишъ вѣишѣишъ,
нѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ, кѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ, ѡмъ вѣишѣишъ
вѣишѣишъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ:
вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ: ѡмъ вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ
вѣишѣишъ, вѣишѣишъ ѡмъ вѣишѣишъ вѣишѣишъ.

Κρατήρα η Εκκλησία,
εκτήσατο τήν Πλευράν σου τήν ζωηφόρον. //
εξ ἧς ο διπλούς ημίν εξέβλυσε,
κρουνός τῆς ἀφέσεως καί γνώσεως, ::
εις τύπον τῆς πάλαι, τῆς νέας, τών δύο ἁμα,
Διαθηκῶν Σωτήρ ημών.

Ο χρόνος ο τής ζωής μου,
 ολίγος καὶ πλήρης πόνων καὶ πονηρίας. //
 ἀλλ' ἐν μετανοίᾳ με παράλαβε,
 καὶ ἐν ἐπιγνώσει ἀνακάλεσαι ::
 μὴ γένωμαι κτήμα, μὴ βρώμα τοῦ ἀλλοτρίου.
 Σωτὴρ αὐτὸς με οἰκτεῖρον.

Υπήγορος νύν υπάρχω,
 θρασύς δέ καί τήν καρδίαν, εἰκή καί μάτην. //
 μή τώ Φαρισαίω συγκαταδικάσης με,
 μάλλον τοῦ Τελώνου τήν ταπεινώσιν, ::
 παράσχου μοι μόνε οικτίρμον, δικαιοκρίτα,
 καί τοῦτ'ω συναριθμήσον.

Εξήμαρτον ενυβρίσας,
τό σκεύος τό τῆς σαρκός μου, οἶδα οἰκτίρμον. //
αλλ' ἐν μετανοία με παράλαβε,
καί ἐν ἐπιγνώσει ἀνακάλεσαι, ::
μή γένωμαι κτήμα, μή βρώμα τοῦ αλλοτρίου.
Σωτήρ αὐτός με οἰκτεῖρον.

Αυτείδωλον εγενόμην,
 τοῖς πάθεσι τὴν ψυχὴν μου καταμολύνας. //
 ἀλλ' ἐν μετανοίᾳ με παράλαβε,
 καὶ ἐν ἐπιγνώσει ανακάλεσαι, ::
 μὴ γένωμαι κτήμα, μὴ βρώμα τοῦ αλλοτρίου.
 Σωτὴρ αὐτός με οἰκτεῖρον.

Ουκ ήκουσα τῆς φωνῆς σου,
 παρήκουσα τῆς γραφῆς σου τοῦ Νομοθέτου. //
 ἀλλ' ἐν μετανοίᾳ με παράλαβε,
 καὶ ἐν ἐπιγνώσει ἀνακάλεσαι, ::
 μὴ γένωμαι κτήμα, μὴ βρώμα τοῦ ἀλλοτρίου.
 Σωτὴρ αὐτός με οἰκτεῖρον.

ЧѦШѦ ЦРКОВЬ
СТАЖА, РРЕРА ТВОѦ ЖВОНѦНАА.
НЗ' ННХЖЕ СДГДБЫА НАМЗ НСТОЧН
ТОКН ѠСТАЛЕНІА Н РАЗМА:
ВО ѠБРАЗ ДРЕБНАГВ Н НОБАГВ, ДВОНХЗ БКДПѦ
ЗАВѦТОВЗ, СПЕЕ НАШ.

ВРЕ́МѦ ЖИВОТѦ МОЕГѸ
МА́ЛО Ѣ ИПО́ЛНЕНО БОЛЕ́ЗНЕЙ Ѣ ЛѸКА́ВСТВА:
НО ВЪ ПОКА́ЛѢНІИ МА́ ПРИ́ИМИ,
Ѣ ВЪ РА́ЗУМѢ ПРИЗОВѢ:
ДА НЕ БО́ДѸ СТА́ЖАНІЕ, НИ БРА́ШНО ЧѸЖДЕ́МѸ,
СПІЕ, РА́МУ МА́ ОУЩЕ́ДРИ.

ВЫСОКОГЛАГОЛНВЗ НЫНѢ ЁСМЪ,
ЖЕИТОКОЗ ЖЕ Н СЕРАЦЕМЪ, БОТЩЕ Н ВСДЕ.
ДА НЕ СЪ ФАРИСЕЕМЪ ѠСЪДНШИ МЪ,
ПАЧЕ ЖЕ МЫТАРЕВО СМНРЕНІЕ
ПОДЪЖДЪ МН ЁДННЕ ЩЕДРЕ, ПРАВОСЪДЕ,
Н СЕЛЪ МЪ СОЧНЕН.

ГОСПОДНІХЪ, ДОСЛІДІВЪ
 ГОСПОДЪ ПЛОТН МОЕА, БѢМЪ ЦЕДРЕ:
 НО ВЪ ПОКАІНІИ МЯ ПРІИМИ,
 І ВЪ РАДОМЪ ПРИЗОВЕ:
 ДА НЕ БѢДОУТАЖАІЕ, НИ БРАШНО ЧУЖДЕМУ,
 БІЕ, СЛІМЪ МЯ ОУЦЕДРН.

САМОНЕГДѦКѦНЪ БЫХЪ
СТРАСТЬМНѢ, ДѦШѦ МОЮ БРЕДѦ **ЩЕДРЕ,**
НО ВЪ ПОКАЯНІИ МѦ ПРИМНИ,
И ВЪ РАЗУМѢ ПРИЗОВЕ:
ДА НЕ БѦДѦ СЪТѦЖАНІЕ, НИ БРАШНО ЧУЖДЕМУ,
СПСЕ, СЛѦЗѢ МѦ ОУЩЕДРН.

НЕ ПОСЛАШАХЪ ГЛАГОЛА ТВОЕГѠ,
ПРЕСЛАШАХЪ ПИСАНІЕ ТВОЕ **ЗАКОНОПОЛОЖНИКЪ:**
 но въ покланіи мѧ прїимѧ,
 ѧ въ рѣзѧмъ призовѧ:
 да не бѣдоу стѣжаніе, ни бѣшино чѣждемѧ,
 еписѧ, еѧмъ мѧ оущѣрѧ.

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών

Ασώματον πολιτείαν,
εν σώματι μετελθούσα, χάριν Οσία. //
πρός Θεού μεγίστην όντως είληφας,
τών πιστών τιμώντων σε προΐστασο, ::
διό δυσωπούμεν, παντοίων πειρατηρίων,
ημας ευχαίς σου λύτρωσαι.

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών

Μεγάλων αποτημάτων,
εις βάθος κατενεχθείσα, ου κατεσχέθης. //
αλλ' ανέδραμες λογισμό κρείττονι,
πρός τήν ακροτάτην διαπράξεως, ::
σαφώς αρετήν παραδόξως, Αγγέλων φύσιν,
Μαρία καταπλήξασα.

Άγιε τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών

Ανδρέα Πατέρων κλέος,
ευχαίς σου μή επιλάθη καθικετεύων. //
παρεστώς Τριάδα τήν υπέρθεον,
όπως λυτρωθώμεν τής κολάσεως, ::
οι πόθω προστάτην σε θεϊόν, επικαλούντες,
τό Κρήτης εγκαλλώπισμα.

Δόξα...

Αμέριστον τή ουσία,
ασύγχυτον τοίς προσώποις θεολογώ σε. //
τήν Τριαδικήν μίαν θεότητα,
ως Ομοβασίλειον καί σύνθρονον, ::
βοώ σοι τό Άσμα, τό μέγα, τό εν υψίστοις,
τρισσώς υμνολογούμενον.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Καί τίκεις καί παρθενεύεις,
καί μένεις δι' αμφοτέρων, φύσει Παρθένος,
ο τεχθείς καινίζει νόμους φύσεως,
η νηδύς δέ κύει μή λοχεύουσα, ::
Θεός όπου θέλει, νικάται φύσεως τάξις.
ποιεί γάρ όσα βούλεται.

Μαρίν:

Безплотныѣхъ жѣтелѣствѣ
въ плѣти преходящѣ, бл҃годать прѣнѣла.
къ бг҃ѣ бл҃гоу бои҃тннѣ прѣла ѣи,
вѣрнѣ ѡ чюднѣхъ тѣхъ прѣдстѣлѣствѣхъ.
тѣмже мѡлнѣхъ тѣхъ, ѡ бл҃жнѣхъ напастѣхъ
н҃ нѣхъ мл҃твами твоими н҃збавѣхъ.

Μαρίν:

Великѣхъ безмѣстѣхъ
бо гл҃бннѣхъ ннзбави҃ла, нѣводержима была ѣи.
но востекла ѣи помыслимѣхъ л҃чннмѣхъ,
къ краи҃нѣхъ дѣлнмн
ѣвѣ добродѣтели прѣлабнхъ, аг҃льскоѣ ѣстѣствѣ
маріѣ, ѡднѣннѣхъ.

Ἡμερέν:

Ἡμερέ, ѡтѣкала похвало,
мл҃твами твоими не прѣтѣхъ молѣла.
прѣдстоѣ тѣхъ прѣжѣствѣннѣхъ,
ѣкѡ да нзбавнмѣхъ мѣнѣхъ:
любоѣи прѣдстѣла тѣхъ вѣжѣствѣннаго ~~вѣжѣннѣ~~ прнзвѣннѣхъ,
крнѣхъ ѡдобрѣннѣ.

Слѣва, трѣи:

Неразрѣльное едѣствѣмѣхъ,
нелнѣтноѣ лнѣхъ бл҃гоблѣхъ тѣхъ.
трѣиѣкоѣ ѣднѣ вѣжѣствѣхъ,
ѣкѡ ѣднѣнѣствѣннѣхъ н҃ ѣпѣрѣтѣльное.
вопѣи тн пѣснѣхъ великѣхъ, въ вѣшннѣхъ
трѣгѣхъхъ пѣснѣхъхъхъ.

Бѣгорѣннѣ:

Н҃ раждѣлнхъ н҃ дѣствѣдѣлнхъ,
н҃ прѣвѣлѣлнхъ ѣбѣхъхъ ѣстѣствѣмѣхъ дѣхъ:
рождѣннѣхъ ѡбнѣлѣтѣхъ закѣнѣхъ ѣстѣствѣхъ,
ѡтѣрѣла же раждѣлѣтѣхъ, не раждѣлѣла.
бг҃хъ ндѣхъхъ хѣстѣхъ, поѣвѣлѣтѣхъ ѣстѣствѣхъ чннѣхъ:
тѣхъхъхъхъ бѣ ѣлнѣхъ хѣстѣхъхъ.

Ωδή ε'

Εκ νυκτός ορθρίζοντα :: Φιλάνθρωπε, / 7+4

φώτισον : δέομαι, :: 3+3

καί οδήγησον καμέ * εν τοῖς προστάγμασί σου.// 7+7

καί δίδαξόν με Σωτήρ,/* ποιείν τό θέλημά σου.// 7+7

Εκ νυκτός ορθρίζοντα Φιλάνθρωπε, /
φώτισον δέομαι
καί οδήγησον καμέ εν τοῖς προστάγμασί σου.
καί δίδαξόν με Σωτήρ ποιείν τό θέλημά σου. (Δίς)
Εν νυκτί τόν βίον μου * διήλθον αεί,
σκότος γάρ * γέγονε
καί βαθεία μοι αχλὺς, η νύξ τῆς αμαρτίας.
αλλ' ως ημέρας υἱόν, Σωτήρ ἀνάδειξόν με.

Τόν Ρουβίμ μιμούμενος * ο τάλας ἐγώ,
ἐπραξα * ἄθεσμον
καί παράνομον βουλήν, κατά Θεοῦ Υψίστου.
μιάνας κοίτην ἐμήν, ως τοῦ πατρός ἐκεῖνος.

Εξομολογούμαί σοι * Χριστέ Βασιλεῦ.
Ἡμαρτον * ἡμαρτον
ὡς οἱ πρὶν τῷ Ἰωσήφ, ἀδελφοὶ πεπρακότες,
τόν τῆς ἀγνεΐας καρπόν, καί τόν τῆς σωφροσύνης.

Υπὸ τῶν συγγόνων η * δικαία ψυχὴ,
δέδοτο * πέπρατο
εἰς δουλείαν ο γλυκύς, εἰς τύπον τοῦ Κυρίου,
αυτὴ δέ ὅλη ψυχὴ, ἐπράθης τοῖς κακοῖς σου.

Ἰωσήφ τόν δίκαιον, * καί σῶφρονα νούν,
μίμησαι * τάλαινα,
καί ἀδόκιμε ψυχὴ, καί μὴ ἀκολασταίνου,
ταῖς παραλόγοις ὁρμαῖς, αἰεὶ παρανομοῦσα.

Εἰ καὶ λάκκῳ ὤκησε ποτέ Ἰωσήφ,
Δέσποτα * Κύριε,
αλλ' εἰς τύπον τῆς Ταφῆς, καί τῆς Εγέρσεώς σου,
ἐγὼ δέ τί σοι ποτέ, τοιοῦτο προσενέγκω;

Τοῦ Μωσέως ἠκουσας * τὴν θήβην ψυχὴ,
ὑδάσι, * κύμασι
φερομένην ποταμοῦ, ως ἐν θαλάμῳ πάλαι,
φυγούσαν δράμα πικρόν, βουλῆς Φαραωνίτου.

Εἰ τὰς μαΐας ἠκουσας κτεινούσας ποτέ,
ἀνηβον * τάλαινα,
τὴν ἀρρενωπὸν ψυχὴ, τῆς σωφροσύνης πράξιν,
νὺν ὡς ὁ μέγας Μωσῆς, τιθηνοῦ τὴν σοφίαν.

Ὡς Μωσῆς ὁ μέγας τόν * Αἰγύπτιον νούν,
πληξασα * τάλαινα,
οὐκ ἀπέκτεινας ψυχὴ, καί πὼς οικήσεις λέγε,
τὴν ἐρημον τῶν παθῶν, διὰ τῆς μετανοίας;

ⲓⲛⲟⲩⲛ ⲟⲩⲧⲣⲉⲛⲛⲟⲩⲙⲁ, ⲛⲓⲃⲉⲧⲕⲟⲗⲟⲩⲉⲧⲉ,
ⲡⲣⲟⲩⲃⲉⲧⲧⲏ ⲙⲟⲗⲟⲩⲉⲁ
ⲛ ⲛⲁⲣⲉⲧⲁⲃⲏ ⲛ ⲙⲉⲛⲉ ⲛⲁ ⲡⲟⲃⲉⲗⲉⲛⲓⲁ ⲧⲃⲟⲗ:
ⲛ ⲛⲁⲗⲓⲛ ⲙⲁ ⲉⲓⲡⲉ, ⲧⲃⲟⲣⲏⲧⲧⲏ ⲃⲟⲗⲟ ⲧⲃⲟⲗ.
ⲕⲱ ⲛⲟⲩⲛ ⲛⲏⲧⲧⲉ ⲙⲟⲩⲉ ⲡⲣⲉⲛⲁⲗⲟⲭⲱ ⲡⲣⲏⲉⲛⲱ,
ⲧⲃⲙⲁ ⲃⲟ ⲃⲱⲓⲧⲧⲉ
ⲛ ⲓⲗⲁⲃⲟⲕⲁ ⲙⲛⲉ ⲙⲓⲗⲁ, ⲛⲟⲩⲙⲱ ⲓⲣⲉⲧⲭⲁ:
ⲛⲟ ⲓⲁⲕⲱ ⲁⲛⲉ ⲉⲓⲛⲁ ⲉⲓⲡⲉ ⲡⲟⲕⲁⲛⲏ ⲙⲁ.

Ⲡⲟⲃⲓⲙⲁ ⲡⲟⲗⲁⲛⲁⲗⲁ ⲱⲕⲁⲗⲁⲛⲏⲛ ⲓⲫⲱ,
ⲓⲟⲗⲉⲁⲭⲱ ⲃⲉⲫⲱⲕⲟⲛⲏⲛ
ⲛ ⲫⲁⲕⲟⲛⲡⲣⲉⲧⲧⲟⲛⲏⲛ ⲓⲟⲃⲉⲧⲧⲱ ⲛⲁ ⲉⲓⲁ ⲃⲱⲓⲛⲁⲛⲟ.
ⲱⲕⲉⲃⲉⲣⲛⲏⲃⲱ ⲗⲟⲫⲉ ⲙⲟⲩⲉ, ⲓⲁⲕⲱ ⲟⲩⲧⲧⲉ ⲟⲩⲛⲱ.

ⲛⲉⲡⲟⲃⲉⲗⲁⲛⲉⲁ ⲧⲣⲉⲧⲉ ⲭⲣⲓⲧⲉ ⲛⲣⲟⲗ,
ⲓⲟⲓⲣⲉⲧⲱⲓⲛⲭⲱ, ⲓⲟⲓⲣⲉⲧⲱⲓⲛⲭⲱ,
ⲓⲁⲕⲱ ⲡⲣⲉⲫⲁⲩⲉ ⲓⲱⲉⲛⲉⲓⲁ ⲉⲣⲁⲧⲧⲓⲁ ⲡⲣⲟⲗⲁⲃⲱⲓⲛ,
ⲛⲏⲣⲧⲟⲧⲧⲉ ⲡⲗⲟⲗⲱ ⲛ ⲛⲉⲗⲟⲙⲁⲗⲁⲣⲓⲁ.

ⲓⲟⲗⲁⲛⲏⲕⲱⲃⲱ ⲡⲣⲁⲃⲉⲗⲁⲛⲁ ⲁⲗⲱⲗⲁ ⲉⲃⲁⲫⲱⲗⲁ,
ⲡⲣⲟⲗⲁⲩⲁ
ⲃⲱ ⲣⲁⲃⲟⲧⲧⲉ ⲓⲗⲁⲕⲓⲧⲏ, ⲃⲟ ⲱⲃⲣⲁⲫⲱ ⲓⲗⲏⲃ:
ⲧⲱ ⲛⲉ ⲃⲉⲗⲁ ⲁⲗⲱⲉ, ⲡⲣⲟⲗⲁⲗⲁⲩⲁ ⲉⲓⲛ ⲉⲗⲱⲙⲏ ⲧⲃⲟⲛⲙⲏ.

ⲓⲱⲉⲛⲉⲓⲁ ⲡⲣⲁⲃⲉⲗⲁⲛⲁⲱ ⲛ ⲛⲉⲗⲟⲙⲁⲗⲁⲣⲉⲛⲛⲁⲱ ⲟⲩⲙⲁ
ⲡⲟⲗⲁⲛⲁⲓⲛ ⲱⲕⲁⲗⲁⲛⲛⲁⲗ,
ⲛ ⲛⲉⲛⲉⲕⲁⲩⲉⲛⲁⲗ ⲁⲗⲱⲉ, ⲛ ⲛⲉ ⲱⲕⲉⲃⲉⲣⲛⲁⲛⲉⲁ
ⲃⲉⲫⲱⲕⲟⲛⲉⲛⲏⲙⲏ ⲉⲧⲣⲉⲙⲗⲉⲛⲏⲙⲏ ⲡⲣⲏⲉⲛⲱ ⲃⲉⲫⲱⲕⲟⲛⲏⲙⲟⲩⲛ.

ⲓⲛⲉ ⲛ ⲃⲱ ⲣⲟⲃⲉⲧⲉ ⲡⲟⲛⲏⲃⲉ ⲛⲛⲟⲗⲁ ⲓⲱⲉⲛⲉⲓⲁ,
ⲃⲱⲕⲟ ⲓⲗⲏⲃ,
ⲛⲟ ⲃⲟ ⲱⲃⲣⲁⲫⲱ ⲡⲟⲓⲣⲉⲃⲉⲛⲓⲁ ⲛ ⲃⲟⲓⲧⲁⲛⲓⲁ ⲧⲃⲟⲉⲱⲛ:
ⲓⲫⲱ ⲛⲉ ⲧⲣⲉⲧⲉ ⲕⲟⲗⲁ ⲉⲛⲉⲃⲟⲩⲉ ⲡⲣⲏⲛⲛⲉⲗⲱ;

ⲙⲱⲛⲧⲉⲟⲃⲱ ⲉⲗⲱⲓⲱⲗⲁ ⲉⲓⲛ ⲕⲟⲃⲉⲫⲉⲕⲱ ⲁⲗⲱⲉ,
ⲃⲟⲗⲁⲙⲏ, ⲃⲟⲗⲁⲙⲏ
ⲛⲟⲓⲛⲙⲱ ⲣⲉⲧⲏⲙⲏⲙⲏ, ⲓⲁⲕⲱ ⲃⲱ ⲧⲣⲉⲧⲟⲫⲉ ⲁⲣⲉⲃⲉ
ⲉⲧⲉⲁⲱⲩⲏⲛ ⲁⲧⲉⲗⲁ ⲓⲟⲣⲱⲕⲁⲱ ⲓⲟⲃⲉⲧⲧⲁ ⲫⲁⲣⲱⲛⲏⲧⲉⲕⲁ.

ⲓⲛⲉ ⲉⲗⲉⲱ ⲉⲗⲱⲓⲱⲗⲁ ⲉⲓⲛ, ⲟⲩⲃⲉⲛⲃⲱⲩⲱⲙⲁ ⲛⲛⲟⲗⲁ
ⲃⲉⲫⲱⲕⲟⲛⲉⲛⲏⲙⲟⲩⲉ ⲙⲁⲫⲉⲕⲟⲩⲉ,
ⲁⲗⲱⲉ ⲟⲕⲁⲗⲁⲛⲛⲁⲗ, ⲛⲉⲗⲟⲙⲁⲗⲁⲣⲓⲁ ⲁⲧⲉⲗⲏⲉ,
ⲛⲱⲓⲧⲉ ⲓⲁⲕⲱ ⲃⲉⲗⲏⲓⲧⲏ ⲙⲱⲛⲧⲉⲓ, ⲉⲓⲛ ⲡⲣⲉⲙⲁⲗⲟⲣⲉⲧⲧⲉ.

ⲓⲁⲕⲱ ⲙⲱⲛⲧⲉⲓ ⲃⲉⲗⲏⲓⲧⲏ ⲉⲓⲛⲧⲱⲧⲁⲛⲏⲛⲁ ⲟⲩⲙⲁ
ⲟⲩⲁⲫⲱⲃⲉⲛⲏⲙⲏ ⲟⲕⲁⲗⲁⲛⲛⲁⲗ,
ⲛⲉ ⲟⲩⲃⲉⲛⲃⲱ ⲉⲓⲛ ⲁⲗⲱⲉ: ⲛ ⲕⲁⲕⲱ ⲃⲉⲗⲏⲱⲓⲛⲉⲁ, ⲓⲗⲁⲗⲟⲗⲏ,
ⲃⲱ ⲡⲟⲩⲉⲧⲏⲛⲟ ⲉⲧⲣⲁⲩⲧⲉⲓ ⲡⲟⲕⲁⲗⲏⲉⲙⲱ;

...

ѦЩЕ Ѧ **КЛАДЪЗЪ** **ѢРН** **ГЛДБОУКІН** вѣко,
 ѦСТОЧН МН БОДѢ
 ѦЗЪ ПРЕНІСТЫХЪ ТВОИХЪ ЖІЛЪ, ДА ѦКѢ САМАРАНЫНА,
 НЕ КТОМЪ ПѦЯ ЖІЯКЪ: ЖІЗНИ БО ТВОѦ ИСТОЧАЕШН.

Σιλωάμ γενέσθω μοι * τὰ δάκρυά μου,
Δέσποτα * Κύριε,
ἵνα νίψωμαι καγώ, τὰς κόρας τῆς καρδίας,
καὶ ἶδω σε νοερώς, τό φῶς τό πρό αἰώνων.

Οσία τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν
Ασυγκρίτω έρωτι * πανόλβιε,
ξύλον ποθήσασα,
προσκυνήσαι τοῦ Σταυροῦ, ηξιώσαι τοῦ πόθου,
αξίωσον οὖν καμέ, τυχεῖν τῆς άνω δόξης.

Οσία τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν
Ρεῖθρον Ιορδάνειον * περάσασα,
εὔρες ανάπαυσιν,
τὴν ανώδυνον σαρκός, ηδονήν εκφυγούσα,
ἥς καί ημάς εξελού, σαῖς προσευχαῖς Οσία.

Άγιε τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν
Ὡς ποιμένων άριστον * Ανδρέα σόφε,
πρόκριτον * όντα σε,
πόθω δέομαι πολλῶ, καί φόβω σαῖς πρεσβείαις,
τῆς σωτηρίας τυχεῖν, καί ζωῆς αιμνίου.

Δόξα...

Σέ Τριάς δοξαζόμεν * τόν ένα Θεόν,
Άγιος, * Άγιος,
Άγιος εἰ ο Πατήρ, ο Υἱός καί τό Πνεῦμα,
απλή ουσία Μονάς, αεί προσκυνουμένη.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Εκ σοῦ ημφιάσατο * τό φύραμά μου,
άφθορε * άνανδρε,
Μητροπάρθενε Θεός, ο κτίσας τούς αἰώνας,
καί ήνωσεν εαυτώ, τήν τών ανθρώπων φύσιν.

Σιλωάμz да бѣдѣтъ мнѣ слезы моѣ,
блго гдѣ,
да ѡмьѡю ѡ ѡзъ зѣнницы ердца,
ѡ бнжѣдъ тѣ ѡ ѡмнѡ, бѣѣтъ прѣбѣчнѣ.

Μαρίν:

Нєрлбнѣннѣмz жєлѣнїємz бєбєгѣтѣлѣ,
дрѣвѣ бєзжєлѣбшѣ
поклонїтнѣ жнѣотнѣмѣ, сподоблѣнѣ єнѣ жєлѣнїѣ,
сподобнѣ ѡбѡ ѡ мєнѣ ѡ ѡлѣчїтнѣ бѣшнїѣ слѣбѣ.

Μαρίν:

Стрѣ ѡрдѣннїкѣ прѣшѣдшѣ,
ѡбѣлѣ єнѣ покѡѡ
бєзбѡлѣзненнѣнѣ, плѡтнѣ слѣтнѣ ѡбѣжѣбшѣ,
єлѣжѣ ѡ нѣлѣ ѡзмѣ тѣѡїмнѣ мѣтѣлмнѣ прѣбєлѣ.

Άνδρέο:

Глѡкѣ лѣстѣрѣнѣ ѡзрѣднѣншѣ, ѡндрѣє прѣмѣдрѣ,
ѡбєрѣннѣ ѡцѣ тѣ,
лѣѡѡбїѡ бѣлїѡ ѡ стрѣхѡмz моѡ, тѣѡїмнѣ мѣтѣлмнѣ
єпѣєнїѣ ѡ ѡлѣчїтнѣ, ѡ жнѣзнь бѣчнѣѡ.

Ολία, τῷ ενος:

Тѣ трѣє слѣбнѣмz, єднѣнлѡ бгѣ:
єтѣ, єтѣ,
єтѣ єнѣ ѡѣ, єнѣ ѡ дшѣ,
прѡєтѡє ѡдѣєтѣѡ єднѣннѣ прѣнѣѡ поклѣнѣємѣлѣ.

Ητορόδνηενс:

Нзъ тѣбѣ ѡблѣчѣлѣ бзъ моѣ смѣшѣнїѣ,
нѣтлѣннѣлѣ, бєзмѣжнѣлѣ
мѣтнѣ дѣѡ, бгѣ ѡзлѣбѣнѣ бѣкнѣ,
ѡ ѡєднѣннѣ бѣѣ ѡлѣѣѣєкѡє єтѣєтѣѡ.

Ωδή ς'

Εβόησα :	4
εν όλη καρδιά μου * προς τόν οικτίρμονα Θεόν. //	7+8
καί επήκουσέ μου * εξ Άδου κατωτάτου*	6+7
καί ανήγαγεν * εκ φθοράς * τήν ζώήν μου.//	5+7

Εβόησα, εν όλη καρδιά μου
προς τόν οικτίρμονα Θεόν.
καί επήκουσέ μου εξ Άδου κατωτάτου
καί ανήγαγεν εκ φθοράς τήν ζώήν μου. (Δίς)

Τά δάκρυα Σωτήρ τών ομμάτων μου,
καί τούς εκ βάθους στεναγμούς,
καθαρώς προσφέρω, βοώσης τής καρδιάς,
ο Θεός ημάρτηκά σοι, 8 ιλάσθητί μοι. 5

Εξένευσας ψυχή τού Κυρίου σου,
ώσπερ Δαθάν καί Αβειρών,
αλλά φείσαι κράζον, εξ Άδου κατωτάτου,
ίνα μή τό χάσμα, τής γής * σε συγκαλύψη.

Ως δάμαλις ψυχή παροιστήσασα, (Oz 4,16)
εξωμοιώθης τώ Εφραίμ,
ως δορκάς εκ βρόχων, ανάσωσον τόν βίον,
περωθείσα πράξει, καί νώ * καί θεωρία.

Η χείρ ημάς Μωσέως πιστώσεται,
ψυχή πώς δύναται Θεός,
λεπρωθέντα βίον, λευκάναι καί καθάραι,
καί μή απογνώς σεαυτήν, κán ελεπρώθης.

Τά κύματα, Σωτήρ τών πταισμάτων μου,
ως εν θαλάσση Ερυθρά,
επαναστραφέντα, εκάλυπέ με άφνω,
ως τούς Αιγυπτίους, ποτέ * καί τούς τριστάτας.

Αγνώμονα, ψυχή τήν προαίρεσιν,
έσχες ως πρίν ο Ισραήλ,
τού γάρ θείου μάννα, προέκρινας αλόγως,
τήν φιλήδονον, τών παθών αδηφαγίαν.

Τά ύεια, κρέα καί τούς λέβητας,
καί τήν Αιγύπτιον τροφήν,
τής επουρανίου, προέκρινας ψυχή μου
ως ο πρίν αγνώμων, λαός εν τή ερήμω.

↑↑↑↑↑

Τά φρέατα, ψυχή προετίμησας,
τών Χαναανίων εννοιών,
τής φλεβός τήν πέτραν, εξ ής ο τής σοφίας,
ως κρατήρ προχέει, κρουνούς θεολογίας.

cf 5. p150a1

Ως έπληξε, Μωσής ο θεράπων σου,
ράβδω τήν πέτραν τυπικώς,
τήν ζωοποιόν σου, Πλευράν προδιετύπου,
εξ ής πάντες πόμα, ζωής * Σωτήρ αντλούμεν.

Возопѣхъ въѣмъ ѣрмѣмъ моѣмъ
къ ѿѣдромѣ бѣхъ.
и ѡгнѣмъ мѣмъ ѡ ѡдѣ пренеподѣлѣмъ
и возведѣ ѡ тѣмъ жнѣотѣ моѣмъ.

Слѣзы епѣ ѡчѣмъ моѣмъ,
и ѡзъ глѣбнѣмъ воздыхнѣмъ
чѣстѣ прннѣмъ, вопрѣмъ ѣрмѣмъ:
бѣе, ѡгрѣшнѣмъ тѣ ѡчѣстѣ мѣмъ.

Οὐκλονήλας ἐνὶ Ἀδσῇ, ὡ γὰ τρωεγῶ,
ἴκοζε δαδάνησιν ἡ ἀβειρώνης:
но поцадѣ, воззовѣ ѡзъ ѡдѣ пренеподѣлѣмъ,
да не прѣпасть земнѣмъ тебѣ покрьѣтъ.

Ἰᾱκω ἰωννѣа Ἀδσῇ ραζѣврѣпѣшмъ,
οὐποдобнѣлаς ἐνὶ ἐφρέμъ,
ἴκω ἐρмѣ ѡ теңѣтъ ѡχрѣнѣ жнѣтѣ,
вперѣшн дѣлнѣмъ ѡмъ, и зрѣнѣмъ.

Рѣкл̣а нѣсз мѡνѣѣѡва да ѡгрѣштѣ
Ἀδσῇ, κᾱκω μόжетѣ бѣтъ
прокажѣнное жнѣтѣ ѡгрѣлнѣтѣ, и ѡчѣстѣтѣ:
и не ѡлнѣа сѣмъ себѣ, ἄще и прокажѣнна ἐн̣.

Вѡлны епѣ прегрѣшѣнѣй моѣмъ
ἴκω вѣ мѡрн чѣрмнѣмъ
возвращѣюшѣмъ, покрьѣмъ мѣмъ вѣзлѣпъ,
ἴκω ἐгнѣтѣмъ иногдѣ, и трѣстѣтѣ.

Неразѣмноѣ Ἀдсῇ прѡзѡлѣнѣ
и мѣл̣а ἐн̣, ἴκω прѣжде ил̣а:
бѣѣтѣврѣннѣмъ во мѣннѣ / прѣдѣднѣа ἐн̣ безѣлѡвѣен̣,
лѣѡелѣтнѣе стрѣстѣ ѡбѣдѣнѣ.

Владѣнцѣ Ἀдсῇ, прѣдпочл̣а ἐн̣
хананѣйскнѣхъ мѣлѣй,
пѣче жнѣмъ κᾱмене, и ѡзъ негѡже прѣмѣдрѡстѣ ρѣкл̣а,
ἴκω чѣшѣ прѡлнѣлѣтъ тѣокн бѣѡлѡбѣа.

Сѣннѣа мѣл̣а и котлѣ,
и ἐгнѣтѣκѣмъ пнѣмъ,
пѣче неѣснѣмъ прѣдѣднѣа ἐн̣ Ἀдсῇ моѣмъ,
ἴκοже дрѣвѣ неразѣмнѣн̣ лѣѣе вѣ пѣстѣнн̣.

Ἰᾱκω οὐδάρη мѡνѣѣй ρѣсз тѣѡн̣
жѣзлѡмъ κᾱмень, ѡбѣрѣзѣ
жнѣѡтѡрнѣмъ ρѣбѣ тѣѡл̣ прѡвѣрѣзѡвѣшѣ,
и ѡзъ ннѣже вѣн пнѣтѣ жнѣзн̣ епѣ, почѣрпѣмъ.

Ερεύνῃ^{σον}, ψυχὴ κατασκόπευ^{σον},
ὡς Ἰησοῦς ὁ τοῦ Ναυῆ,
τῆς κληροδοσίας, τὴν γῆν ὁποία ἐστὶ,
καὶ κατοίκησον, ἐν αὐτῇ 8 δι' εὐνομίας. 5

Ἀνάστηθι, καὶ καταπολέμησον,
ὡς Ἰησοῦς τὸν Ἀμαλῆκ,
τῆς σαρκὸς τὰ πάθη, καὶ τοὺς Γαβαωνίτας,
τοὺς ἀπατηλοὺς * λογισμοὺς, 8 αἰ νικῶσα. 5

Διάβηθι, τοῦ χρόνου τὴν ρέουσαν,
φύσιν ὡς πρὶν ἡ Κιβωτός,
καὶ τῆς γῆς ἐκείνης, γενοῦ ἐν κατασχέσει,
τῆς ἐπαγγελίας ψυχῇ, 8 Θεὸς κελεύει. 5

Ὡς ἐσωσας, τὸν Πέτρον βοήσαντα,
σώσον προφθάσας με Σωτὴρ,
τοῦ θηρὸς με ρύσαι, ἐκτείνας σου τὴν χεῖρα,
καὶ ἀνάγαγε * τοῦ βυθοῦ 8 τῆς ἀμαρτίας. 5

Λιμένα σε, γινώσκω γαλήνιον,
Δέσποτα Δέσποτα Χριστέ,
ἀλλ' ἐκ τῶν ἀδύτων, βυθῶν τῆς ἀμαρτίας,
καὶ τῆς ἀπογνώσεώς με, 8 προφθάσας ρύσαι. 5

Εγὼ εἰμι, Σωτὴρ ἦν ἀπώλεσας,
πάλαι βασιλεῖον δραχμῆν,
ἀλλ' ἀνάψας λύχνον, τὸν Πρόδρομόν σου Λόγε,
ἀναζήτησον, καὶ ευρέ 8 τὴν σὴν εἰκόνα. 5

Ὁσία τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν
Ἵνα παθῶν, φλογμὸν κατασβέσης, 6
δακρύων ἐβλύζεις αἰί,
οἰκετοὺς Μαρία, ψυχὴν πυρπολουμένην,
ὧν τὴν χάριν νέμοις, καμοὶ τῷ σῶ οἰκέτῃ.

Ὁσία τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν
Ἀπάθειαν, ἐκτίσω σουράνιον,
δι' ἀκροτάτης ἐπὶ γῆς,
πολιτείας, Μήτηρ, διό τοὺς σέ υμνοῦντας,
ἐκ παθῶν ρυσθῆναι, πρεσβείαις σου δυσώπει.

Ἄγιε τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν
Τῆς Κρήτης σε, Ποιμένα καὶ πρόεδρον,
καὶ Οἰκουμένης πρεσβευτὴν,
ἐγνωκῶς προστρέχω, Ἀνδρέα καὶ βοῶ σοι.
Ἐξελοῦ με Πάτερ, βυθοῦ τῆς ἀμαρτίας.

Δόξα...
Τριάς εἰμί, ἀπλὴ ἀδιαίρετος,
διαιρετὴ προσωπικῶς,
καὶ Μονάς υπάρχω, τῇ φύσει ἠνωμένη.
Ὁ Πατὴρ φησι* καὶ Υἱὸς 8 καὶ θεῖον Πνεῦμα. 5

Καὶ νύν... Θεοτοκίον
Ἡ μήτρα σου, Θεὸν ἡμῖν ἔτεκε,
μεμορφωμένον καθ' ἡμᾶς,
ἀλλ' ὡς Κτίστην πάντων, δυσώπει Θεοτόκε,
ἵνα ταῖς πρεσβείαις, ταῖς σαῖς δικαιωθώμεν.

Ниспытāй дшѣ ѡ смотрѣнїи,
ѡкоже ѡнедез навѣннз
ѡбѣтѡвāнїа зѣмлю, како вā ѣтъ,
ѡ вєлєнїа вѣ нѣ бѣгозаконїемз.

Востāнн ѡ поборѣ,
ѡко ѡнедез āмалѣк,
плотскїа стрѣтѣ, ѡ гавлонїтѣ,
лѣстнїа помыслѣ прїенѡ повѣждāющн.

Прєдāн вѣрємєнє тєкѡщє
ѣтєтєтѡ, ѡко прѣждє ковчѣгз,
ѡ зємлѣ ѡнїа вāн вѡ ѡдєржāнїи
ѡбѣтѡвāнїа дшѣ, бѣ повєлѣбāетз.

ѡко ѡпєлз ѣн пєтрā, возопѣвѡ
ѡпѣ, прєдварѣвz мā ѡпѣ
ѡ вѣѣрā ѡзбāвѣ, прєстѣрз тѡѡ ρѡкѡ,
ѡ возвєдѣ ѡз глѡбннѣ грѣхѡбннѣ.

Прїєстāннѣ тā вѣмz ѡгтѣшнѡє,
вāко, вāко хрѣтѣ:
нѡ ѡ нєзāходнмыхз глѡбннз грѣхā,
ѡ ѡчāнїа мā прєдварѣвz ѡзбāвѣ.

ѡз ѣмѣ, ѡпѣ, ѡже погдѣнз ѣн
дрєвлє цāркѣю дрāхмѣ:
нѡ вжѣгз вѣтѣнāнннкz прѣтѣд тѡѡгѡ ѡлѡбє,
взыщѣ ѡ ѡбрāщѣн тѡѡн ѡбразз.

Μαρίν:
д стрѣтѣн плāмєнѣ ѡгтєшн,
єлєзз κλпн нїстѡчнїа ѣн
прїєнѡ марїє, дшѣю рєспāлѣмā,
ѡко бѣгѡдāтѣ подāждѣ ѡ мнѣ тѡѡмѡ ρєбѡ.

Μαρίν:
вєзстрѣтѣ нѣнѡє стāжāлā ѣн,
κρāнннмz нā зємлѣ
жнтѣмz мāтн. тѣмжє тѣбѣ поѡщымz,
ѡ стрѣтѣн ѡзбāвнннѣ / мāтѡмн тѡѡмн, молїє.

Ἀνδρέο:
Врѣтєкагѡ тā пāстырā, ѡ прєдѣдāтєлā,
ѡ вєлєннїа мāтѡвєнннκα
вѣдѣн, прнтєкāю āндрѣє, ѡ вѡпїю тн:
ѡзмї мā ѡтѣє, ѡз глѡбннѣ грѣхā.

Σάββα, τῷ ἱερω:
Трїа ѣмѣ прѡрѣтā, нєрāздѣлнā,
рāздѣлнā лнчнѣ,
ѡ ѣднннцā ѣмѣ ѣтєтєтѡмz ѡєдннѣнā,
ѡцз глāгѡлєтз, ѡ єнз, ѡ бѣжѣтѡвнннѣн дхз.

Ἐφοροδичен:
Ὁγтѡбє тѡѡл бѣ нāмz ρѡдн,
вѡвєрāжѣнā по нāмz:
ѣгѡжє ѡко ѡздāтєлā вѣѣхз, молн бѣє,
дā мāтѡмн тѡѡмн ѡпрєвāднїє.

Κοντάκιον Ἦχος πλ. β'

Ψυχή μου * ψυχή μου, 3+3 ἀνάστα, * τί καθεύδεις; 7
τό τέ-λος εγ- γί-ζει, 6 καί μέλλεις θορυβεῖσθαι, 7
 α- νάνηπον οὖν, 5
 ἵνα φείσῃται σου 6
Χριστός ο Θε-ός, 5
ο πανταχού παρών, 6
 καί τὰ πάντα πληρών. 6

Ο Οίκος

Τό του Χριστού ιατρείον βλέπων ανεωγμένον, 15
καί τήν εκ τουτου τώ Αδάμ πηγάζουσιν υγείαν, 15
έπαθεν, επλήρη ο διάβολος, 11
καί ως κινδυνεύων ωδύρετο, 10
καί τοίς αντού οίλοις ανεβόησε, 11
τί ποιήσω τώ Υιώ τής Μαρίας; 11
κτείνει με ο Βηθλε- εμίτης, 9
ο πανταχού παρών, 6
καί τά πάντα πληρών. 6

Κοντάκης:

АѸШЕ МОА, АѸШЕ МОА, ВОСТАНН, ЧТО СПИШН;
 КОНЕЦЪ ПРИБЛИЖАЕТСЯ, И НМАШН СМѸТНТНСА:
 ВОСПРАНН ОУБѸ, ДА ПОЩАДНТЪ ТѸ ХРІТОСЪ БГЪ,
 ВЕЗДѸ СЫН, И ВСѸ НПОЛНѸАЛН.

ÍKOTZ:

ХРІСТО́ВО ВРАЧЕВСТВО́ БНДА́ ѠБЕ́РСТО,
 Ѣ Ѡ СЕГѠ́ АДА́МѢ́ НСЧЕКА́ЮЩЕЕ ЗРА́БІЕ,
 ПОСТРА́ДА, ОУ́МЗВЕНІА́ ДІА́ВОЛА,
 Ѣ ІАКѠ́ БѢДСТВО́А РЫ́ДАШЕ,
 Ѣ СВОИ́МЪ ДРДГѠ́МЪ ВОЗОПНѢ:
 ЧТО́ СОТВО́РНЪ СІ́А МРІ́ИНА́,
 ОУ́БЕНА́ЕТЕЪ МА́ БНД, ЛЕ́ЕМЛАНННЪ,
 ѢЖЕ́ БЕЗДѢ́ СЫ́Н, Ѣ БСѠ́ НПОЛНѠ́АН.

Makarismoi

Ἦχος πλ. β' // Тѣже бѣженны съ поклѡны. Гласъ 5:

(csl. text má dost' pozmenený slovosled)

Εν τῇ Βασιλείᾳ σου μνήσθητι ἡμῶν Κύριε, ...

Ληστήν του Παραδείσου * Χριστέ πολίτην, 7+5
 επί Σταυρού σοι βοήσαντα, 9
 τό Μνήσθητί μου * προαπειργάσω. 5+5
 αυτού τής μετανοίας 7
 αξίωσον καμέ * τόν ανάξιον. 6+5

ВО ЦРѢВІИ ТВОЁМЪ, ПОМАНЕ НАСЪ ГДН.

Разбойника хрѣ блѣ житела
сотвори азъ ѿи, на крѣтѣ
тебѣ возопѣвша: помани мѧ.
тогѡ поканию
сподѡбен ѿ менѣ недостѡйнаго

Μακάριοι οι πτωχοί τῷ πνεύματι, ...

Τόν Μανώέ ακοῦεις * πάλαι ψυχὴ μου,
Θεοῦ ἐν φαντασίᾳ γενόμενον,
καὶ τόν ἐκ στεῖρας * τότε λαβόντα.
καρπὸν ἐπαγγελίας,
αὐτοῦ τό εὐσεβές * μιμησώμεθα.

Стѣхъ: Бл҃женнѣи нѣщѣи дѣхомъ, ꙗкоу тѣхъ єсть цр҃тво нѣное.

МАНОВА ГЛЫШАВШИ ДРЕВЛЕ ДУШЕ МОА,
БГА ВЗ ГВЛЕНІИ БЫВША,
Н НЗ НЕПЛОДОВЕ ТОГДА ПРІЕМША.
ПЛОДЗ ѠБЕЩОВАНІА,
ТОГѠ БЛГОЧЕРТІЕ ПОДРАЖАЙ.

Μακάριοι οι πενθούντες, ότι αυτοί παρακληθήσονται

Τὴν τοῦ Σαμψὼν ζηλώσασα ραθυμίαν,
τὴν δόξαν ἀπεκείρω τῶν ἔργων σου,
ψυχὴ προδοῦσα * τοῖς αλλοφύλοις.
διὰ φιληδονίας,
τὴν σώφρονα ζωὴν * καὶ μακάριον.

Ἑτίχ: Бл҃женн плѣчѣи, ѿκω τίν οὐτѣшатѣ.

БЛАГОВОЮ ПОРЕКОВОУШИ ЛЮБИТИ,
 ГЛАВЪ ВОТРИГЛА СЯ ДУШЕ
 ДЪЛЪ ТВОЮХЪ, ПРЕДЪШИ ННОПЛЕМЕННОУМЪ,
 ЛЮБОВАЮЩЕМЪ
 ЦЕЛОУДОУЩЮ ЖИЗНЬ Н БЛАЖЕННЮ.

Μακάριοι οι πραεῖς, ὅτι αὐτοὶ κληρονομήσουσι τὴν γῆν

Ὁ πρὶν ἐν σιαγόνι * ὄνου νικήσας,
τοὺς αλλοφύλους νύν παρανάλωμα,
τῆς ἐμπαθοῦς λαγνείας ευρέθη.
ἀλλ' ἐκφυγε ψυχὴ μου,
τὴν μίμησιν, τὴν πράξιν, τὴν χαύνωσιν.

Μακάριοι οἱ πεινῶντες καὶ διψῶντες τὴν δικαιοσύνην, ...

Βαράκ καὶ Ἰεφθάε * οἱ στρατιάρχαι,
κριταὶ τοῦ Ἰσραὴλ προεκρίθησαν,
μεθ' ὧν Δεβόρρα * ἡ ἀρρενόφρων.
αὐτῶν ταῖς ἀριστείαις,
ψυχὴ ἀρρενωθεῖσα κρατύνθητι.

Μακάριοι οἱ ἐλεήμονες, ὅτι αὐτοὶ ἐλεηθήσονται

Τὴν Ἰαήλ ἀνδρείαν * ἔγνωσ ψυχὴ μου,
τὴν τὸν Σισάρα πρὶν σκολοπίσασαν,
καὶ σωτηρίαν * ἐργασαμένην.
τὸν πάσσαλον ἀκούεις,
δι' οὗ σοι ὁ Σταυρὸς εἰκονίζεται.

Μακάριοι οἱ καθαροὶ τῇ καρδίᾳ, ὅτι αὐτοὶ τὸν Θεὸν ὁψονται

Θύσον ψυχὴ θυσίαν * ἐπαινουμένην,
πράξιν ὡς θυγατέρα προσάγαγε,
τῆς Ἰεφθάε * καθαρωτέραν,
καὶ σφάζον ὥσπερ θύμα,
τά πάθη τῆς σαρκὸς τῷ Κυρίῳ σου.

Μακάριοι οἱ εἰρηνοποιοί, ὅτι αὐτοὶ Υἱοὶ Θεοῦ κληθήσονται

Τοῦ Γεδεὼν τὸν πόκον * νόει ψυχὴ μου,
ἐξ οὐρανοῦ τὴν δρόσον ὑπόδεξιαι,
καὶ κύψον ὥσπερ * κύων καὶ πίε:
τό νάμα τό ἐκ νόμου,
ρυέν τὴ ἀποθλίψει τοῦ γράμματος.

Μακάριοι οἱ δεδιωγμένοι ἐνεκεν δικαιοσύνης, ...

Ἠλεὶ τοῦ Ἰερέως * τὴν καταδίκην,
ψυχὴ μου ἐπεσπᾶσω δι' ἔνδειαν,
φρενῶν ἀνασχομένη τά πάθη.
ἐν σοὶ ὥσπερ ἐκεῖνος,
τά τέκνα ἐνεργεῖν * τά παράνομα.

Μακάριοι ἐστέ, ὅταν ονειδίσωσιν ὑμᾶς, ...

Ἐν τοῖς κριταῖς Λευϊτῆς * δι' ἐμμελείας,
τὴν εαυτοῦ γυναῖκα ταῖς δώδωκα,
φυλαῖς διεΐλε ψυχὴ μου, ἵνα
τό μίσος θριαμβεύσῃ,
τό ἐκ Βενιαμὶν τό παράνομον.

Χαίρετε καὶ ἀγαλλιᾶσθε, ὅτι ὁ μισθὸς ὑμῶν πολὺς ...

Ἡ φιλοσώφρων Ἄννα * προσευχομένη,
τά χεῖλη μὲν ἐκίνει πρὸς αἶνεσιν,
φωνὴ δὲ ταύτης * οὐκ ἐξηχεῖτο.
ἀλλ' ὁμῶς στεῖρα οὐσα,
Υἱὸν τῆς προσευχῆς τίκτει ἄξιον.

Ἐτίχῃ: Бл҃жєнн крѡтцѣн, ѿкѡ тѣн наслѣдѡтѣ зѣмлю.

Прѣждє чєлѡвѣтѣю ѿслєю побѣдѣннѣи
нѡплємѣнннкѣ, нѣнѣ плѣнѣнїє
лакоєрдѣтѣѡ стрѣлѣномѡ ѡбѣтѣтєѡ:
нѡ нзѣѣгнн дѡшѣ моѡ
подражѣнїѡ, дѣлѣнїѡ н єлѣѡгнн.

Бл҃жєнн ѡчѣшѣн н жѡждѣшѣн прѣдѡ, ѿкѡ тѣн наслѣдѣтѣѡ.

Варѡкѣ н ѡфѣдѡн вѡеначѣлннцѣ,
сдѡнн ѡнѡсѣн прєдпѡчѣтѣн бѣшѡ,
сѣ ннмнжє дєвѡррѡ мѡждѣмнѡ:
тѣѣхѣ дѡблєтѣмн
дѡшѣ вѡдѣжѣшнѣѡ ѡѣрѣпнѣѡ.

Бл҃жєнн мнѡгѡтѣнѣн, ѿкѡ тѣн помнѡѡнн бѣдѣтѣѡ.

Іѡнннѡ хрѣбрѣтѡ познѡлѡ ѣн дѡшѣ моѡ,
сѣлѡ дрєвлє прѡбѡдѡшѡ,
н сѣнѣнѣ сѡдѣлѡшѡ.
дрѣѡмѡ ѡтѣрымѡ, єлѣшншн,
нмнжє тѣѣѣ крѣтѣѡ ѡѡрѡзѣтѣѡ.

Бл҃жєнн чнѣтн єрдѣѣмѡ, ѿкѡ тѣн бѣ ѡѣзѣѡтѣѡ.

Пѡжрѣ дѡшѣ жѣртѣѡ пѡхѡлѣннѡ,
дѣлѣнѣ ѿкѡ ѡѣѣрѣ прннѣнн,
ѡ ѡфѣдѣѣѡ чнѣтѣннѡ:
н зѡколн ѿкѡ жѣртѣѡ,
сѣрѣтн плѡтѣкѡ гѣн тѣѡѡмѡ.

Бл҃жєнн мнѡтѣѡрѣѡ, ѿкѡ тѣн нѡѡѡ бѣнн наѣкѣтѣѡ.

Гѣдєѡѡѡ ѡднѡ помѡшлѡн дѡшѣ моѡ,
сѣ нѣѣѡ рѡѡдѡ пѡднмн,
н прннѣкнн ѿкѡжє пѣѣѡ, н пнѣ :
ѡѡдѡѡ ѡ зѡкѡнѡ
тѣѣѡшѡ, нзгнѣтѣнѣѡмѡ пнѣмѣннѡмѡ.

Бл҃жєнн нзгнѡнн прѣдѡ рѡдн, ѿкѡ тѣѣхѣ ѣѣтѣ ѡѣтѡ нѣѡѡ.

Нлѣн єѣѣнннѡ ѡѡѡжѣнѣ
дѡшѣ моѡ ѡѡпрѡлѡ ѣн, лншѣнѣѡмѡ
ѡѡмѡ прѡѡѡѣтѡнн сѣрѣтн.
сѣѣѣ, ѿкѡжє ѡнѡ
ѡдѡ, дѣлѡтн ѡѡзѡкѡннѡ.

Бл҃жєнн ѣѣтѣ, ѣдѡ пѡнѡѡтѣѡ ѡлѡмѡ, н нзѡѡѡтѣѡ, ...

Вѣ сдѡѡѡхѣ лєνїтѣѡ, нѣѡѡѡѣнѣѡмѡ
ѡѡѡ жѣнѡ, дѡнѡдѣѡтнѡмѡ
ѡлѣнѡмѡ рѡзѡѣлн, дѡшѣ моѡ, дѡ
ѡѡѣрѡѡ ѡѡлнчнѣтѡ
ѡ ѡѡлѡмнѡ ѡѡзѡкѡннѡ.

Рѡдѡѡтѣѡ н ѡѡѡлѣтѣѡ, ѿкѡ мѡдѡ ѡлѡ мнѡѡ нѡ ѡѣѣѡ.

Лѡѡмѡдрѣннѡ ѡннѡ мѡлѡшнѣѡ,
ѡѣтнѣѡ ѡѣѡ дѡнѡѡшѣ ѡ хѡлѣннѡ,
глѡѣѡ жѣ ѣѡ нѣ єлѣшншѣѡ:
нѡ ѡѡѡѣ нѣплѡднѡ сѡшн,
ѡлѡ мѡлнѣѡ рѡждѡѣтѣѡ дѡѡтѡннѡ.

Μνήσθητι ημών, Κύριε, όταν έλθης εν τή Βασιλεία σου

Εν τοίς κριταίς ο Άννης * εκρίθη γόνος,
ο μέγας Σαμουήλ, όν εθρέψατο,
η Αρμαθέμ εν * οίκω Κυρίου,
αυτόν ζήλου ψυχή μου,
καί κρίναι πρός τών άλλων τά έργα σου.

Μνήσθητι ημών, Δέσποτα, όταν έλθης εν τή Βασιλεία σου

Δαυϊδ εις Βασιλέα * εκλελεγμένος,
βασιλικώς εχρίσθη τώ κέρατι,
τού θείου μύρου, * σύ ούν ψυχή μου,
τήν άνω Βασιλείαν
ει θέλεις, μύρω χρίσαι τοίς δάκρυσιν.

Μνήσθητι ημών, Άγιε, όταν έλθης εν τή Βασιλεία σου

Ελέησον τό πλάσμα * σου Ελεήμον,
οίκτειρον τών χειρών σου τό ποίημα,
καί φείσαι πάντων * ημαρτηκότων,
καμού τού υπέρ πάντας,
τοίς σοίς υπεριδόντος προστάγμασι.

Δόξα Πατρί, καί Υιώ, καί αγίω Πνεύματι

Ανάρχω καί γεννήσει * τε καί προόδω,
Πατέρα προσκυνώ τόν γεννήσαντα,
Υιόν δοξάζω * τόν γεννηθέντα.
υμνώ τό συνεκλάμπον
Πατρί τε, καί Υιώ, Πνεύμα Άγιον.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Τόν υπερ φύσιν Τόκον * σου προσκυνούμεν,
τήν κατά φύσιν δόξαν τού βρέφους σου,
μή διαιρούντες * Θεογεννήτορ,
ο είς γάρ τώ προσώπω,
διττός ομολογείται ταίς φύσεσιν.

Помаи́и на́изъ гдѣ, ѣгда прѣидеши во црѣтъи твоѣмъ.

Въ ѡдѣахъ ирмѣтѣа ѡннино порождѣнїе,
вєлїкѣи сѧмѡнѧ, ѣгѡже вѡспитѧла
ѧрма дѣма въ домѣ гдѣни:
томѣ поревнѣѡ ѡшѣ моѡ,
и ѡдѡ прѣждѣ ииѣхъ дѣла твоѡ.

Помаи́и на́изъ вѣко, ѣгда прѣидеши во црѣтъи твоѣмъ.

Дѣдъ на царствѣ ѡзєрѧнъ,
царєи помѡзѧа рѡгомъ
ѡжѣтвєннагѡ мѣра: ты ѡѣво ѡшѣ моѡ,
ѡце хѡщєши вѡшнѡгѡ
црѣтѣа, мѣромъ помѡжєиѧ єлєзѧмн.

Помаи́и на́изъ єтъїѡ, ѣгда прѣидеши во црѣтъи твоѣмъ.

Поми́аѡ ѡздѧнїѣ твоѣ мѣлѡстнѣ,
ѡцѣи рѡкъ твоѣю творѣнїѣ:
и помѡди вѣа ѡгрѣшнѣшѡа,
и мєнѣ пѧче вѣѣхъ,
твоѡхъ прєзрѣшѡго повєлѣнїѡ.

Слѧва, тѣчєнъ:

Вєзначѧльнѣ, и рѡждѣнїю же и прѡнєхѡждѣнїю,
ѡцѣ поклѧнѧѡа рѡждшємѣ,
ѣна єлѧвїю рѡждѣннаго.
поѡ ѡпрѡїѧвѡшаго
ѡцѣ же и єѡѣ, дѣѧ єтѧго.

Бѣгѡроднєнъ:

Прєєтѣтвєннѡмѣ рѣтѣѣ твоємѣ поклѧнѧѡѧ,
по ѣтѣтѣѣ єлѧвѣ мѧдѣнѣѧ твоєгѡ
нє рѧзѧѣлѡѡѧє бѣгѡроднѣтѣлннѣ:
иже во єдїнѣ лнцѣмъ,
ѡгѡбѣмн ииѡвѣдѣѣѧ ѣтѣтѣѣѧ.

Ἡμάρτομεν :
 ηνομήσαμεν * 4+5
 ηδικήσαμεν ενώπιόν σου. // 10

οὐδέ :: συνετηρήσαμεν : 8
οὐδέ :: εποιήσαμεν * 7
 καθώς ενετείλω ἡμίν. // 8

Ἀλλά μή :: παραδώης ::
 ἡμᾶς εἰς τέλος * 3+4+5
 ο τῶν Πατέρων Θεός. // 7

stredná časť je v tropároch pôvodne delená 8+7+8, ale postupne to prechádza na 10+5+8

Ἡμάρτομεν : ηνομήσαμεν
 ηδικήσαμεν ενώπιόν σου.
οὐδέ συνετηρήσαμεν, **οὐδέ** εποιήσαμεν *
 καθώς ενετείλω ἡμίν.
Ἀλλά μή :: παραδώης :: ἡμᾶς εἰς τέλος *
 ο τῶν Πατέρων Θεός. (Δίς)
 Ἡμάρτηκα, ἐπλημμέλησα,
 καὶ ἠθέτησα τὴν ἐντολήν σου.
ὅτι ἐν ἀμαρτίαις προήχθην, καὶ προσέθηκα *
 τοῖς μάλωσι τραῦμα ἐμοί.
ἀλλ' αὐτός με ἐλέησον ὡς εὐσπλαγχνος,
 ο τῶν Πατέρων Θεός.

Τά κρύφια τῆς καρδίας μου,
 ἐξηγόρευσά σοι τῷ Κριτῇ μου.
ἴδε μου τὴν ταπείνωσιν, **ἴδε** καὶ τὴν θλίψίν μου,
 καὶ πρόσχες τῇ κρίσει μου νύν.
καὶ αὐτός με ἐλέησον ὡς εὐσπλαγχνος
 ο τῶν Πατέρων Θεός.

Σαούλ ποτέ, ὡς ἀπώλεσε,
 τοῦ πατρός αὐτοῦ ψυχὴ τὰς ὄνους.
 πάρεργον τὸ βασιλεῖον εὔρε, πρὸς ἀνάρρησιν,
 ἀλλ' ὅρα μή λάθης σαυτήν.
 τὰς κτηνώδεις ὀρέξεις σου, προκρίνουσα
 τῆς βασιλείας Χριστοῦ.

Δαυὶδ ποτέ, ο πατρόθεος,
 εἰ καὶ ἡμαρτε διττῶς ψυχὴ μου.
 βέλει μὲν τοξευθεὶς τῆς μοιχείας, τῷ δέ δόρατι
 αλοῦς τῆς τοῦ φόνου ποιήσης.
 ἀλλ' αὕτη τὰ βαρύτερα τῶν ἔργων νοσεῖς,
 ταῖς κατὰ γνώμην ὁρμαῖς.

Συνήψε **μέν**, ο Δαυὶδ ποτέ,
 ἀνομήματι τὴν ἀνομίαν.
 φόνῳ **γάρ** τὴν μοιχείαν ἐκίρνα, τὴν μετάνοιαν
 εὐθύς παραδείξας διπλήν.
ἀλλ' αὕτη πονηρότερα εἰργάσω, ψυχὴ,
 μή μεταγνούσα Θεῷ.

Согрѣшихомъ беззаконноблхомъ
непрѣдобохомъ прѣдъ тобѣю.
ниже соблидохомъ, **ниже** сотворихомъ,
ѣкоже заповѣдамъ **ѣси** намъ:
но не прѣдѣждь намъ до конца,
ѡтцѣвъ бже.
Согрѣшихъ, беззаконноблхъ,
и ѡвергохъ заповѣдь твою.
ѣко во грѣсѣхъ прозвѣдохѣхъ и преложихъ
ѣзвѣмъ стрѣпы **сече**:
но еѣмъ мѧ помилѣи, **ѣко** блгоудрѡбенъ,
ѡтцѣвъ бже.

Та́йнаа ѣраца моєгѡ
и поведѣхъ тебѣ **ѡдѣи** моємѡ.
вѣждь моѣ смѣненіе, **вѣждь** и ікорѣь моѡ,
и воимѣ **ѡдѣ** моємѡ **нынѣ**.
и еѣмъ мѧ помилѣи, **ѣко** блгоудрѡбенъ,
ѡтцѣвъ бже.

Сѡдѣ ииога **ѣко** погдѣ
ѡтца ебогѡ **ѡдѣ** ѡбѣтѣ.
внѣзѣдъ црѣтво ѡбѣтѣ кз проєлѣтѣю:
но блѡдѣ, не забывѣи **сече**.
ѣкѡ тѣиѣ **пѡхѡ** тѣи **твоѡ** прозвѡблѣши
пѣче црѣтѣ **хрѣтѡ**.

Дѣдъ ииога **бгѡ** ѡтѣцъ,
ѡце и **согрѣ**ши **ѡдѣ** моѡ.
стрѣлою ѡгѣво **ѡг** стрѣлѣнъ **бѣ** въз **пре**любѡдѣнствѣ, **копѣ**мъ **же**
плѣнѣнъ **бѣ** въз **ѡг** ѣнствѣ **то**мленіемъ:
но тѣи **ѣ**мѧ **тѣ**жѣишми **дѣ**лы **не**дѡдѣши,
ѣмохѡтѣишми **стрѣ**мленіемъ.

Сѡбѡкѡпѣи **ѡг**ѣво **дѣ**дъ ииога
беззакѡнїю **беззакѡнїе**:
ѡгѣнствѣ **же** **любѡдѣнство** **рас**творѣнъ, **по**калѣи
ѡдѣ **по**казѣ **ѡ**бѣ:
но **ѣ**мѧ **тѣ** **ѡ**блѣнѣишми **ѡдѣ** **ѡ**блѣлѣи **ѣ**си,
не **по**калѣишми **бгѡ**.

Δαυῖδ ποτέ ανεστήλωσε,
συγγραψάμενος ως εν εικόνι.
ύμνον, δι' ού τήν πράξιν ελέγχει, ἤν ειργάσατο,
κραυγάζων. Ελέησόν με.
σοί γάρ μόνω ἐξήμαρτον, τώ πάντων Θεώ,
αυτός καθάρισόν με.

Η Κιβωτός, ως εφέρετο,
επιδίφριος ο Ζάν εκείνος.
ότε ανατραπέντος τού μόσχου, μόνον ἦψατο,
Θεού επειράθη οργής.
αλλ' αυτού τήν αυθάδειαν, φυγούσα ψυχή,
σέβου τά θεία καλώς.

Ακήκοας, τού Αβεσσαλώμ,
πώς τής φύσεως αντεξανέστη.
έγνωσ τάς εναγείς αυτού πράξεις, αἷς ἐξύβρισε,
τήν κοίτην Δαυῖδ τού πατρός.
αλλ' αυτή μιμήσω, τάς αυτού εμπαθείς,
καί φιληδόνους ορμάς.

Υπέταξας, τό αδούλωτον,
σού ἀξίωμα τώ σώματί σου.
άλλον γάρ Αχιτόφελ ευρούσα τόν εχθρόν σύ ψυχή,
συνήλθες ταῖς τούτου βουλαῖς.
Αλλ' αυτάς διεσκεδάσεν, αυτός ο Χριστός,
ίνα σύ πάντων σωθῇς.

Ο Σολομών, ο θαυμάσιος,
ο καί χάριτος σοφίας πλήρης.
οὔτος τό πονηρόν εναντίον, τού Θεού ποτέ,
ποιήσας απέστη αυτού.
ώ αυτή τόν επάρατόν σου βίον,
ψυχή προσαφωμοίωσας.

Ταῖς ἡδοναῖς, ἐξελκόμενος,
τών παθών αυτού κατερρυπούτο,
οἱμοι! ο εραστής τής σοφίας, εραστής πορνών
γυναικών, καί ξένος Θεού.
όν αυτή μιμήσω, κατά νούν ώ ψυχή,
ἡδυπαθείαις αισχραῖς.

Τόν Ροβοάμ, παρεζήλωσας,
αλογήσαντα βουλὴν πατρώαν.
άμα **δέ** καί τόν κάκιστον δούλον, Ἱεροβοάμ,
τόν πρίν αποστάτην ψυχή.
Αλλά φεύγε τήν μίμησιν, καί κράζε Θεώ.
Ἥμαρτον οἰκτειρόν με.

Τόν Αχαάβ παρεζήλωσας,
τοῖς μιάσμασι ψυχή μου, οἱμοι!
γέγονας σαρκικῶν μολυσμάτων, καταγώγιον
καί σκευός αισχρόν τών παθών.
Αλλ' εκ βάθους σου στέναξον, καί λέγε /Θεώ,
τάς αμαρτίας σου.

ДѢДЪ ННОГДА БОУЕРАЗНѢ,
ИПИСАЕЗЪ ЯКЪ НА ИКОНѢ:
ПѢСНЬ, ЖЮЖЕ ДѢЛНІЕ УБЛНЧІЕТЪ, ЖЖЕ СОДѢА,
ЗОВЫН: ПОМНІАДН МЛ.
ТЕБѢ БО ЕДННОМЪ СОГРѢШНХЪ ВРѢХЪ БГЪ,
ІАМЪ УЧНІЕТИ МЛ.

КІВѢТЪ ЯКЪ НОШІШЕА
НА КОЛЕНИЦѢ, ЗАНЪ ОНЫН:
ЕГДА ПРЕВРАЩІШЕА ТЕЛЦЪ, ТОЧІЮ КОИДІА,
БЖІНМЪ ИКДІІЕА ГНѢВОМЪ:
НО ТОГѢ ДЕРЗНОВЕНІА ОУБѢЖАВШН ДШЕ,
ПОЧНТАН БЖЕТЕВЕННА ЧЕСТИНѢ.

СЛЫШАЛА ЕСТЬ АВЕСАЛѢА,
КАКЪ НА ЕРТЕВТО КОУТІ;
ПОЗНАЛА ЕСТЬ ТОГѢ ИКЕВЕНАА ДѢЛНІА, НМНЖЕ УСКВЕРНІ
ЛОЖЕ ДѢА ОУТА:
НО ТЫ ПОДРАЖАЛА ЕСТЬ ТОГѢ СТРАСТНАА
Н ЛУБОМІАСТНАА СТРЕМІЕНІА.

ПОКОРНА ЕСТЬ НЕРАБОТНОЕ
ТВОЕ ДОУТОНИТЕВО ТѢЛѢ ТВОЕМЪ:
ННОГО БО АХИТОФЕЛА УБРЕТШН ВРАГѢ, ДШЕ,
ИННЗШАА ЕСТЬ ЕГѢ СОБѢТѢМЪ:
НО ЕА РАЗВІПА ІАМЪ ХРІТОЗ,
ДА ТЫ ВІАКЪ ЕПІЕШНЕА.

СОЛОМѢНЪ ЧДНЫН,
Н ЕЛГОДІТН ПРЕМДРОУТН НПОЛНЕННЫН.
ЕЕН ЛКАБѢЕ ННОГДА ПРЕД БГОМЪ
СОУВОРНѢЗ, УСТДПН У НЕГѢ:
ЕМЖЕ ТЫ ПРОКЛАТЫМЪ ТВОИМЪ ЖИТІЕМЪ,
ДШЕ ОУПОДОБНАЕА ЕСТЬ.

СЛАСТЪМН ВЛЕКОМЪ
СТРАСТЕН СВОИХЪ УСКВЕРНАШЕА.
ОУБІ МНѢ, РАЧІТЕЛЪ ПРЕМДРОУТН, РАЧІТЕЛЪ БЛДНЫХЪ
ЖЕНЪ, Н СТРАНЕНЪ У БГА:
ЕГОЖЕ ТЫ ПОДРАЖАЛА ЕСТЬ ОУМОМЪ ѿ ДШЕ,
СЛАДОУТРАСТЪМН ИКВЕРНЫМН.

РОКОАМЪ ПОРЕВНОВАЛА ЕСТЬ
НЕ ПОСЛЫШАВШЕМЪ СОБѢТА ѿА.
КДПНЪ ЖЕ Н СЛѢНШЕМЪ РАБѢ ІЕРОКОАМЪ,
ПРЕЖНЕМЪ УСТДПННІКЪ ДШЕ:
НО БѢГАН ПОДРАЖАНІА, Н ЗОВН БГЪ:
СОГРѢШНХЪ, ОУЧМѢДН МЛ.

АХАБѢВЫМЪ ПОРЕВНОВАЛА ЕСТЬ
ИКВЕРНАМЪ, ДШЕ МОА, ОУБІ МНѢ!
БЫЛА ЕСТЬ ПЛОТІКНХЪ ИКВЕРНЪ ПРЕБЫВАНЦЕ,
Н СОДЪЗ ІАМЛЕНЪ СТРАСТЕН:
НО НЗ ГЛДЕННЫ ТВОЕА ВОЗДОХНН, Н ГЛАГОЛН БГЪ
ГРѢХН ТВОА.

Попали и́ли иногда
двѣи пѣтѣдѣи ѿ ѿзбѣиныхъ,
ѿгда стѣдѣи прорѣи погѣи,
ко ѿбѣиѣи ѿ ѿбѣи:
но бѣи подѣиѣи дѣи
дѣи, и ѿ ѿбѣиѣи.

Εκλείσθη σοι, οὐρανός ψυχῇ,
καὶ λιμός Θεοῦ κατέλαβέ σε.
ὅτε τοῖς Ἡλιοῦ τοῦ θεσβίστου, ὡς ὁ Ἀχάβ,
ἠπειθήσας λόγοις ποτέ.
Ἀλλὰ τῇ Σαραφθία ὁμοιώθητι,
θρέψον Προφήτου ψυχὴν.

Τού Μανασσή, επεσώρευσας,
τά εγκλήματα τή προαιρέσει.
στήσασα ως βδελύγματα πάθη, καί πληθύνουσα
ψυχή, **προσωχίσματα**. (cf. 4Krař 23,24)
Αλλ' αυτού τήν μετάνοιαν, ζηλούσα /θερμώς,
κτήσαι κατάνυξιν.

Προσπίπτω σοι, καί προσάγω σοι,
ὥσπερ δάκρυα τὰ ρήματά μου.
ἡμαρτον, ὡς οὐχ ἡμαρτε Πόρνη, καί ἠνόμησα,
ὡς ἄλλος οὐδεὶς ἐπὶ γῆς.
Ἀλλ' οἰκτεῖρησον Δέσποτα τό ποίημά σου,
καί ἀνακάλεσαι με.

Κατέχρωσα, τήν εικόνα σου,
καί παρεφθείρα τήν εντολήν σου.
ὅλον ἀπημαυρώθη τό κάλλος, καί τοίς πάθεσιν
εσβέσθη Σωτήρ ἡ λαμπάς.
αλλ' οἰκτείρας ἀπόδος μοι, ὡς ψάλλει / Δαυῖδ
τήν ἀγαλλίασιν.

Επίστρεψον, μετανόησον,
ανακάλυψον τὰ κεκρυμμένα.
λέγε Θεώ τῷ τὰ πάντα εἰδοτῷ. Σύ γινώσκεις
μου τὰ κρύφια μόνε Σωτήρ,
καί αὐτός με ἐλέησον, ὡς ψάλλει / Δαυὶδ,
κατὰ τὸ ἐλέός σου.

Εξέλιπον, αι ημέραι μου,
 ως ενύπνιον εγειρομένου.
ὁθεν ως Εξεκίας δακρύω, ἐπὶ κλίνης μου
 προσθῆναι μοι χρόνους ζωῆς.
Ἀλλὰ τίς Ἡσαΐας, παραστήσεται μοι ψυχῇ,
 εἰ μή ὁ πάντων Θεός;

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών

Βοήσασα, πρὸς τὴν ἀχραντον,
 Θεομήτορα πρὶν ἀπεκρούσω.
 λύσαν παθὼν βιαίων οχλούντων, καὶ κατήσχυνας,
 ἐχθρόν τόν περνίσαντα.
Ἀλλὰ δός νύν βοήθειαν ἐκ θλίψεως,
 καμοὶ τῷ δούλῳ σου.

Заклучи́ла тебѣ́ нѣо́ дѹшѣ,
и́ гла́зѣ бѣ́жѣи́ по́стѣжѣ тѣ́:
ѣ́гда́ и́ли́и́ дѣ́вѣ́тъ а́нни́а ѣ́коже́ а́хлѣ́зъ,
не́ по́кори́ла́ сло́вѣ́ѣмъ ѣ́ногдѣ́:
но́ е́ра́фа́ѣи́ о́уподо́бѣ́ла,
на́пѣтѣ́и́ прѣ́о́чѣ́ дѹшѣ́.

Манасіе́ва збѣра́ла є́ѣ
 зогрѣ́шєніѧ́ нъ́зволѣ́емъ.
 по́ста́вльши́ ѧ́къ мѣ́рзѡти́ стра́сти, ѧ́ о́умно́жнєши́
 дѡ́шє́ негодо́ваніє:
 но́ тогѡ́́ по́ка́анію́ ре́внѡ́ущи́ тѣ́плѣ́,
 ста́жє́ о́умнлє́ніє.

Припадаю ти, и приношу тебе,
 Якоже слезы гробов моа:
 согрѣшихъ, яко не согрѣши блдница, и беззаконновахъ,
 яко ный никтоже на землѣ:
 но оущедри блго, твореніе твоё,
 и воззови ма.

Погрѣбѹхъ ѿбразъ твоѣхъ,
 и разлучихъ заповѣдь твою.
 всѣхъ помрачилъ добротѣхъ, и стразѣхъ мнѣ
 ѹгрозѣхъ, снѣхъ, вѣщцѣхъ:
 но ѹщѣдѣхъ возмѣждъ мнѣ ѿкоже поѣхъ дѣдъ,
 радѣхъ.

ВЕРНУ́СЯ, ПОКА́ЮСЯ,
 ѠКРЫ́Й СКО́РБЕЮ́ЮЮЩА.
 ГЛАГО́ЛЪ БѢ́ЛЪ ВѢ́ДУЩЕМОУ: ТЫ ВѢ́СИ
 МОЮ́ ТѢ́ЛЮЮЩА, СЪ́ННЕ СЪ́СЕ:
 НО СЪ́МЪ МЯ́ ПОМЫ́СЛИ, Ꙗ́КОЖЕ РО́ЕТЕЪ ДѢ́ДЪ
 ПО МЛѢ́ТН ТВО́ЕЮ.

НЧЕЗÓША ДНІЕ МОЇ,
ЇАКЪ БÓНІЕ ВОТРАЇЦАГЪ:
ТЧМЖЕ ЇАКЪ ЁЗЕКІА МЛЕЗЬО НА ЛÓЖИ МОЁМЪ,
ПРЛОЖИТЕЛЪ МНЧЕ ЛЧТЪМЪ ЖИВОТЪ.
НО КІЙ НЕЛІА ПРЕДТАНЕТЪ ЧЕБЧЕ ДШЕ,
ЇЩЕ НЕ ВСТЪХЪ БГЪ;

Марін:

Возопѣвшѣ къ пречѣстѣи
 бѣгомѣри, перѣче ѡринѣла єи
 неистовство страстѣи нѣжно стѣжающеи, ѣ пограмѣла єи
 врага запѣнаго:
 но даждь нынѣ поможѣ ѡ корѣи,
 ѣ мнѣ рабѣ твоемѣ.

Οσία τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν

Ὦν ἐστερξας, ὄν ἐπόθησας,
δι' ὄν ἐτηξας σάρκας Οσία.
αἰτήσαι νύν Χριστόν υπέρ δούλων, ὅπως ἰλεῶς
γενόμενος πάσιν ἡμῖν.
εἰρηναίαν κατάστασιν βραβεύσεις,
τοῖς σεβομένοις αὐτόν.

Ἄγιε τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ημῶν

Τῆς πίστεως ἐν τῇ πέτρα με,
ταῖς πρεσβείαις σου στήριζον Πάτερ.
φόβω με τῷ ἐνθέῳ τειχίζων, καί μετάνοιαν,
Ἀνδρέα παράσχου μοι (νύν).
δυσωπῶ σε καί ρύσαι με, παγίδος ἐχθρῶν,
τῶν ἐκζητούντων με.

Δόξα...

Τριάς ἀπλή, ἀδιαίρετε,
Ὁμοούσιε Μονάς ἀγία.
φῶτα καί φῶς καί ἀγία τρία, καί ἐν ἁγίον
υμνεῖται Θεός ἡ Τριάς.
ἀλλ' ἀνύμνησον, δόξασον ζωὴν καί ζωάς,
ψυχὴ τὸν πάντων Θεόν.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Υμνούμέν σε, εὐλογούμεν σε,
προσκυνούμεν σε Θεογεννήτορ.
ὅτι τῆς ἀχωρίστου Τριάδος, ἀπεκύησας
τόν ἕνα Υἱόν καί Θεόν.
καί αὐτὴ προηνώξας ἡμῖν, τοῖς ἐν /γῇ
τά ἐπουράνια.

Μαρίν:

ἘΓΌЖЕ ВОЗЛЮБИЛА ЁИ, ЁГОЖЕ ВОЗЖЕЛѢЛА ЁИ,
ЁГЎЖЕ РАДН ПЛОТѢ ИЗНДРѢЛА ЁИ ПРПѢЛА:
МОЛН НЫНѢ ХРѢТѢ Ѡ РАБѢХЪ: ЇАКѢ ДА МЛѢТНЕЗ
БЫВЪЗ БРѢМЪ НАМЪ:
МНѢНОЕ ІОСИѢНІЕ ДА РѢЧЕТЪ
ПОЧНТАЮЩЫМЪ ЁГО.

Ἄνδρέι:

На КАМЕНН МЛ БѢРЫ
МЛѢТВАМИ ТВОИМИ ѠУТВЕРДН ѠТЧЕ.
СТРАХОМЪ МЛ БЖЕСТВЕННЫМЪ ѠГРАЖДЛА, И ПОКАНИЕ
АНДРЕЕ, ПОДАЖДА МН, *?*.
МОЛИЛА ТН: И ИЗБАВИ МЛ Ѡ РЕЧТИ БРАГѢВЪЗ
ИЩЩИХЪ МЛ.

Σάββα, τῷ ἵεν:

ТѢЦЕ ПРОЧТА, НЕРАЗДѢЛЬНАА,
ЁДИНОУЩНАА, И ЁИТЕТЕВѢ ѰДНО.
БѢЧТОВЕ, И БѢЧЕТЪ, И ЕТА ТРН, И аДНО ЕТО
ПОЕЧТА БГЪ ТРЦА:
НО ВОСПОИ, ПРОСЛАВИ, ЖНЕВѢТЪ И ЖНЕВѢТЫ,
ДѢШЕ, БРѢХЪ БГА.

Βῆγορόδιγεν:

ПоѢМЪ ТЛ, БЛГОСЛОВИМЪ ТЛ,
ПОКЛАНЯЕМИА ТН БГОРОДИТЕЛЬНИЦЕ.
ЇАКѢ НЕРАЗДѢЛЬНЫА ТРЦЫ ПОРОДИЛА ЁИ
ЁДИНАГО ХРѢТѢ БГА.
И САМА ѠБЕРЗЛА ЁИ НАМЪ ИЩЩЫМЪ НА ЗЕМЛН
НБНАА.

Τόν <u>ἀναρχον</u> *	Βασιλέα	τῆς δόξης, *	4+7
ὃν <u>ῥρίττουσι</u> *	στρατιαῖ	τῶν Ἀγγέλων, :: G2	4+7
	(var. ουρανῶν αἱ δυνάμεις)		
ὕμνεῖτε ἱερεῖς,*	λαός υπερνῦν	τε, *	6+7
	εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας.//	G3	7

БЕЗНАЧАЛЬНАГО
 ѢГѠЖЕ ТРЕПѠЩѠТЪ
 ПОЊТЕ ЦѠЕННИЦЫ,
 ЦРѠА СЛАВЫ,
 НЕНЫА СНАЫ:
 ЛѠДІЕ ПРЕВОЗНОСИТЕ
 ВО БСА БѠКН.

Ὡς ἄνθρακες τοῦ πυρός τοῦ αἵλου,
συμφλέξατε τὰ υλῶδη μου πάθη.
ἀνάπτοντές μοι νύν, τὸν ἔρωτα τῆς θείας,
 Ἀπόστολοι ἀγάπης.

ИѦКѦ ОУГЛІЕ НЕВЕЩЕРТВЕННАГО ОУГНА,
 ПОПАЛНІТЕ ВЕЩЕРТВЕННЫѦ СТРАСТИ МОѦ,
 ВОЗЖИЗНЮЩЕ НЫНѢ ВО МНѢ ЖЕЛАНІЕ БЖЕРТВЕННЫѦ
 ЛЮБВѢ, АПН.

Τάς σάλπιγγας	τάς ευνήχους τού Λόγου,
τιμήσωμεν,	δι' ὧν πέπτωκε τείχι,
ανίδρυτα εχθρού,	καί τῆς θεογνωσίας,
	εδράσθησαν ἐπάλξεις.

ТрѢБЫ БѢГОГЛІНЫЯ СЛОВА
ПОЧТІМЪ, НМНЖЕ ПАДОША СТѢНЫ
НЕДТВЕРЖЕНЫ БРЛЖІА, Н БГОРАЗДІА
ОУТВЕРДИШАСЯ ЗАБРАЛА.
(cimburie, vrchná část hradiab)

Ἰνδάλματα ἐμπαθὴ τῆς ψυχῆς μου,
 συντρίψατε οἱ ναοὺς τε καὶ στήλας,
 συντρίψαντες ἐχθροῦ, Ἀπόστολοι Κυρίου,
 ναοὶ ἡγιασμένοι.

Къмѣры стѣснѣныа дѣшнѣ моеа
 сокрѣшнѣте, ѿже хрѣмы ѿ столпы
 сокрѣшнѣте вѣрѣга, ѿплѣнѣ гдѣнн,
 хрѣмове ѿсѣнѣннн.

Εχώρησας τόν ἀχώρητον φύσει,
εβάστασας τόν βαστάζοντα πάντα,
εθίγλασας Ἀγνή, τόν τρέφοντα τήν Κτίσιν,
Χριστόν τόν ζωοδότην.

КѦМѢСТНѦА ѢНѢ
 НОСНѦА ѢНѢ
 ДОНѦА ѢНѢ ЧѢТАА,
 НЕКѢМѢСТНѦМАГО ѢСТЕРѢГѢОМЪ:
 НОСѦЩАГО ВѢДѢ:
 ПИТѦЮЩАГО ТѢА́РЬ,
 ХѢТѦ ЖИЗНОДѦВЦА.

И́ный тропѣе́нецъ. Ирмо́съ то́йже.

Τοῦ Πνεύματος τῇ ἀρχιτεκτονίᾳ,
 δειμάμενοι πᾶσαν τὴν Ἐκκλησίαν,
 Ἀπόστολοι Χριστοῦ, ἐν ταύτῃ εὐλογεῖτε,
 Χριστὸν εἰς τοὺς αἰῶνας.

ДѢЛѦ
СОЗДАВШЕ
А ПЛН ХРІТОВЫ,
НАЧАЛОХЪ И ТВОРИТЕМЪ
ВСЮ ЦРКОВЬ
ВЪ НЕЙ БЛАГОСЛОВИТЕ
ХРІТА ВО ВѣКН.

Σαλπίσαντες σάλπιγξι τῶν δογμάτων,
κατέστρεψαν οἱ Απόστολοι πάσαν,
πλάνην ειδωλικήν, Χριστὸν υπερυψούντες,
εἰς πάντας τοὺς αἰῶνας.

КОТРОУ БЕНЕШЕ ТРОБОУ ОУЧЕНІЙ,
НИЗЕРГОША АПЛН БСЮ
ЛЕСЧЪ ІДВЛЫКШЮ, ХРТА ПРЕВОЗНОСАЩЕ
ВО БЛА БТКН.

Απόστολοι η καλή μετοικία,
οι έφοροι Κόσμου, καί τών Ουρανών
πολίται, τούς υμάς αεί ανευφημούντας,
 λυτρώσατε κινδύνων.

ѲѲПН, ДОБРОЕ ПРЕСЕЛѢНІЕ,
 НАЗІРѢТЕЛІЕ МІРА, И НБНІН
 ЖНТЕІЕ, БѢСХ ПРНЕНХ ВОСХВАЛѢЮЩЫА,
 ИЗБѢВНТЕ ѿ БѢДЪ.

(metoikia - zákonné právo na pobyt bez plného občianstva)

Δόξα...

Τρισήλιε παμφαῆς θεαρχία,
ομόδοξε καὶ ομόθρονε φύσις,
Πατὴρ ὁ παντουργός, Υἱέ καὶ θεῖον Πνεῦμα,
ὕμνώ σε εἰς αἰῶνας.

Трѣнз:

ТРИСОЛНЧНОЕ
ЕДИНОВАЛБНОЕ
ОЧЕ ВСЕДѢТЕЛЮ,
ВСЕСВѢТЛОЕ БОГОНАЧАЛІЕ,
И ЕДИНОВѢТОЛНОЕ БЖЕСТВСТВО,
СНЕ, И БЖЕСТВЕННЫЙ ДШЕ,
ПОУ ТѢ БО БЖКН.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Ὡς ἐντίμον καὶ υπέρτατον θρόνον,
υμνήσωμεν τοῦ Θεοῦ τὴν Μητέρα,
ἀπαύστως οἱ λαοί, τὴν μόνην μετὰ τόκον,
Μητέρα καὶ Παρθένον.

БҢОРҢДНЧЕНЗ:

И́же ѿтныи и прѣвышшии прѣто́лѣ,
 вои́пои́мъ бѣ́гоу мѣ́рѣ
 непрестѣ́ннѣ, лю́діе, е́динѣ по рѣ́штѣ
 мѣ́рѣ и́ дѣѣ.

Ωδή η'

Ὁν Στρατιαί : ουρανών δοξάζουσι :: 4+7
καί φρίττει τὰ Χερουβίμ* καί τὰ Σεραφίμ. // 7+5
πάσα πνοή καί κτίσις : υμνεῖτε, εὐλογεῖτε, / 7+7
καί υπερυψοῦτε :: εἰς πάντας τοὺς αἰώνας.// 6+7

Ὁν Στρατιαί ουρανών δοξάζουσι
καί φρίττει τὰ Χερουβίμ καί τὰ Σεραφίμ.
πάσα πνοή καί κτίσις υμνεῖτε εὐλογεῖτε,
καί υπερυψοῦτε εἰς πάντας τοὺς αἰώνας. (Δίς)

Ημαρτηκότα, Σωτὴρ ἐλέησον,
διέγειρόν μου τὸν νοῦν, πρὸς ἐπιστροφὴν.
δέξαι μετανοοῦντα, οἰκτεῖρησον βοῶντα,
Ημαρτόν σοι, σῶσον, ἡνόμησα, ἐλέησόν με.

Ὁ διφρηλάτης, Ἡλίας, ἄρματι,
ταῖς ἀρεταῖς ἐπιβάς, ὡς εἰς οὐρανόν.
ἤγετο υπεράνω, ποτέ τὼν ἐπιγείων,
τούτου οὖν ψυχὴ μου, τὴν ἀνοδὸν ἀναλογίζου.

Τοῦ Ἰορδάνου, τό ρεῖθρον πρότερον,
τὴ μηλωτὴ Ἡλιοῦ, δι' Ἐλισσαιέ.
έστη ἔνθα καὶ ἔνθα, αὐτὴ δέ ὦ ψυχὴ μου,
ταύτης οὐ μετέσχες, τῆς χάριτος δι' ἀκρασίαν.

Ὁ Ἐλισσαιός, ποτέ δεξάμενος,
τὴν μηλωτὴν Ἡλιοῦ, ἔλαβε διπλὴν.
χάριν παρὰ Κυρίου, αὐτὴ δε ὦ ψυχὴ μου,
ταύτης οὐ μετέσχες, τῆς χάριτος δι' ἀκρασίαν.

Ἡ Σωμανίτις, ποτέ τὸν δίκαιον,
ἐξένισεν ὦ ψυχὴ, γνῶμη ἀγαθὴ.
σύ δέ οὐκ εἰσώκισω, οὐ ξένον, οὐχ οδίτην,
ὅθεν τοῦ νυμφώνος, ριφήση ἐξω θρηνωδοῦσα.

Τοῦ Γιεζή, ἐμιμήσω τάλαινα,
τὴν γνῶμην τὴν ρυπαράν, πάντοτε ψυχὴ,
οὐ τὴν φιλαργυρίαν, ἀπώθου κἀν ἐν γήρει,
φεύγε τῆς γεέννης, τό πύρ ἐκστάσα τὼν κακῶν σου.

Σὺ τὸν Οζίαν, ψυχὴ ζηλώσασα,
τὴν τούτου λέπραν ἐν σοί, ἔσχες ἐν διπλώ.
ἀτοπα γάρ λογίζη, παράνομα δέ πράττεις,
ἄφες ἅ κατέχεις, καὶ πρόσδραμε τὴ μετανοία.

Τοὺς Νινευῖτας, ψυχὴ ἀκήκοας,
μετανοοῦντας Θεῷ, σάκκω καὶ σποδῷ.
τούτους οὐκ ἐμιμήσω, ἀλλ' ὠφθης σκαιότερα,
πάντων τὼν πρό νόμου, καὶ μετὰ νόμον ἐπταικότων.

Τὸν ἐν τῷ λάκκῳ, βορβόρου ἤκουσας,
Ἰερεμίαν ψυχὴ, πόλιν τὴν Σιών,
θρήνοις καταβοῶντα, καὶ δάκρυα ζητοῦντα,
μίμησαι τὸν τούτου, θρηνώδη βίον καὶ σωθήσῃ.

Ὁ γόγγε βῶννητβα ἡἡἡα λάλβαττ,
ἡ τρεπέμδττ χερδβίμн ἡ σεραφίμн,
βλάκο διχάνіе ἡ τβάρь, πόһте, б́лгоелові́те,
ἡ превозносі́те во вѣл вѣкн.

Согрѣшнѣша е́пее помнѣлѣ,
воздв́гнн мѡ́н о́ѣмз ко ѡ́ерацнѣнію,
пр́нмнѣ ма́ ка́ѡцагоца, о́ѣцнѣрн воп́ѡца:
согрѣшнѣхз тн, е́пее, беззакѡ́ннахз, помнѣлѣ ма́.

Колесн́чннкз ἡлѣ, колесн́чнцо
доеродѣтеле́н вшѣдз, ѣ́ккѡ на нѣ́л,
ношл́шнца прев́шнє ἡногдл ѡ́ земн́хз:
егѡ́ о́ѣѡ дѡ́шє мо́л, воєхѡ́дз помышл́н.

Іорд́ноѡа е́трдл пѣрѣѣ,
млнѡт́ю ἡл́ннѡю э́лїсѣ́емз,
έтл έддѣ ἡ έддѣ: тѣ́ же ѡ́ дѡ́шє мо́л,
έл не прнчлєт́лнлєа э́н б́лгод́тн за неѡздерж́аніе.

Э́лїсѣ́́ ἡногдл пр́емз
млнѡтѣ́ ἡл́ннѣ, пр́лѣтз έдгѣѣю
б́лгод́тѣ ѡ́ б́л: тѣ́ же ѡ́ дѡ́шє мо́л,
έл не прнчлєт́лнлєа э́н б́лгод́тн за неѡздерж́аніе.

Сѡман́т́тл ἡногдл пр́бєднѡго
о́ѣредн, ѡ́ дѡ́шє, нр́бѡмз б́лѓмз:
тѣ́ же не вѣєлл э́н вѣ́ дѡ́мз, нн έтр́ннл, нн пѣ́тннкл.
тѣ́мже черт́ѡга ἡзр́ннєшнлєа вѡ́нз, рѣд́ѡѡн.

Ѓєз́їєвз подраж́ала э́н ѡ́ка́ннлєа
р́зѡмз є́кѣ́рннн вєгдл дѡ́шє,
έѡ́мже ррє́ролѡѣте ѡ́лѡжн понє на έт́роєтѣ:
б́ѣглн ѓє́нєкагѡ ѡ́гнл, ѡ́єтѣ́ннєшн э́лхз тѡ́нхз.

Тѣ́ ѡ́з́н дѡ́шє порєѡнов́бшн,
егѡ́ прокаж́єніє вѣ́ єѣѣ έтлж́ала э́н έдгѣѡ:
бєзмѣ́єтнлєа во мы́слншн, бєззакѡ́ннлєа же дѣ́єшн:
ѡ́єт́кн ѣ́жє ἥмлшн, ἡ прнѣѣѣ кѣ́ покл́анію.

Н́нєν́т́гннн дѡ́шє є́лѣшлл э́н
ка́ѡцагєа б́ѣ, в́рєтнѡємз ἡ пѣ́єлѡмз.
έнхз не подраж́ала э́н: но ѣ́б́ллєа э́н э́лѣ́шлл
вѣ́ѣхз, пр́є́ждє закѡ́на, ἡ по закѡ́нѣ прєгрѣ́шнєшнхз.

Вѣ́ рѡѣѣ є́лѣтл є́лѣшлл э́н
їєрєміѡ дѡ́шє, ѓр́дл έѡ́нл
рѣд́аньмн воп́ѡца, ἡ є́лєзз ἥѣѣца,
подраж́анн егѡ́ пллѣ́єнѡє жнт́їє ἡ έпѣ́єшнлєа.

Ο Ιωνάς, εἰς θαρσεῖς ἀπέδραμε,
προγνούς τὴν ἐπιστροφὴν, τῶν Νινευϊτῶν,
ἔγνω γάρ ὡς προφήτης, Θεοῦ τὴν εὐσπλαγχνίαν,
ὅθεν παρεζήλου, τὴν προφητείαν μὴ ψευθεῖναι.

Τόν Δανιήλ, εν τῷ λάκκῳ ἤκουσας,
 πῶς ἐφραξεν ὡ ψυχῇ, στόματα θηρών,
 ἐγνώκας πῶς οἱ Παῖδες, οἱ περὶ Ἀζαρίαν,
 ἐσβησαν τῇ πίστει, καμίνου φλόγα καιομένην.

Τῆς παλαιάς, Διαθήκης ἅπαντας,
παρήγαγόν σοι ψυχή, πρὸς υπογραμμὸν,
μίμησαι τῶν δικαίων, τὰς φιλοθέους πράξεις,
ἐκφυγε δὲ πάλιν, τῶν πονηρῶν τὰς αμαρτίας.

Δικαιοκρίτα, Σωτήρ ελέησον,
καὶ ρύσαι με τοῦ πυρός, καὶ τῆς ἀπειλῆς,
ἥς μέλλω ἐν τῇ κρίσει, δικαίως υποστήναι,
ἄνες μοι πρό τέλους, δι' ἀρετῆς καὶ μετανοίας.

Ὡς ὁ Ληστής ἐκβῶ σοι Μνήσθητι,
ὡς Πέτρος κλαίει πικρῶς. Ἄνεις μοι Σωτήρ,
κράζω ὡς ὁ Τελώνης, δακρύω ὡς ἡ Πόρνη,
δέξαι μου τὸν θρήνον, καθὼς ποτὲ τῆς Χαναναίας.

Τὴν σηπεδόνα, Σωτὴρ θεράπευσον,
τῆς ταπεινῆς μου ψυχῆς, μόνε ἰατρέ,
μάλαιγά μοι ἐπίθεες, καὶ ἔλαιον καὶ οἶνον,
ἔργα μετανόιας, κατάνυξιν μετὰ δακρύνων.

Τὴν Χαναναίαν, καγὼ μιμούμενος,
 Ἐλέησόν με βοῶ, τῷ Υἱῷ Δαυὶδ,
 ἄπτομαι τοῦ κρασπέδου, ὡς ἡ Αἰμορροοῦσα,
 κλαίω ὡς ἡ Μάρθα, καὶ Μαρία ἐπὶ Λαζάρου.

Τό τών δακρύων, Σωτήρ ἀλάστρον,
 ως μύρον κατακενών, ἐπὶ κεφαλῇς,
 κράζω σοι ὡς ἡ Πόρνη, τόν ἔλεον ζητοῦσα,
 δέησιν προσάγω, καὶ ἄφεσιν αὐτῷ λαβεῖν με.

Εἰ καὶ μηδεὶς, ὡς ἐγὼ σοὶ ἡμάρτεν,
ἀλλ, ὁμως δέξαι καμὲ, εὐσπλαγχνε Σωτὴρ,
φόβω μετανοοῦντα, καὶ πόθῳ κεκραγότα.
Ἥμαρτον σοὶ μόνῳ, ἠνόμησα, ἐλέησόν με.

Φείσαι Σωτήρ, τοῦ ἰδίου πλάσματος,
καὶ ζήτησον ὡς ποιμήν, τό ἀπολωλὸς,
πρόβατον πλανηθέντα, ἐξάρπασον τοῦ λύκου,
ποίησόν με θρέμμα, ἐν τῇ νομῇ τῶν σῶν προβάτων.

Όταν Κριτής, καθίσης ως εύσπλαγχνος,
καί δείξης τήν φοβεράν, δόξαν σου Χριστέ,
ὡ ποῖος φόβος τότε! καμίνου καιομένης,
πάντων δειλιώντων, τό άστεκτον τοῦ βήματός σου.

Іѡна въ дѣрзѣхъ побѣждѣ,
 прогнѣзмѣхъ ѡбращеніе нѣнѣтѣнѡвхъ,
 разгнѣ бо ѡакѡ прѣрокъ бѣхѣ бѣгѡдѣрѡбіе:
 тѣмѣже ревноваше прѣрѣстѣхъ не солгѣтѣнѣ.

Данїїла въ рѣкѣ слышала єси,
какѣ заградѣ оутѣла, ѿ дшѣ свѣренї:
оутѣдѣла єси, какѣ отроцы нже ѿ азарїн,
погашша вѣроу пещи пламень горашїй.

РѢТХΛΓΩ **З**ΑΒΕΤΑ **Б**ΕΛ
 ΠΗΒΕΔΟΧΧ ΤΗ ΔΩΣΕ, **К**Ζ ПОΔΟБІЮ,
 ПОΔΡΑЖІИ ΠΡΑΒΕΔΝΗΧΧ **Б**ΓΟΛΟΥΒΕΛΛ ΔΕΛΛΗΛ,
 ΗΖΒΕΤΓΗΗ ЖЕ ΠΑΚΗ **Δ**ΚΑΙΒΥΙΧΧ ΓΡΕΤΧΩΒΖ.

Правосѣ спсе помилѹи,
и нзбави мѹ огнѹ, и прещенїѹ,
ѣже ѿмамз на сѣбѣ праведнѹ претерпѣти:
всѹбн мнѣ прѣжде концѹ, добродѣтелиѹ и поканіемз.

Іа́кв разо́бни́къ во́пїю ти: по́мани ма.
 іа́кв пе́тръ пла́чѣ горѣѣ: ѿсла́бѣ мнѣ спсе.
 зо́вѣ іа́кв мыта́рь: слезѣ іа́кв блѣднѣца.
 прѣ́имѣ моѣ́ рыда́ніе, іа́коже́ ино́гда́ хана́ніино.

ГНОЕНІЕ, СПСЕ, ИЩЕЛН
СМРЕННЫА МОЕА ДШН: ЕДННЕ ВРАЧУ,
ПЛАСТЫРЬ МНЧ НАЛОЖН, И ЕЛН И ВНО,
ДЕЛА ПОКАЛНІА, ОУМНЛЕНІЕ СО СЛЕЗАМН.

ХАНАНІЮ ѿ ѿЗЗ ПОДРАЖАѢ,
ПОМНІАѢ МѢ, БОПІѢ, СІНЕ ДБДОВЗ:
КАСАЮСА КРАѢ РІЗЫ, ІАКВ КРОВОТОЧІНАѢ:
ПЛАЧѢ, ІАКВ МАРДѢ ѿ МАРІА НАД ЛАЗАРЕМЗ.

Слѣзѣнѣю спѣе стклѣнницѣ,
ѣкѡ мѣро нѣстошавѣа на главѣ,
зовѣ ти ѣкоже блѣднѣца, мѣти ѣцѣшаа,
мольбѣ приношѣ, ѣ ѡстаблѣнѣе прошѣ прѣлѣтѣ.

ЯЩЕ Н НИКТОЖЕ, ЯКОЖЕ ЪЗЪ СОГРѢШН ТБѢ,
НО ОБАЧЕ ПРИМНН Н МЕНЕ, БЛГОУТРОБНЕ СПСЕ,
СТРАХОМЪ КАЮЩАСЯ, Н ЛЮБОВІЮ ЗОВУЩА:
СОГРѢШНУХЪ ТБѢБѢ ЕДИНОМУ: ПОМНИШЬ МЯ МЛЧУЩЕ.

Пошадѣ спсе твоѣ роуданіе,
и взыши ѡкоу пастырь погнѣшее,
предварѣ заблѣждашаго, корхнѣти ѿ вѣла,
сочвори ма ѡбѣ на пастырь твоихъ ѡвѣцъ.

ВѢДАѢ СЛАВЕНІИ ТВОЕМЪ БЛАГОУРОЧЕНЪ,
И ПОКАЖЕШИ СТРАШНЮЮ СЛАВУ ТВОЮ **СПЕ:**
ѿ КАКОВЫХЪ СТРАХЪ ТОГДА! ПЕШН ГОРАЩЕЙ,
ВРЕМЯ БОЛШЫМЪ НЕСТЕРПИМАГО СДАНІА ТВОЕГО.

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών

Η τού Φωτός, τού αδύτου Μήτέρ σε,
φωτίσσα σκοτασμού, έλυσε παθών,
όθεν εισδεδεγμένη, τού Πνεύματος τήν χάριν,
φώτισον Μαρία, τούς σέ πιστώσ ανευφημούντας.

Οσία τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών

Θαύμα καινόν, κατιδών εξίστατο,
ο θείος όντως εν σοί, Μήτερ Ζωσιμάς,
Άγγελον γάρ εώρα, εν σώματι καί θάμβους,
όλος επληρούτο, Χριστόν υμνών εις τούς αιώνας.

Άγιε τού Θεού, πρέσβευε υπέρ ημών

Ως παρρησίαν, έχων πρός Κύριον,
Ανδρέα Κρήτης σεπτόν, κλέος δυσωπώ,
πρέσβευε τού δεσμού με, τής ανομίας λύσιν,
νύν ευρείν ευχαίς σου, Διδάσκαλε, Οσίων δόξα.

Ευλογούμεν Πατέρα, Υιόν, καί άγιον Πνεύμα

Άναρχε Πάτερ, Υιέ συνάναρχε,
Παράκλητε αγαθέ, Πνεύμα τό ευθές,
Λόγου Θεού Γεννήτορ, Πατρός ανάρχου Λόγε,
Πνεύμα ζών καί κτίζον. Τριάς Μονάς ελέησόν με.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Ως εκ βαφής, αλουργίδος Άχραντε,
η νοητή πορφυρίς, τού Εμμανουήλ,
ένδον εν τή γαστρί σου, η σάρξ συνεξυφάνθη,
όθεν Θεοτόκον, εν αληθεία σέ τιμών.

Αινούμεν, ευλογούμεν καί προσκυνούμεν τόν Κύριον.

Katavasia " Ον Στρατιαί,..."

Μαρίν:

Свѣтъ неЗаХОДнМаГω мѣтн, тѣ
проеВѣтнѣшн, ѿ ѿмраЧенїа сѣраСѣн разРѣшн.
тѣмже вшѣдшн въ дхѡбндо бл҃годѣть,
проеВѣтн маріе, тѣ вѣрнѡ воєхВалѡм҃ыа.

Μαρίν:

Чѡдо нѡво вѣдѣвз, ѡ҃жасѣсѣа
бж҃евтвеннѣи въ тѣбѣ вѡср҃стнннѣ мѣтн зѡи́ма:
л҃г҃ла бо зрѣше во плѡтн, ѡ҃жасѡмз
вѣсн нѣполнѣсѣа, хр҃тѣ поа бо вѣкн.

Ἁνδρέο:

Ѣкѡ дерзновѣнїе нмѣи ко гдѢ,
л҃ндрѣе кр҃стекїи ѣтнѣа похвалѡ, молѡ,
молїсѣа разРѣшѣнїе ѿ ѡ҃зз беззакѡнїа
нѣнѣ ѡбрѣсѣтн мнѣ молнѣамн твоѡмн,
Ѣкѡ покaлѣнїа ѡ҃гнїтель, ѡ прѣподѡбнѣхз слѣа.

Бл҃гоєлѡбїмз ѡ҃цѣ, ѡ снѣ, ѡ сѣаго дх҃а, гдѣ. **Тр҃ченз:**

Безначaлѣне ѡ҃тѣ, снѣ єѡБезначaлѣне,
ѡ҃тѣшнтелю бл҃гїи, дш҃е прaвѣи:
єлѡва бж҃їа роднѣтелю, ѡ҃цѣ безначaлѣна єлѡве,
дш҃е жнбѣи ѡ знѣждѣи, тр҃це єднннѣ помнѣи мѣ.

Ἁγορόδηченз:

Ѣкѡ ѿ ѡбрѡцѣнїа черВленнѣи прѣѣтѣа,
ѡ҃мнѣа баГр҃дннѣа ємманѣнѣа,
вндрѣ бо үрѣвѣ твоѡмз плѡть нѣткѣа:
тѣмже вѣдѣ вѡср҃стнннѣ тѣ почнтѣемз.

Хвалїмз, бл҃гоєлѡбїмз, поклнѣемѣа гдѣи, поіѡмє ѡ
прѣвѡзносѣмє бо вѣдѣ вѣкн.
Ἡ пaкн ἱρмѡєз.

Ukrajinský veľ. zborník tu má: Veličit duša moja + Čestnijšuju.
Rusi – hned' irmos;

Τά Τριώδια, Ωδη θ' Ἦχος πλ. δ', Κυρίως Θεοτόκον

Irmos (nedeľný kánon Bohorodičke)

Κυρίως Θεοτόκον*^c σέ ομολογούμεν,/ c3 7+6
οι διά σου σεσωσμένοι * Παρθένε αγνή,/ c3 8+5
σύν Ασωμάτοις χορείαις* σέ μεγαλύνοντες.// 8+5

ΒΟΗΕΤΗΝΗΔ ΕΥΨ ΤΑ ΗΠΟΒΕΔΔΕΜΖ
ΕΠΕΕΝΗΗ ΤΟΒΟΪ ΔΒΟ ΪΤΑΔ,
ΕΖ ΕΕΖΠΛΟΤΗΜΗ ΛΗΚΗ ΤΑ ΒΕΛΗΓΛΥΜΕ.

Απόστολοι του Χριστού, πρεσβεύσατε υπέρ ημών.

Πηγαί του σωτηρίου,νάματος δειχθέντες,
τήν εκτακείσαν ψυχήν μου, Απόστολοι,
τής αμαρτίας τή δίψη, καταδροσίσατε.

ΗΕΤΟΧΗΗЦЫ ΠΑΡΗΤΕΛΗНЫΔ ΒΟΔΥ ΙΒΛΥШЕΔ
ΑΠΛΗ, ΗΕΤΑΛΒШДЮ ΔΨШ ΜΟΪ ***
ΓΡΕΧΟΒНОЮ ЖАЖДОЮ, ΨΡΟΗΤΕ.

Νηχόμενον πελάγει, τώ τής απωλείας,
καί υποβρύχιον ήδη γενόμενον,
σή δεξιά, ως τόν Πέτρον, Κύριε σώσόν με.

ΠΑΛΕΛΥШΑГО ΕΖ ΠΔΧΗΗΨ ΠΟΗΒΕΛΗ,
Η ΕΖ ΠΟΓΡΔЖΕНІΗ ΨЖЕ БЫΒША,
ΤΒΟΕЮ ΔΕΗНЦЕЮ, ΙΑΚΟЖЕ ПЕТРА, ΓΔΗ ΕΠІ ΜΔ.

Ως άλας τών νοστίμων, όντες διδαγμάτων,
τήν σηπεδόνα νοός μου ζηράνατε,
καί τής αγνοίας τό σκότος, αποδιώξατε.

ΙΑΚΩ ΕΟΛΗ, ΕΚΔΕНЫХЗ ΕΔЦЕ ΨΓΕНІЙ,
ГНІЛЫГТВО ΨМА МОЕГΩ ΗΖΕΔШНТЕ,
Η НЕВΕДѢНІΔ ТЫМД ΨЖЕНІТЕ.

Θεοτοκίον

Χαράν ως τετοκυία, πένθος μοι παράσχου,
δι' ού τήν θείαν παράκλησιν Δέσποινα,
εν τή μελλούση ημέρα ευρείν δυνήσομαι.

ΕΓΓΟΡΟΔΗЧЕНЗ:

ΡΑΔΟΥТЬ ΙΑΚΩ ΡΟΔІШЛАΔ, ΠΛΑЧЬ ΜΗΨ ПОΔІЖДЬ,
ΗМЖЕ ΕΓЖЕГТВЕННОЕ ΨГТΨШЕНІЕ ΒΛΥЦЕ,
ΕΖ ΕΔΔЦЕМЗ ΔΗΗ ΨΒРГЕГН ВОЗМОГД.

Σε τὴν οὐρανοῦ καὶ γῆς μεσίτιν ::	10
πάσαι γενεαὶ μεγαλύνομεν,/	10
σωματικῶς γὰρ ἐσκήνωσεν ἐν σοὶ ::,	11
τό πλήρωμα Παρθένε τῆς θεότητος. //	12

ТѦ НЕБЕСНЪ И ЗЕМАН ХОДАША
ВСН РОДНЪ ОУБЛАЖАЕМ
ПЛОТНО ВСЕЛЕНСЪ ВПЪ
ИСПОЛНЕНИЕ ДѢВО БОЖЕСТВЕННОЕ.

Σέ τό ευκλεές τών Αποστόλων,
σύστημα ωδαίς μεγαλύνομεν,
τῆς οικουμένης φωστήρες γάρ φαιδροί,
εδείχθητε τήν πλάνην εκδιώκοντες.

ТѦ БѢГОСЛАВНОЕ АПѢЛЫКОЕ
СОБРАНІЕ, ПЕРВЫМЪИ ВЕЛИЧІЕМЪ:
ВСЕЛЕННѢИ БО СВѢТІЛА СВѢТЛАА
ІАВНІТЕСА, ПРЕЛЕТЪ УГОНАЩЕ.

Ευαγγελική υμών σαγήνη,
λογικούς ιχθύας αგრεύοντες,
αυτούς προσφέρετε πάντοτε Χριστώ,
οἰψώνιον Απόστολοι μακάριοι.
(doslova proviant, odmena či mzda vo forme potravy)

БЛГОВѢСТНОЮ МРѢЖЕЮ БАШЕЮ,
СЛОВЕСНЫЯ РЫБЫ ОУЛОВИВШЕ,
ИѦ ПРИНОСИТЕ ВСЕГДА СЯЩЕ
ХРІСТѦ, ЯВЛН БЛЖЕННІИ.

Εν τῇ πρὸς Θεὸν ὑμῶν αἰτήσῃ,
μέμνησθε ἡμῶν Ἀπόστολοι,
ἀπὸ παντός λυτρωθῆναι πειρασμοῦ,
δεόμεθα, τοὺς πόθῳ ἀνυμνοῦντας ὑμᾶς.

Къ бг҃ѡ вѣшнѣмъ прошеніемъ
помяните насъ ѿпѣ,
ѡ вѣка҃хъ ѡзбѣвѣнтіа насъꙋщїа,
молима, ѡбѡвѣю возпѣвающа вѣс.

Δόξα...

Σέ τήν τρισυπόστατον Μονάδα,
Πάτερ, καί Υιέ σὺν τῷ Πνεύματι,
ένα Θεόν ὁμοούσιον ὑμῶν,
Τριάδα ὁμοδύναμον καί ἀναρχον.

Трѣхъ:
Та трѣхъпостѣхъ ѣдиннѣхъ,
 ѻче, ѣне, со дхомъ,
 ѣдинаго бга еднородна пою,
 троѣхъ единоименнѣхъ и безначаленнѣхъ.

Καί νύν... Θεοτοκίον

Σέ τήν παιδοτόκον καί Παρθένον,
πάσαι γενεαί μακαρίζομεν,
ὡς διά σου λυτρωθέντες τῆς ἀράς,
χαράν γάρ ἡμῖν ἔτεκες τόν Κύριον.

БѢГОРОДЧЕНЪ:
ТѦ ДѢТОРОДЧЕЛЫНЦѸ Н ДѢШ,
 ВСН РОДН ОУБЛЖАЕМЪ,
 ІАКЪ ТЮБОЮ НЗБАВЛШЕЯ Ѡ КЛАТЪВ:
 РАДОСТЬ БО НАМЪ РОДИЛѦ СѦН ГДА.

Ἀσπόρου συλλήψεως * 7
 ο τόκος ανερμηνευτος * / 8
 Μητρός ανάνδρου : \ / άφθορος η κύησις, * 5+7
 Θεού γάρ η γέννησις, */ \ καινοποιεί τάς φύσεις. // 7+7

Διό σε πάσαι αι γενεαί : 9
 ως Θεόνυμφον Μητέρα :* 8
 ορθοδόξως μεγαλύνομεν. // 9

Ἀσπόρου συλλήψεως ο τόκος ανερμηνευτος
 Μητρός ανάνδρου : άφθορος η κύησις,
 Θεού γάρ η γέννησις, καινοποιεί τάς φύσεις. //
 Διό σε πάσαι αι γενεαί
 ως Θεόνυμφον Μητέρα
 ορθοδόξως μεγαλύνομεν. (Δίς)

Ο νούς τετρανμάτισται, τό σώμα μεμαλάκισται,
 νοσεί τό πνεύμα : ο λόγος ησθένησεν,
 ο βίος νενέκρωται, τό τέλος επί θύραις.
 διό μοι τάλαινα ψυχή,
 τί ποιήσεις όταν έλθης,
 ο Κριτής ανερευνήσαι τά σά;

Μωσέως παρήγαγον, ψυχή τήν κοσμογένεσιν,
 και εξ εκείνου, : πάσαν ενδιάθετον,
 γραφήν ιστορούσάν σοι, δικαίους καί αδίκους.
 ών τούς δευτέρους ώ ψυχή,
 εμιμήσω, ου τούς πρώτους,
 εις Θεόν εξαμαρτήσασα.

Ο Νόμος ησθένησεν, αργεί το Ευαγγέλιον,
 Γραφή δέ πάσα : εν σοί παρημέληται,
 Προφήται ητόνησαν, καί πάς δικαίου λόγος.
 αι τραυματίαι σου ώ ψυχή,
 επληθύνθησαν, ουκ όντος,
 ιατρού του υγιούντός σε.

Τής νέας παράγω σοι, Γραφής τά υποδείγματα,
 ενάγοντά σε: ψυχή πρόσ κατάνυξιν,
 δικαίους σύν ζήλωσον, αμαρτωλούς εκτρέπου.
 καί εξιλέωσαι Χριστόν,
 προσευχαίς τε καί νηστείαις,
 καί αγνεία καί σεμνότητι.

Χριστός ενηνθρώπησε, καλέσας εις μετάνοιαν,
 ληστάς καί πόρνas: ψυχή μετανόησον,
 η θύρα ηνέωκται, τής Βασιλείας ήδη.
 καί προαρπάξουσιν αυτήν,
 Φαρισαίοι καί Τελώναι,
 καί μοιχοί μεταποιούμενοι.

Безсмертнаго зачатїа ржѣтвѣ неказанное
 мѣре безмѣрныа : неплѣненъ плодъ
 бжїе бо рождѣнїе ѡбновляетъ сїевѣтѣ.
 тѣмже тѣ вєи рѣдн,
 їакѡ бг҃оуебѣтнѣю мѣрь
 правобл҃гнѡ велнчїемъ.

Οὔμις ὡς τρῶπῃς, τῆλο ὡκοπέζησαι,
 ηεδγδετз δδχ: ελόβο ηζнеμόже,
 жнтіе ὕμερτнѣа, конѣз прн двѣрѣхъ.
 тѣмже моа ѡκλάνнл δδшѣ,
 чтѡ іотворншн, ѣгдл прїндетъ
 εδїлл нспытїтн твоа;

Мωνѣево прнведѡхъ тн δδшѣ, мїробїтїе,
 н ѡ тогѡ вєе завѣтнѡе
 пнелїе повѣдаѡще тѣѣ прѣвѣднѡа н непрѣвѣднѡа:
 ѡ ннхже вторнїа, ѡ δδшѣ,
 подражїлїа сїи, а не прѣвнѡа,
 вѣ бг҃л іогрѣшнѣшн.

Законъ ηζнеμόже, прѣздндетъ ѣνїїе,
 пнелїе же вєе вѣ тѣѣ неερεжѣно бг҃їтѣ,
 пррѡцы ηζнемогѡшл, н вєе прѣвѣднѡе ελόβο:
 ετρѡпн тѡи, ѡ δδшѣ,
 ὕμнѡжншлсѡ, не εδшѣ
 врлчѣ нсцѣлѡѡемѡ тѣ.

Нѡблгѡ прнвождѡ тн пнелїїа ὡκλзнїїа,
 вѡдлшл тѣ δδшѣ, ко ὡμнлїнїю
 прѣвѣднѡымъ ὡѣѡ поревнѣн, грѣшнѡхъ же ѡвѣрцїїсѡ,
 н ὡмлѣтнѣн хрїтл
 млтѡамн же н поцѣнѣмн,
 н чнстѡтѡю, н гѡвѣнїемъ.

Χρїтѡε вѡчлѣѣнлсѡ, прнзѣвѣзъ кѣ поклнїю
 рлзѡѡнннκн, н блдннцѣ: δδшѣ поклнїсѡ,
 двѣрь ѡвѣрзѣсѡ црѣтѣл ὡжѣ.
 н прѣвѡсчнцїлѡтъ ѣ
 φλїѣε н мытлрн
 н прѣлѡбѡдѣн клнцїїсѡ.

Χριστός ενιηθρώπησε, σαρκί προσομιλήσας μοι,
καί πάντα όσα: υπάρχει τής φύσεως,
βουλήσει επλήρωσε, τής αμαρτίας δίχα.
υπογραμμόν σοι ώ ψυχή,
καί εικόνα προδεικνύων,
τής αυτού συγκαταβάσεως.

Χριστός Μάγους έσωσε, Ποιμένας συνεκάλεσε,
Νηπίων δήμους: απέδειξε Μάρτυρας,
Πρεσβύτεν έδόξασε, καί γηραλέαν Χήραν.
ών ουκ εξήλωσας ψυχή,
ου τάς πράξεις, ου τόν βίον,
αλλ' ουαί σοι εν τώ κρίνεσθαι!

Νηστεύσας ο Κύριος, ημέρας τεσσαράκοντα,
εν τή ερήμω: ύστερον επείνασε,
δεικνύς τό ανθρώπινον. Ψυχή μη αθυμής, //
άν σοι προσβάλλη ο εχθρός,
προσευχή τε καί νηστεία,
εκ ποδών αποκρουσθήτω σοι.

Χριστός επειράζετο, Διάβολος επείραζε,
δεικνύς τούς λίθους: ίνα άρτοι γένωνται,
εις όρος ανήγαγεν, ιδείν τάς βασιλείας.
τού Κόσμου πάσας εν ριπή,
Φοβού ώ ψυχή τό δράμα,
νήφε, εύχου, πάσαν ώραν Θεώ.

Τρυγών η φιλήρημος, φωνή βοώντος ήχησε,
Χριστού ο λύχνος: κηρύττων μετάνοιαν,
Ηρώδης ηνόμησε, σύν τή Ηρωδιάδι.
Βλέπε ψυχή μου μη παγής,
τών ανόμων ταίς παγίσιν,
αλλ' ασπάζου τήν μετάνοιαν.

Τήν έρημον ώκησε, τής χάριτος ο Πρόδρομος,
καί Ιουδαία, πάσα καί Σαμάρεια,
ακούοντες έτρεχον, καί εξωμολογούντο.
τάς αμαρτίας εαυτών,
βαπτιζόμενοι προθύμως,
ούς αυτή ουκ εμιμήσω ψυχή.

Ο γάμος μέν τίμιος, η κοίτη δέ αμίαντος,
αμφοτέρα γάρ, Χριστός προευλόγησε,
σαρκί εσθιόμενος, καί εν Κανά δέ γάμω.
τό ύδωρ οίνον εκτελών,
καί δεικνύων πρώτον θαύμα,
ίνα σύ μετατεθής ώ ψυχή.

Παράλυτον έσφιγξε, Χριστός τήν κλίνην άραντα,
καί νεανίσκον, θανέντα εξήγειρε,
τής χήρας τό κύημα, καί τού Εκατοντάρχου,
καί Σαμαρείτιδι φανείς,
τήν εν πνεύματι λατρείαν,
σοί ψυχή προεζωγράφησεν.

Χρ̑τός вочлѣнїа, плѣтѣ прѣвѣнїа мнѣ,
и вѣдѣ, ѣли҃ка ѣсть ѣр҃етѣвѣ
хотѣнїемъ нїполнѣ грѣхѣ кромѣ.
подоѣте тѣбѣ, ѿ дшѣ,
и ѡбразъ предпоказѣ
вбогѣ иннѣхѣденїа.

Χρ̑τός вѣлѣбѣ επ̑, пѣтѣнѣ ѡзвѣ,
младѣнѣцѣ мнѣжѣтѣвѣ показѣ мѣннѣннѣ,
ѣтѣрѣцѣ проѣлѣннѣ, и ѣтѣрѣцѣ вѣдѣннѣцѣ.
нѣже не порѣвнобѣлѣ ѣннѣ дшѣ,
ни дѣлѣннѣмъ, ни жнѣтѣннѣ:
но гѣре тѣбѣ, внѣдѣлѣ вѣдѣннѣ ѣднѣтнѣ.

Πορτнѣа гѣлѣ дннѣ четѣрѣдѣннѣтѣ
вѣ пѣтѣннѣ, поѣлѣднѣ вѣлнѣкѣ,
показѣлѣ члѣннѣкѣ: дшѣ, да не рѣзлѣннѣннѣ.
ѣце тѣбѣ прнлѣжнѣтѣ вѣлнѣ,
мѣтѣннѣ же и поѣтѣмъ
ѡ нѣгѣ тѣбѣхѣ да ѡрѣзнѣтѣ.

Χρ̑τός нѣкѣшлѣннѣ, дѣлѣбѣ нѣкѣшлѣннѣ,
показѣлѣ кѣмнѣ, да хлѣбѣннѣ вѣдѣтѣ:
на гѣрѣ вѣзвѣдѣ вѣдѣтнѣ вѣлѣ цѣрѣтѣлѣ
мѣлѣ вѣ мѣннѣннѣ.
ѡбѣннѣ ѿ дшѣ, лѣлѣннѣ,
трѣзвѣннѣ молнѣ на вѣлнѣ чѣлѣннѣ вѣлѣ.

Гѣрннѣ пѣтѣннѣннѣ, глѣлѣ вѣпѣннѣннѣ вѣзлѣннѣ,
хр̑тѣннѣ вѣтѣннѣннѣ, пропѣлѣдѣннѣ показнѣ,
нѣрѣлѣ вѣзлѣннѣннѣ вѣ нѣрѣлѣннѣ.
зрѣннѣ мѣлѣ, да не ѡбѣлѣннѣннѣ
вѣ вѣзлѣннѣннѣ вѣтнѣ,
но ѡбѣлѣннѣ показнѣ.

Вѣ пѣтѣннѣ вѣлнѣ вѣлѣдѣннѣ прѣтѣлѣ,
и ѣдѣлѣ вѣлѣ и самарїа
слѣлѣннѣ тѣлѣлѣ, и нѣпѣлѣлѣлѣ
грѣхнѣ вѣлѣ,
крѣлѣлѣннѣ ѡбѣлѣннѣ:
нѣже тѣлѣ не поѣлѣлѣ ѣннѣ дшѣ.

Врѣлѣ ѡбѣлѣннѣ, и лѣже нѣкѣлѣннѣ:
ѡбѣлѣ вѣ хр̑тѣннѣ прѣлѣлѣ вѣлѣлѣннѣ,
плѣтнѣ гѣлнѣ, и вѣ кѣлѣ же на вѣлѣлѣ
вѣлѣ вѣлѣннѣ вѣлѣлѣлѣ,
и показѣлѣ пѣлѣлѣ чѣлѣ:
да тѣлѣ нѣлѣннѣннѣ ѿ дшѣ.

Рѣлѣлѣлѣннѣннѣ ѣлѣлѣлѣ хр̑тѣннѣ, ѣлѣлѣ вѣлѣлѣ,
и нѣлѣлѣ ѡлѣлѣлѣ вѣлѣлѣлѣ,
вѣлѣлѣ рѣлѣлѣ, и ѣлѣлѣлѣ ѣлѣлѣ,
и самарннѣннѣ гѣлѣлѣ,
вѣлѣлѣ лѣлѣлѣлѣ тѣлѣлѣ,
дшѣлѣ прѣлѣлѣлѣлѣ.

Оумираюша спси ма, сие дѣдовъ помилуи,
бѣнующыма слобомъ ищелныи,
глазъ же блгоутробный ѡакъ разбойникъ мнѣ рцы:
аминь глаголю тебе, со мною
бѣдешъ въ раи,
егда прїиде бо слава моя.

Ληστής κατηγορεί σοι, Ληστής εθεολόγει σοι,
αμφότεροι γάρ, σταυρώ συνεκρέμαντο,
αλλ' ὡ Πολυνεύπλαγχνε, ὡς τὼ πιστῷ Ληστή σου.
τῷ επιγνόντι σε Θεόν,
καμοὶ ἀνοίξον τὴν θύραν,
τῆς ἐνδόξου βασιλείας σου.

Ἡ κτίσις συνείχετο, σταυρούμενόν σε βλέπουσα,
ὄρη καὶ πέτραι: φόβῳ διερρήγνυντο,
καὶ γῆ συνεσειέτο, καὶ Ἄδης ἐγυμνούτο.
καὶ συνεσκοτάσε τὸ φῶς,
ἐν ἡμέρα καθορών σε,
Ἰησοῦ, προσηλωμένον σαρκί.

Αἰτίους μετανοίας, καρπούς μὴ απαιτήσης με,
ἡ γάρ Ἰσχὺς μου, ἐν ἐμοὶ ἐξέλιπε,
καρδίαν μοι δώρησαι, αἰεὶ συντετριμμένην.
πτωχείαν δέ πνευματικὴν,
ἵνα ταῦτά σοι προσοίσω,
ὡς δεκτὴν θυσίαν μόνε Σωτήρ.

Κριτά μου καὶ γνώστά μου, ὁ μέλλον πάλιν ἔρχεσθαι,
σύν τοῖς Ἀγγέλοις, κρίναι Κόσμον ἅπαντα,
ἰλέω σου ὀμματι, τότε ἰδὼν με φέισαι.
καὶ οἰκτεῖρόν με Ἰησοῦ,
τόν υπέρ τὴν πάσαν φύσιν,
τῶν ἀνθρώπων ἀμαρτήσαντα.

Ὁσία τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ἡμῶν

Ἀπάσας ἐξέστησας, τὴ ξένῃ πολιτεία σου,
Ἀγγέλων τάξεις, βροτῶν τὰ συστήματα,
αὐλῶς βιώσασα, καὶ φύσιν υπεربάσα.
ἀνθ' ὧν ὡς ἄυλος τοῖς ποσίν,
ἐπιβαίνουσα Μαρία,
Ἰορδάνην διεπέρασας.

Ὁσία τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ἡμῶν

Τόν Κτίστην ἰλέωσαι, υπέρ τῶν ευφημούντων σε,
οσία Μήτηρ, ρυσθῆναι κακώσεων,
καὶ θλίψεων τῶν κύκλῳ, συνεπιτιθεμένων.
ἵνα ρυσθέντες τῶν πειρασμῶν,
μεγαλύνωμεν ἀπαύστως,
τόν δοξάσαντά σε Κύριον.

Ἄγιε τοῦ Θεοῦ, πρέσβευε υπέρ ἡμῶν

Ο δεῖξας ἐράσιμον τὸ Νύμφης Κάλλος ἀριστον,
Ρουβὴν, Ἀνδρέας, ζήτῳ ψάλτης κράτιστος,
Χριστόν ἱλασκόμενος, καὶ μὴ ἀποθανέτω.
αλλ' ὥσπερ στόμα Θεοῦ, πολλοῦς
ἀδελφούς, Χριστῷ προσάγοι,
ἐπὶ τράχηλον Ἐχθροῦ ἀτελεύτητον.

Разбóйникъ ѿглаголоваше τὰ, разбóйникъ ёголюбаше τὰ,
ѡба во на крѣѣ вѣсѣста:
но ѡ ёгоѡтробѣ, ѡакъ вѣрномѹ разбóйникѹ твоемѹ,
познáвшемѹ τὰ ёго,
и мнѣ ѡвѣрзи дѣръ
сладкаго црѣтѣа твоегѡ.

Тѣрь содрогáшея распнáема тὰ вѣдáщи,
гóры и камѣнѣа стрáхомъ распадáхуся,
и землá содрогáшея, и а́дъ ѡбнажáшея,
и соумрачáшея вѣѣтъ
во днѣ, зрá тѣбѣ
и́же пригвождѣна ко крестѹ.

Асѡтóйникъ покáлнѣа плодóвъ не и́сѣтáжнѹ ѡ мене:
и́бо крѣпостѣ моѡ во мнѣ ѡнѡдѣѣ,
сѣрдце мнѣ дáрънѹ приенѹ сокóрдшѣенноѹ.
нищѣтѹ же а́хóвнѹю,
да сѣа тѣбѣ принедѹ,
ѡакъ прѣáтнѹю жѣртѹ, ё́днѣе сѣе.

Сдáѣ моѡ, и вѣдáче моѡ, хотáнѹ пáкнѹ прѣнтѣ
со а́гглы, сдáнѣтнѹ мѣрѹ вѣемѹ,
мáтнѣнымъ твоѡмъ ѡкомъ тогдá вѣдѣвъ мá, пощáднѹ
и ѡцмѣрнѹ мá и́же,
пáче вѣáкаго сѣтѣтѣа
человѣчá согрѣшнѣша.

Μαρίν:

Ѳ́днѣнѣа ё́нѹ вѣѣхъ стрáннѣмъ жнѣтѣмъ твоѡмъ,
а́ггловъ чѣны, и чѣловѣковъ собóры,
невещѣтѣвеннѹ пожнѣши, и сѣтѣтѣвѹ прѣшѣдши:
и́мже, ѡакъ невещѣтѣвеннѣма ногáма
вѣдѣши маріе,
ѡрдáнъ прѣшá ё́нѹ.

Μαρίν:

Ѳ́мнѣостнѣи создáтѣа ѡ хвáлѣи хъ τὰ,
прѣенаа мáтнѹ, и́збáвнѣи ѡсѡблѣнѣи
и́и корѣнѹ ѡкρестъ напáдѣи хъ:
да и́збáвнѣшея ѡ напáстѣи,
вoзбелѣчѣмъ неперѣáннѹ
прoсáблѣшáго τὰ гáа.

Ἀνδρέο:

Ἄдрѣе чѣстнѣи, и ѡ́тѣе трѣбáжѣннѣишѣи,
пáстѣио крѣтѣиѣи, не прѣстáнѹ молáсá
ѡ вoспѣвáи хъ τὰ: да и́збáвнѣи вѣи
гнѣа и́и корѣи, и тлѣнѣа,
и́и прѣгрѣшѣнѣи вѣзмѣрнѣи хъ,
чѣдѣи твоѡ пáмáтѣ вѣрнѹ.

Ταῖς ληστρिकाῖς εφόδοις,^a
περιπεσούσα ψυχή μου,^a
δεινῶς τετραυμάτισαι, G3 -a

ἐξ οικείων πταισμάτων,^c
παραδοθείσα^c ανοήτοις ἐχθροῖς, yG3 -a

ἀλλ' ὥς ἔχουσα καιρόν,^d
ἐν κατανύξει βόησον. G3

Ελπίς ἀπηλπισμένων, D2 //
ζωή ἀπεγνωσμένων, D2
Σωτήρ ἀνάστησον, καὶ σώσόν με. G3

Вз разбѣо́нннчскѣѡ пѣтѣ
вплѣшн дѡшѣ моѡ, лѡтѣ о́бзвєлєнѣ ѣѣ .

ѡ вєо́нчз ро҃грѣшє́нїѣ,
прєдлѣшнєл нєрѣзѣмннмз вєрѣгѡмз.

но ѣѡкѡ нмдѣмѡл врѣмѡ,
во о́мнлє́нїѣ вєзопїѣ:

о́повѣнїє нєнѡдѣжннчз,
жнєотѣ ѡчлѡвшнчєл,
ѣпє, вєзєтѡбн н єпєч мѡ.

Στίχ. Ενεπλήσθημεν τό προῖ τού ελέους σου...

Καί πάλιν τό αὐτό

Στίχ. Καί ἔστω ἡ λαμπρότης Κυρίου τού Θεοῦ...

Μαρτυρικόν // Мѣнчєнз:

Τόν θώρακα τῆς Πίστεως, 8 ἐνδυσάμενοι καλῶς, 7
καί τῷ τύπῳ τοῦ Σταυροῦ, 7 καθοπλίσαντες εαυτούς, 8
στρατιώται ευσθενεῖς ἀνεδείχθητε, 12
τοῖς τυράννοις ἀνδρείως ἀντικατέστητε, 13
καί διαβόλου τήν πλάνην κατηδαφίσατε, 14
νικηταί γενόμενοι, 7 τῶν στεφανῶν ἠξιώθητε, 9
πρεσβεύσατε αἰεὶ υπέρ ἡμῶν, 10
εἰς τό σωθῆναι τάς ψυχάς ἡμῶν. 10

Во вєрѡчѡ вѣѣры ѡбѡлєкшєлѡ дѡбєрѣ,
н ѡвєрѣзѡмз крєѣтннмз вѡвєрѣжнѣшє ѣѣѣ,
вѡннн єлѣгомѡщнїѣ покѡзѡстєєлѡ,
мѡчнѣтєлємз мѡжєєкн прѡтѣвєстєєлѡ,
н дїѡбѡлѡ прѣлєєтѣ по҃трєбнѣстє,
по҃вѣднѣтєлє єѣѣшє, вѣѣнцѣєлѡ єпѡдѡбєстєєлѡ:
мѡлнѣтєлѡ хрїстѡ ѡ нѡєлѡ,
во ѣѣжє єпїстнѣлѡ дѡшлѡмз нѡшнмз.

Δόξα... Καί νύν... Θεοτοκίον // Гл҃гз, н нннѣ, вѣ҃роднчєнз:

Δέχου τὰς φωνάς τῶν οικετῶν σου, 10
πάναγνε Παρθένε Θεοτόκε, 10
καί πρέσβευε απαύστως, 7
πλημμελημάτων λύσιν, 7
καί εἰρήνην δωρηθῆναι ἡμῖν. 10

Прїѣмнѣ гл҃гзы рѡєлѡ тѣо́нчз,
вєєѣтѡлѡ єѣѣѣ дѣѡ, /
н мѡлн нєпрєєтѡннѡ,
грѣѣхѡєлѡ разрѣшє́нїє, /
н мнѣрз дѡрѡбѡтн нѡмз.